

MPHIN 36951

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए • वर्ष 01, अंक 12 मासिक पत्रिका • जून 2022

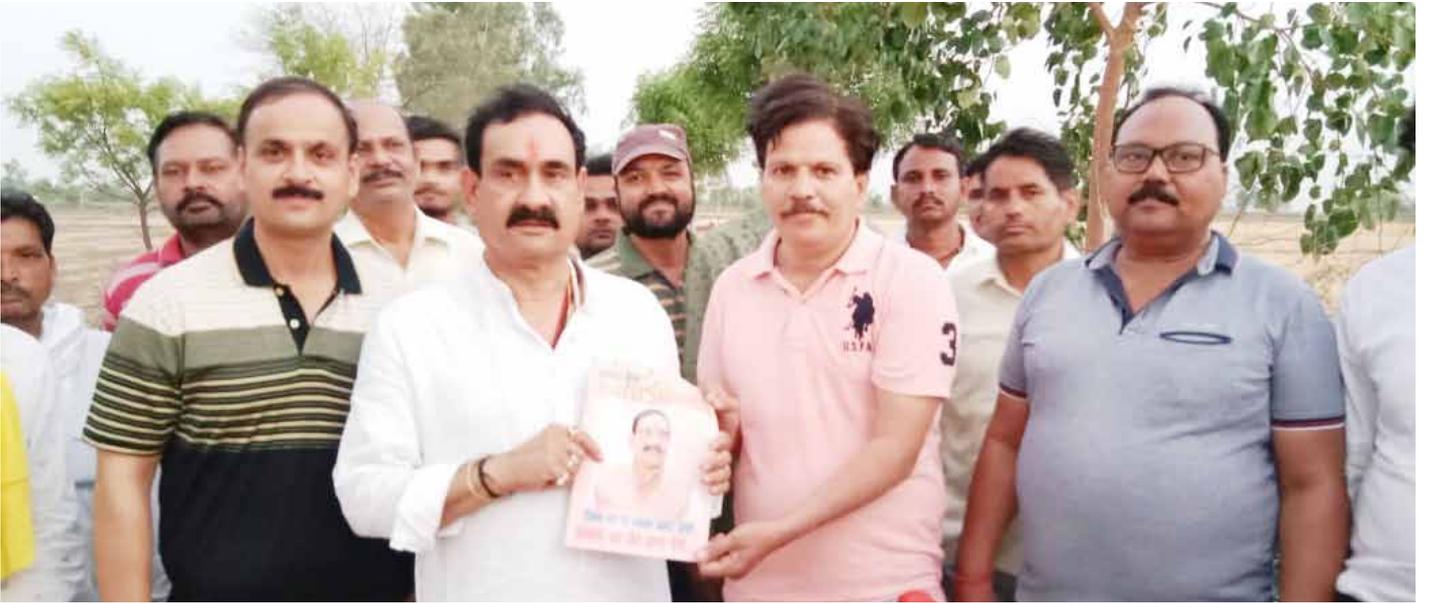


द्रोपदी सुर्मू

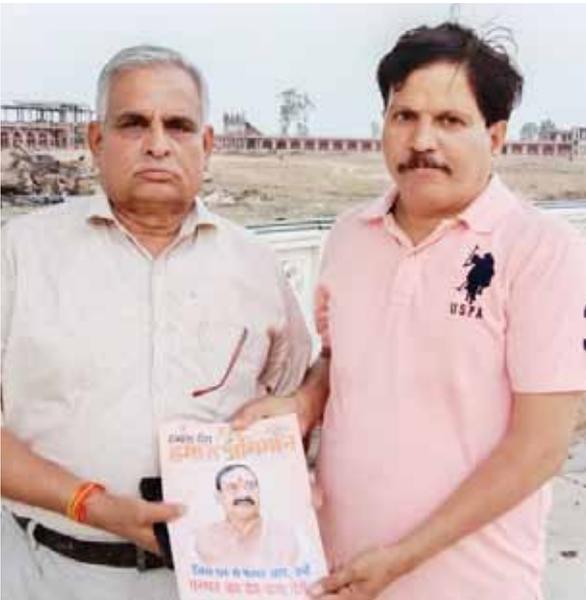
क्लर्क से महामहिम की उम्मीदवारी तक का सफर...



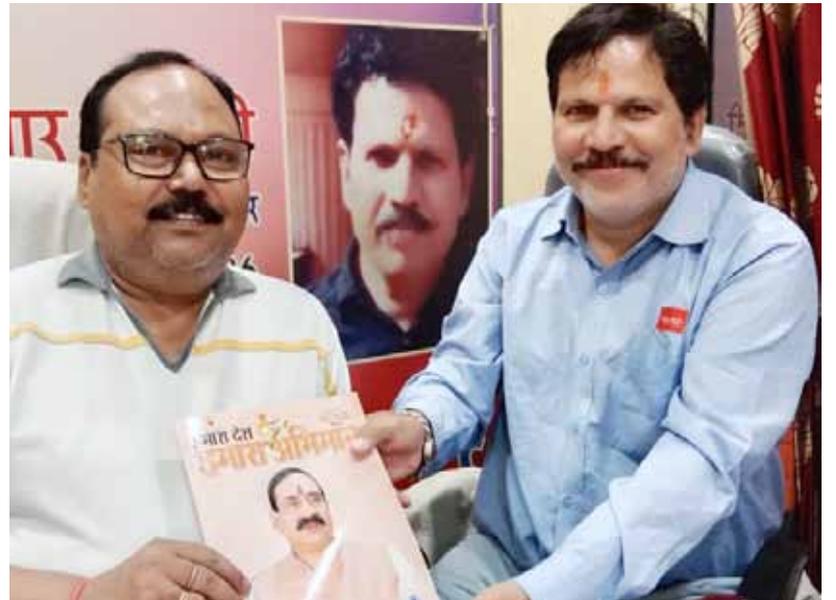
माननीय कमल पटेल जी मध्यप्रदेश शासन में कृषि एवं कल्याण मंत्री(कैबिनेट मंत्री) एवं संपादक मनोज चतुर्वेदी, संरक्षक अनिल जैन हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका ।



माननीय नरोत्तम मिश्रा जी गृह मंत्री मध्यप्रदेश शासन (कैबिनेट मंत्री) एवं साथ में संपादक मनोज चतुर्वेदी, एवं पूर्व डबरा कृषि मंडी अध्यक्ष श्री बंटी गौतम और श्री अनिल जैन शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट एवं संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका



आदरणीय डॉक्टर श्री मन नारायण मिश्रा जी बरिष्ठ संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका एवं संपादक मनोज चतुर्वेदी



श्री अनिल शुक्ला जी शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट एवं संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी श्री धूमस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक, श्री नागेंद्र नाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी • श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय • श्री अरविद जैन
- श्री पी.के. शर्मा, • श्री एस.डी. धाकड़, • श्री अरुण कांत शर्मा,
- श्री महेश पुरोहित • श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट, • श्री मनोज भारद्वाज, श्री अनिल जैन, श्री निर्मल बासवानी • श्री विद्याभूषण शर्मा • श्रीमती अर्चना बाजपेयी

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित : प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता

- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार

एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
एडवोकेट श्याम पाठक ग्वालियर हाई कोर्ट

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौर

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)

सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

ब्यूरो राजस्थान

सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन- साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

सलाहकार

- डॉ. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, • डॉ. दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- अनिल दुबे • विकास चतुर्वेदी • सुरेश शर्मा
- नारायणदास गुप्ता, • पीयूष श्रीवास्तव

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर

- सुनील • हरशूल • संजू

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4, रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी। (सभी चिवादी का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	02
शुभाशीष	03
कवर स्टोरी	04-05
कवर स्टोरी	06-07
यूपी	08
देश	09
विविध	12
हमारा ग्वालियर	14-15
	16-17
विविध	20
राजस्थान	21
इंदौर	22
इंदौर	20-21
देश	24-25
प्रदेश	26-27
चुनाव	28
जीवनशैली	29
सजगता	30
स्वास्थ्य	31
योग	32-33
धर्म	34-35
महिला	37
त्यौहार	38
धर्म	39
ग्लैमर	46-47-48



संपादकीय

बेरोजगारी... सरकारी नौकरियों में बैकलाग भरने के निर्देश...

केंद्र सरकार ने बेरोजगारी की समस्या को कम करने के लिए सरकारी नौकरियों में बैकलाग भरने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अगले डेढ़ साल में मिशन मोड में 10 लाख भर्तियां की जायें। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार 40 लाख केंद्रीय पदों में फिलहाल नौ लाख स्वीकृत पद खाली हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा महाभियान होगा क्योंकि पिछले कई दशकों से सरकार में इतने बड़े पैमाने पर भर्तियां नहीं हुई हैं। इस महाभियान में एससी, एसटी और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित पद भी भर दिए जायेंगे। इस महाभियान के अंतर्गत रेलवे भी अगले एक साल में 1,48,463 लोगों की भर्ती करेगा। इस महाभियान के माध्यम से युवाओं में छापी हुई निराशा को काफी हद तक दूर किया जा सकेगा।

सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना- केंद्र सरकार ने सेना को युवा बनाने के उद्देश्य से अग्निपथ नाम से एक नयी योजना की घोषणा कर दी है यह सेना में भर्ती का सबसे बड़ा सुधारात्मक कदम है। सेना में भर्ती के लिए अंग्रेजों के जमाने से चले रहे कानूनों व नियमों को समाप्त कर दिया गया है। इस योजना के अंतर्गत सेना में भर्ती होने वाले युवाओं को अग्निवीर कहा जायेगा। इस योजना के अंतर्गत 10वीं और 12वीं पास 17 से 21 वर्ष की आयु के 86,000 युवाओं का भर्ती किया जायेगा। योजना में छह माह की ट्रेनिंग और उसके बाद चार साल की सेवा के बाद उन्हें 11.71 लाख रुपये का करमुक्त सेवा निधि पैकेज भी मिलेगा। भर्ती अखिल भारतीय चयन समिति के तहत होगी। इस योजना में भर्ती होने वाले सभी युवाओं को देशभर में हर जगह नियुक्त किया जायेगा तथ इस योजना में सेना के तीनों अंग जल, थल एवं नभ शामिल हैं। युवाओं में लड़के एवं लड़कियां दोनों शामिल होंगे।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

== शुभाशीष ==



देश में अब भी शिशु मृत्यु दर की हालत चिंताजनक...

यूनिसेफ ने द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2019 नाम की अपनी रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में पांच वर्ष से कम आयु के हर पांचवें बच्चे में विटामिन ए की कमी है। हर तीसरे बच्चे में से एक को विटामिन बी की कमी है और हर पांच में से दो बच्चे खून की कमी से ग्रस्त हैं। कहते हैं कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। बच्चे ही बड़े होकर देश के विकास को आगे बढ़ाते हैं। कम उम्र में ही बच्चों की प्रतिभा का पता चल जाता है कि आगे चलकर यह विशिष्ट प्रतिभाशाली व्यक्ति बनेगा। मगर दुनिया में बहुत से बच्चे ऐसे होते हैं जो अपने जन्म से पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते ही विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होकर मर जाते हैं। इस तरह मरने वाले बच्चों की संख्या बहुत अधिक है। भारत में भी हर दिन पांच साल से कम उम्र के बच्चे बड़ी संख्या में मौत के मुंह में चले जाते हैं।

आज के वैज्ञानिक युग में बच्चों की इस तरह से मौत होना बहुत ही दुखदाई तो है ही साथ ही दुनिया के सामने एक यक्ष प्रश्न भी है कि नवजात बच्चों की इस तरह से होने वाली मौत को क्यों नहीं रोका जा सकता है। हालांकि पिछली सदी के मुकाबले बच्चों की मौत को काफी हद तक नियंत्रित किया गया है। मगर आज भी बड़ी संख्या में बच्चों की मौत सभी को दुखी कर रही है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी मुकाबला दुनिया ने बड़ी हिम्मत के साथ किया था। भारत सहित दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिकों ने मात्र आठ महीनों में ही कोरोना से बचाव की दवा बना कर काफी हद तक कोरोना महामारी पर नियंत्रण पा लिया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब कोरोना जैसी महामारी को नियंत्रित किया जा सकता है तो फिर बच्चों की होने वाली मौत को क्यों नहीं रोका जा सकता है। निमोनिया पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मौत का बड़ा कारण है। इसके उपचार में देरी बच्चे की जान के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

क्लर्क से महामहलम की उम्मीदवारी तक... कैसा रहा द्रौपदी मुर्मू का अब तक का सफर...



राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की राष्ट्रपति पत्र की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने 24 जून को अपना नामांकन दाखिल कर दिया... ओडिशा की इस आदिवासी नेता का अबतक का सफर पर एक नजर...

ओडिशा की आदिवासी नेता रहीं द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की ओर से उम्मीदवार हैं। अपनी साफ छवि और बेबाक फैसलों वाली बीजेपी की इस आदिवासी नेता की निजी जिंदगी भले ही त्रासदियों से भरी रही हो, लेकिन देश के इस सबसे बड़े पद पर उनका नामांकन होना ये साबित करता है कि वह मुश्किल हालातों से निपटना बखूबी जानती हैं। झारखंड की पूर्व राज्यपाल रही इस नेता पर बीजेपी ने क्यों जताया भरोसा और कैसा रहा द्रौपदी मुर्मू का अब-तक का सफर। ओडिशा के मयूरभंज जिले से ताल्लुक रखने वाली द्रौपदी मुर्मू के नाम झारखंड की पहली महिला आदिवासी और इस राज्य में सबसे लंबे समय तक रहने वाली राज्यपाल होने का गौरव है। झारखंड की राज्यपाल रहते हुए पक्ष और विपक्ष दोनों ही उनकी कार्यशैली के मुरीद रहे। उन्होंने ओडिशा के सर्वोत्तम विधायक को दिया जाने वाला नीलकंठ पुरस्कार भी हासिल किया है। मौजूदा वक़्त में वह इस पद से रिटायर होने के बाद अपने गृहराज्य ओडिशा के मयूरभंज

जिले के रायरंगपुर में रह रही हैं। NDA की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के भारत की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति बनने के आसार साफ नजर आ रहे हैं, क्योंकि उनको उम्मीदवार बनाने वाली एनडीए के पास 48 फीसदी इलेक्ट्रोल वोट हैं। इसके साथ ही इससे आदिवासी तबके में बीजेपी (BJP) की छवि भी सशक्त होगी।

तय किया क्लर्क से लेकर महामहलम की उम्मीदवारी तक का सफर

द्रौपदी मुर्मू ने 1979 में भुवनेश्वर के रमादेवी महिला कॉलेज से बीए किया और फिर ओडिशा सरकार के सिंचाई और ऊर्जा विभाग में जूनियर सहायक क्लर्क की जाँब भी की। बाद में उन्होंने एक शिक्षक के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई। इस दौरान उन्होंने रायरंगपुर के श्री अरविंदो इंटीग्रल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर में ओनररी टीचर के तौर पर अपनी सेवाएं दी।

क्यों हैं द्रौपदी मुर्मू स्पेशल

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की राह पांच साल पहले ही साफ हो गई थी। साल 2017 में जब पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी का कार्यकाल खत्म होने जा रहा था। तब भी बीजेपी ने उनके नाम पर विचार किया था, लेकिन उस वक्त बाजी बिहार के राज्यपाल रहे रामनाथ कोविंद के हाथ लगी। शायद इसके पीछे झारखंड के राज्यपाल के तौर पर उनकी साफ छवि और बेबाक फैसले रहे हैं। जब कुछ राज्यालों पर पॉलिटिकल एजेंट के आरोपों के उस वक्त भी द्रौपदी मुर्मू ने खुद को ऐसे विवादों से दूर रखा। साल 2009 में बीजेपी और बीजेडी की तनाव वाले रिश्तों के बाद भी वह जीतने में सफल रही, भले ही उस वक्त बीजेपी अलग हो चुके बीजद की दी गई चुनौती के सामने फीकी पड़ गई हो।

ऐसे हुई की शुरुआत

शिक्षक के पेशे से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत साल 1997 में रायरंगपुर (Rairangpur) नगर पंचायत के वार्ड पार्षद से हुई। वह यहां की नगर पंचायत उपाध्यक्ष भी रहीं। उनका बीजेपी में पर्दापण साल 2000 और 2009 में रायरंगपुर विधानसभा चुनाव जीत विधायक बनने के साथ हुई। इसके बाद उन्होंने पलटकर पीछे नहीं देखा वो आगे बढ़ती गई। इसके साथ ही उन्होंने साल 2000-2004 में बीजेपी और बीजेडी (BJD) की गठबंधन सरकार के दौरान नवीन पटनायक की कैबिनेट में लगभग दो-दो साल तक स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री के तौर पर वाणिज्य और परिवहन विभाग और मत्स्य पालन के अलावा पशु संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभाली थी। साल 2015 में मयूरभंज की बीजेपी की अध्यक्ष रहने के दौरान उन्हें पहली बार झारखंड का राज्यपाल बनाया गया था और इसके बाद से ही वह बीजेपी की सक्रिय राजनीति

से दूर हो गई। उन्होंने साल 2006 से 2009 तक बीजेपी के एसटी (अनुसूचित जाति) मोर्चा की ओडिशा प्रदेश अध्यक्ष पद संभाला। इसके अलावा वह दो बार बीजेपी एसटी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहीं। साल 2002 से 2009 और साल 2013 से अप्रैल 2015 तक इस मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी रहीं थीं।

उम्मीदवार बनाने पर ये कहा

बीजेपी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने 21 जून की देर शाम राष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार के तौर पर द्रौपदी मुर्मू के नाम का ऐलान किया। इस दौरान वह 1600 किलोमीटर दूर रायरंगपुर में थीं। 20 जून को ही अपने नाम की घोषणा के पहले उन्होंने अपना 64 वां जन्मदिन मनाया था। मंगलवार 23 जून को उन्होंने कहा कि वो ओडिशा के सभी एमएलए और एमपी के सहयोग पाने को लेकर आशावादी हैं। 'उन्होंने कहा, 'मैं मिट्टी की बेटी हूँ। मुझे सभी सदस्यों से एक उड़िया के रूप में मेरा समर्थन करने का अनुरोध करने का अधिकार है।' उन्होंने बताया कि वह टेलीविजन पर यह जानकर हैरान और खुश दोनों थीं कि उन्हें एनडीए ने उनका नामांकन शीर्ष पद के लिए किया। आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'मैं हैरान भी हूँ और खुश भी। सुदूर मयूरभंज जिले की एक आदिवासी महिला के रूप में, मैंने शीर्ष पद के लिए उम्मीदवार बनने के बारे में नहीं सोचा था। एनडीए सरकार ने अब शीर्ष पद के लिए एक आदिवासी महिला का चुनाव कर बीजेपी के 'सब का साथ, सब का विश्वास' के नारे को साबित कर दिया है।' इस दौरान उन्होंने अपनी मंशा यह कह कर साफ कर दी। उन्होंने कहा कि वो राजनीति से इतर देश के लोगों के लिए काम करेंगी। वे इस पद के लिए संवैधानिक प्रावधान और अधिकार के तहत काम करना पसंद करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि इससे अधिक वो फ़िलहाल और कुछ नहीं कह सकती।

जीवन संघर्ष लड़कर हैं चमकी

राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल द्रौपदी मुर्मू की जिंदगी मुश्किल हालातों के दौर से गुजर कर ही निखरी है। संथाल आदिवासी बिरंची नारायण टुडू की पुत्री के तौर पर 20 जून 1958 को मयूरभंज जिले के बैदापोसी गांव में उनका जन्म हुआ। अगर वह राष्ट्रपति बनती हैं तो वह देश की आजादी के बाद पैदा होने वाली पहली राष्ट्रपति होंगी। उनकी निजी जिंदगी के बारे में पब्लिकली ज्यादा बातें सामने नहीं आई हैं, उनके पति श्याम चरण मुर्मू की मौत कम उम्र में हो गई थी। उनके तीन बच्चों में से दो बेटों की भी अचानक मौत हो गई थी। अब उनकी एक बेटी इतिश्री मुर्मू हैं। उनकी शादी रायरंगपुर के रहने वाले गणेश चंद्र हेम्बरम से हुई है। उनकी भी एक बेटी आद्याश्री हैं। द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति उम्मीदवार चुने जाने को लेकर उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू ने कहा कि जो मेरी मां को जानते हैं कि वो किस तरह की इंसान हैं तो वो जरूर उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह एक अनुशासन प्रिय मां होने के साथ ही जीवन के सफर में उनकी अच्छी शिक्षिका भी हैं।



केवल नौ लाख थी जमा पूंजी

पहली बार साल 2009 में विधायक बनने पर द्रौपदी मुर्मू के पास गाड़ी तक नहीं थी। उनके चुनावी शपथ पत्र में उनकी कुल जमा पूंजी 9 लाख रुपये ही दर्ज थी। इसमें भी चार लाख रुपये उन पर उधार थे। शपथ पत्र में उनके पति के श्याम चरण मुर्मू के पास एक स्कॉर्पियो गाड़ी और एक बजाज चेतक स्कूटर होने का हवाला दिया गया था।

द्रौपदी मुर्मू की बेटी इतिश्री ने कहा- मां ने अब तक बहुत ही मेहनत और ईमानदारी से काम किया

एनडीए की तरफ से राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने के बाद द्रौपदी मुर्मू की बेटी इतिश्री मुर्मू ने कहा कि मेरी मां को उसके कठिन परिश्रम का फल मिलने जा रहा है। इसके लिए हम सब बहुत खुश हैं। मेरी मां एक खुली किताब की तरह हैं। वह बहुत जल्दी सभी के साथ घुलमिल जाती हैं। इतिश्री ने कहा है कि मेरी मां बहुत ही परिश्रमी हैं, मेहनती हैं। इससे पहले भी मां को जितने भी पद मिले हैं, उस पद पर उन्होंने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है। मेरी मां पहले वार्ड मेम्बर बनी थी। बाद में वह उपाध्यक्ष, विधायक एवं मंत्री बनीं। वह राज्यपाल भी बनीं। मां जब विधायक थी तब उन्हें अच्छे कार्य के लिए नीलकंठ पुरस्कार मिला था। मंत्री रहते समय भी उन्होंने कई अच्छे कार्य किए। मेरी मां को जो भी दायित्व दिया गया है, उन्होंने उसे सच्चाई एवं ईमानदारी से पूरा किया है। यदि उन्हें राष्ट्रपति बनाया जाता है, तो वह इस पद पर भी सच्चाई के साथ काम करेंगी। राष्ट्रपति पद की गरिमा रखेंगी।

जानकारी के अनुसार इतिश्री ने कहा कि जब मां के गांव में रास्ता नहीं था, घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, उस समय वह अपनी जिद पर भुवनेश्वर आयी और पढ़ाई की। उस समय बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे थे। मेरी मां को देखकर गांव में पढ़ाई करने वाले बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। गांव से आकर उन्होंने अपने जीवन में कुछ



करने का प्रयास किया।

इतिश्री मुर्मू ने कहा है कि मेरी मां के मन में थोड़ा भी गर्व या अहंकार नहीं है। यदि मां के मन में गर्व होता तो मां को जब राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की खबर मिली तो इतनी संख्या में आकर लोग मुलाकात नहीं करते। राष्ट्रपति उम्मीदवार होने की खबर मिलते ही काफी संख्या में लोगों

ने दूर-दूर से आकर अपनी शुभकामनाएं दीं। मेरी मां एक खुली किताब हैं। वह सभी के साथ घुलमिल जाती हैं। मेरी मां की जीवनशैली काफी सरल है। वह आर्डर जीवन बिल्कुल पसंद नहीं करती हैं। मां ने दिल्ली जाते समय कहा है कि बच्चों का ख्याल रखना, घर का ख्याल रखना एवं अच्छे से रहना।

जानिए आदिवासी महिला नेता को कैंडिडेट बना कर क्या मिलेगा ?

अगले महीने की 25 तारीख को देश को नया राष्ट्रपति मिलेगा। नामांकन प्रक्रिया चल रही है। 29 जून को पचास भरने की आखिरी तारीख है। इस बीच NDA ने झारखंड की राज्यपाल रह चुकीं द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है।

द्रौपदी मुर्मू ओडिशा से आनेवाली आदिवासी नेता हैं। झारखंड की नौवीं राज्यपाल रह चुकीं द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के रायरंगपुर से विधायक रह चुकी हैं। वह पहली ओडिया नेता हैं जिन्हें राज्यपाल बनाया गया। इससे पहले BJP-BJD गठबंधन सरकार में साल 2002 से 2004 तक वह मंत्री भी रह चुकी हैं। गौरतलब है कि लोकसभा की 543 सीटों में से 47 सीट ST श्रेणी के लिए आरक्षित हैं। 60 से अधिक सीटों पर आदिवासी समुदाय का प्रभाव है। मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में आदिवासी वोट निर्णायक स्थिति में हैं। ऐसे में आदिवासी के नाम पर चर्चा चल रही थी। इससे BJP को चुनाव में भी फायदा मिल सकता है, क्योंकि गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अगले डेढ़ साल के भीतर विधानसभा चुनाव होंगे, जिसका सियासी तौर पर लाभ भाजपा को मिलने की संभावना जताई जा रही है।

इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार को लेकर विपक्ष की तरफ से BJP के पूर्व दिग्गज और TMC से इस्तीफा दे चुके यशवंत सिन्हा का नाम आगे बढ़ाया गया। वहीं BJP में महामहिम की रस में महिला, मुस्लिम, दलित या दक्षिण भारत की किसी हस्ती के नाम पर विचार किया जा रहा था, ताकि 2022-23 में होने वाले विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों को साधने में आसानी हो सके।

आदिवासी : देश में अब तक आदिवासी समुदाय का कोई व्यक्ति राष्ट्रपति नहीं बन पाया है। महिला, दलित, मुस्लिम और दक्षिण भारत से आने वाले लोग राष्ट्रपति बन चुके हैं, लेकिन आदिवासी समुदाय इससे वंचित रहा है। ऐसे में यह मांग उठती रही है कि दलित समाज से भी किसी व्यक्ति को देश के सर्वोच्च पद पर बैठाया जाए।

महिला : महिलाएं भाजपा के लिए कोर वोट बैंक बन चुकी हैं। इस वोट बैंक को साधने की भाजपा की कोशिश जारी है। बताया जा रहा है कि महिलाओं के नाम पर सबसे तेजी से विचार किया जा रहा था। इसमें UP की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी शामिल थीं। आनंदी बेन PM नरेंद्र मोदी की करीबी मानी जाती हैं।

आनंदी बेन के अलावा पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुइया उइके भी इस रस में शामिल बताई जा रही थीं। पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनने से भाजपा एक तीर से दो निशाने लगाएगी। पहला आदिवासी समाज को साधने में मदद मिलेगी। साथ ही महिला वोट बैंक में भी मजबूत पकड़ बनी रहेगी।

अनुसुइया उइके मूल रूप से छिंदवाड़ा की हैं और 1985 से मध्य प्रदेश से राजनीति में सक्रिय हैं। उन्होंने दमुआ से विधायक का चुनाव जीता था। वह BJP की राज्यसभा सांसद भी रह चुकी हैं। राजनीति में आने से पहले वे छिंदवाड़ा के शासकीय महाविद्यालय में तीन साल तक इकोनॉमिक्स की लेक्चरर भी रही हैं।



25 जुलाई को ही खत्म होता है राष्ट्रपति का कार्यकाल

नीलम संजीव रेड्डी ने देश के 9वें राष्ट्रपति के तौर पर 25 जुलाई 1977 को शपथ ली थी। तब से हर बार 25 जुलाई को ही नए राष्ट्रपति कार्यभार संभालते आए हैं। रेड्डी के बाद ज्ञानी जैल सिंह, आर वेंकटरमन, शंकरदयाल शर्मा, केआर नारायणन, एपीजे अब्दुल कलाम, प्रतिभा पाटिल, प्रणब मुखर्जी और रामनाथ कोविंद 25 जुलाई को शपथ ले चुके हैं।

देश के दो राष्ट्रपतियों का पद पर रहते हो चुका है निधन

देश में दो राष्ट्रपति ऐसे भी रहे, जिनका देहांत राष्ट्रपति पद पर रहते हुए निधन हो चुका है। इसमें तीसरे राष्ट्रपति जाकिर हुसैन और सातवें राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद शामिल हैं। जाकिर हुसैन 13 मई 1967 से 3 मई 1969 के बीच ही राष्ट्रपति रहे थे। उनके देहांत के बाद उपराष्ट्रपति वीवी गिरि को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। इसी तरह से सातवें राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद 24 अगस्त 1974 से 11 फरवरी 1977 तक ही अपने पद पर रहे। बीच में देहांत होने के कारण बीडी जत्ती को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाना पड़ा था।

ये रहे कार्यवाहक राष्ट्रपति

राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के देहांत के बाद तत्कालीन उपराष्ट्रपति वीवी गिरि को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस मुहम्मद हिदायतुल्ला को राष्ट्रपति चुना गया। जबकि, फखरुद्दीन अली अहमद के निधन के बाद तत्कालीन उपराष्ट्रपति बीडी जत्ती को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। एनडीए द्वारा मुर्मू को प्रत्याशी बनाने से यशवंत सिन्हा की उम्मीदें खत्म हो गई हैं। बीजद ने मुर्मू को समर्थन दे दिया है। उधर, विपक्ष के 18 दलों की वोट वैल्यू 3,81,051 ही है। वहीं, बीजद के आने से एनडीए की वोट वैल्यू 5,63,825 हो गई है, जबकि जीत के लिए 5.4 लाख से ज्यादा चाहिए थे।

तीन पसंदीदा चेहरों का इनकार

विपक्ष ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (TMC) के नेता यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार तय किया है। इसके बाद सिन्हा ने तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। कई दिनों से विपक्ष को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी नहीं मिल रहा था। NCP प्रमुख शरद पवार, नेशनल काँग्रेस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के बाद अब महात्मा गांधी के पौत्र और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी ने भी राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनने के विपक्ष का ऑफर को ठुकरा दिया है।

द्रौपदी मुर्मू का चयन कर भाजपा ने बड़े राजनीतिक संकेत दिये हैं...



ओडिशा की रहने वाली द्रौपदी मुर्मू इससे पहले झारखंड की पहली महिला आदिवासी राज्यपाल भी रह चुकी हैं। उनकी उम्र 64 साल है। यह पहला मौका है जब देश को आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिलने जा रही हैं। इससे पहले अब तक देश में कोई आदिवासी राष्ट्रपति नहीं रहा।

झारखंड की पूर्व राज्यपाल और आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने राष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा की संसदीय दल की बैठक में द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने की घोषणा कर दी गई। इस घोषणा के बाद इन कयासों को विराम लग गया कि देश के मुस्लिमों और मुस्लिम देशों को प्रसन्न करने के लिए भाजपा राष्ट्रीय विचारधारा वाले किसी मुस्लिम को राष्ट्रपति बना सकती है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा की मुहम्मद साहब के बारे में की गयी विवादास्पद टिप्पणी के बाद देश के मुस्लिम ही नाराज नहीं थे, अपितु इस बयान को लेकर कई मुस्लिम देश भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके थे। कुछ स्थानों पर भारतीय सामानों का बहिष्कार भी शुरू हुआ था। इसे लेकर और देश में उत्पन्न हालात के मद्देनजर अखबारी और राजनैतिक खेमें में

ये कयास लगाए जा रहे थे, कि भाजपा किसी राष्ट्रवादी मुस्लिम को राष्ट्रपति बना सकती है। इसके लिए केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान और केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के विभाग के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी के नाम की जोर-शोर से चर्चा थी। मुख्तार अब्बास नकवी का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। ऐसे में हाल में हुए राज्यसभा के चुनाव में उन्हें भाजपा द्वारा टिकट न दिए जाने से इन चर्चाओं को बल मिल रहा था। अब झारखंड की राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा होने से इन कयासों को विराम लग गया। स्पष्ट हो गया कि भाजपा को इस विरोध की ज्यादा चिंता नहीं है। उसका लक्ष्य आगामी तीन राज्यों के विधानसभा और 2024 का लोकसभा चुनाव है।

ओडिशा की रहने वाली द्रौपदी मुर्मू इससे पहले झारखंड की पहली महिला आदिवासी राज्यपाल भी रह चुकी हैं। उनकी उम्र 64 साल है। यह पहला मौका है जब देश को आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिलने जा रही हैं। इससे पहले अब तक देश में कोई आदिवासी राष्ट्रपति नहीं रहा। इस लिहाज से मुर्मू आदिवासी और महिला, दोनों वर्ग में फिट बैठती हैं। उनके नाम के ऐलान के साथ ही राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि भाजपा का यह निर्णय यह बताता है कि गुजरात, छत्तीसगढ़ और

मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा का फोकस इन प्रदेशों के आदिवासी समुदाय पर है। माना जा रहा है कि पार्टी ने द्रौपदी मुर्मू को टिकट देकर आदिवासी वोटों को साधने का प्रयास किया है। वे महिला हैं। भाजपा पहले ही महिला वोट पर फोकस किए हुए है। महिला मतदाता भाजपा की बड़ी ताकत हैं। इन महिला वोटर को अपने से जोड़े रखने के लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का भले ही यह कहना है कि भाजपा गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के वोटों को रिझाने के लिए ऐसा कर रही है किंतु यह भी सच है कि उसका यह निर्णय 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी उसे लाभ पहुंचा सकता है। जहां तक मुख्तार अब्बास नकवी की बात है तो उनको हाल में ना राज्यसभा का टिकट मिला, ना ही रामपुर लोकसभा उपचुनाव लड़ाने के लिए भाजपा ने उन्हें टिकट दिया। इससे इन बातों को बल मिलता है कि भाजपा आगे चलकर उन्हें उपराष्ट्रपति बनाने का इरादा रखती है। हालांकि ये राजनीति है। यह पल-पल बदलती रहती है। उपराष्ट्रपति चुनाव के समय क्या हालात होंगे? यह अभी नहीं कहा जा सकता।

—अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आजम खान के गढ़ में योगी की हुंकार, बोले- रामपुर को फिर से नहीं बनने देंगे अराजकता का अड्डा...



रामपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने आजम खान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब रामपुर को फिर से अराजकता का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। भाजपा उम्मीदवार घनश्याम लोधी के समर्थन में एक जनसभा में योगी ने कहा कि रामपुर की सुरक्षा और विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरूरी है।

उत्तर प्रदेश के 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। जिन सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, उनमें आजमगढ़ और रामपुर शामिल है। दोनों ही क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी का दबदबा माना जाता है। आजमगढ़ से अखिलेश यादव ने 2019 में जीत हासिल की थी। लेकिन उनके इस्तीफा देने के बाद यह सीट खाली हो गई है। जबकि रामपुर से आजम खान ने अपना इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में यहां भी लोकसभा के उपचुनाव हो रहे हैं। भले ही दोनों सीटों पर समाजवादी पार्टी का समीकरण बेहद मजबूत है। परंतु यह बात भी सच है कि इस बार के उपचुनाव में भाजपा ने दोनों ही सीटों पर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। यही कारण है कि खुद मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ दोनों ही सीटों पर चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। आज योगी आदित्यनाथ आजम खान के गढ़ रामपुर में चुनाव करने पहुंचे थे।

रामपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने आजम खान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब रामपुर को फिर से अराजकता का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। भाजपा उम्मीदवार घनश्याम लोधी के समर्थन में एक जनसभा में योगी ने कहा कि रामपुर की सुरक्षा और विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकार जरूरी है। उन्होंने आजम खान पर परोक्ष रूप से तंज करते हुए कहा रामपुर की अपनी धरोहर है, लेकिन कुछ लोगों ने इस धरोहर को नष्ट करना अपना जन्म सिद्ध अधिकार समझ लिया था। भू-माफिया गरीबों की जमीन पर अतिक्रमण करते थे, उन्हें प्रताड़ित करते थे, मगर आज किसी गरीब की जमीन पर कोई कब्जा नहीं कर सकता। जमीन पर अवैध कब्जे तथा अनेक अन्य आरोपों में करीब 27 महीने जेल में रहने के बाद हाल में जमानत पर छूटे आजम खान पर हमले जारी रखते हुए आदित्यनाथ ने

कहा हमने तो भूमाफियाओं की ऐंठन को भी दूर कर दिया है, लेकिन लगता है कि रस्सी जल गई पर कुछ लोगों की ऐंठन अभी गई नहीं है। अब इसका पूरा इलाज किया जाएगा। रामपुर को फिर से अराजकता का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा।

कोरोना काल में प्रदेशवासियों के जीवन और जीविका की सुरक्षा के प्रयासों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कोरोनाकाल में जेल में बंद रहे आजम खान पर भी तंज कसा। बिना नाम लिए उन्होंने कहा हमने बिना भेदभाव सभी को फ्री टेस्ट, ट्रीटमेंट और टीका उपलब्ध कराया। यहां तक कि जो लोग जेल में थे, उनका भी इलाज कराया।

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती अखिलेश यादव सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा पहले मुख्यमंत्री आवास में पेशेवर दंगाई सम्मानित होते थे, आज साहिबजादों की स्मृति में बाल दिवस का आयोजन होता है। तब दुराचारियों के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहते थे कि लड़के हैं गलती हो जाती है, आज किसी की हिम्मत नहीं कि कोई माता-बहनों पर बुरी नजर डाल सके।

वैश्विक स्तर पर घटेगा एयरलाइंस का घाटा

बीते साल से 9.7 अरब डॉलर कम रहने का अनुमान

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्शा ने सोमवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर एयरलाइनों का घाटा 2021 के 52 अरब डॉलर से इस साल 9.7 अरब डॉलर कम रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि उद्योग को 2023 में मुनाफा भी होना चाहिए।

गौरतलब है कि आईएटीए 290 एयरलाइनों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें वैश्विक हवाई यातायात का 83 प्रतिशत शामिल है। वॉल्शा ने यहां आईएटीए की 78वीं वार्षिक आम बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि वैश्विक स्तर पर एयरलाइनों के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक दिख रहा है, लेकिन कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इस तरह की सभी चुनौतियों को सूचीबद्ध करते हुए, उन्होंने कहा कि 38 विकसित देशों का एक समूह आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) में अप्रैल में मुद्रास्फीति नौ प्रतिशत से ऊपर है।

वॉल्शा ने कहा कि हमारा दृष्टिकोण इस साल (वैश्विक) जीडीपी 3.4 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद करता है। हालांकि यह पहले जताए गए पूर्वानुमानों से ऊपर नहीं है, लेकिन बुरा भी नहीं है। उन्होंने अपने संबोधन में विश्व बैंक के हवाले से कहा कि उम्मीद है 2021 की तुलना में इस साल ऊर्जा की कीमतें 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएंगी। इसके साथ ही उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले ने वैश्वीकरण को अस्थिर कर दिया है, जो कि दुनिया की खाद्य आपूर्ति के लिए खतरा है।

वॉल्शा ने आगे कहा कि 650 अरब अमेरिकी डॉलर के कर्ज वाली एयरलाइनों की पस्त बैलेंस शीट को ठीक करना एक बड़ी चुनौती होगी। लेकिन यात्रा करने की इच्छा



और माल ले जाने की जरूरत दोनों ही ठोस हैं। हमारा उद्योग अब कठिन लेकिन फुर्तीला नजर आ रहा है। हमारा नया विश्लेषण 2021 में 42 अरब डॉलर के करीब घाटा दिखा रहा है। यानी इस साल वैश्विक घाटा 9.7 अरब डॉलर तक कम हो जाएगा।

एयर इंडिया 200 से अधिक नए विमान खरीदने की तैयारी कर रही है। एयर इंडिया 70 फीसदी से ज्यादा

नैरो बॉडी वाले विमान खरीदने पर विचार कर रही है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की 78वीं वार्षिक आम बैठक से इतर विमानन उद्योग के सूत्रों के मुताबिक, चौड़ी बॉडी वाले विमानों के लिए कंपनी ने एयरबस के ए350 का चयन किया है। इके अलावा नैरो बॉडी विमानों के लिए एयरबस और बोइंग के साथ उसकी बातचीत चल रही है।

भारत में रूस से छह गुना बढ़ा कोयले का आयात, वैश्विक प्रतिबंधों के बावजूद रिकॉर्ड खरीद...

भारत ने इस साल जून के शुरुआती 20 दिनों में ही रूस से 33.11 करोड़ डॉलर के कोयले का आयात किया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले छह गुना अधिक है। इसके अलावा भारत कच्चा तेल भी रूस से रिकॉर्ड स्तर पर आयात कर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 20 दिनों में रूस के साथ भारत के तेल व्यापार का मूल्य 31 गुना से अधिक बढ़कर 2.22 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में तेल की खरीद औसतन 111.08 करोड़ डॉलर प्रति दिन थी, जो पिछले तीन महीने में खर्च किए गए 3.11 करोड़ डॉलर से तीन गुना अधिक है।

वैश्विक प्रतिबंधों के बावजूद भारत द्वारा रूस से



आयात किए जाने वाले कोयले में तेज उछाल देखने को मिला है। गौरतलब है कि रूस कोयले पर 30 फीसदी तक की छूट दे रहा है। कई देशों द्वारा प्रतिबंध लगाने के बावजूद भारत ने रूस से कोई व्यापार नहीं रोका है।

भारत ने कहा है कि यूक्रेन में हिंसा खत्म होनी चाहिए। लेकिन रूस से अचानक वस्तुओं की खरीद बंद कर देने से वैश्विक दामों में उथल-पुथल मचेगी और उसके ग्राहकों को नुकसान होगा। अमेरिकी अधिकारियों ने भारत से कहा है कि रूस से ईंधन के आयात पर कोई रोक नहीं है लेकिन इसमें बहुत तेजी भी नहीं आनी चाहिए।

योग दिवस मनाने के लिए अपने शहर में खास जगह को चुनें: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'अमृत महोत्सव' को ध्यान में रखते हुए इस बार देश के 75 प्रमुख स्थानों पर 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का आयोजन होगा। उन्होंने इस अवसर पर लोगों से अपने शहरों, कस्बों और गांवों में खास जगह पर इसे मनाने का आग्रह किया। रेंडियो पर मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार 21 जून को आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'मानवता के लिए योग' है। उन्होंने कोरोना वायरस से संबंधित सभी सावधानियों का ध्यान रखते हुए उत्साह के साथ लोगों से योग दिवस मनाने का अनुरोध किया।

मोदी ने कहा, "अब तो पूरी दुनिया में कोरोना वायरस महामारी को लेकर हालात पहले से कुछ बेहतर लग रहे हैं, अधिक-से-अधिक टीकाकरण कवरेज की वजह से अब लोग पहले से कहीं ज्यादा बाहर भी निकल रहे हैं, इसलिए, पूरी दुनिया में योग दिवस को लेकर काफी तैयारियां भी देखने को मिल रही हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी ने सभी को यह एहसास भी कराया है कि जीवन में स्वास्थ्य का कितना अधिक महत्व है और योग, इसमें कितना बड़ा माध्यम



है। उन्होंने कहा, "लोग यह महसूस कर रहे हैं कि योग से शारीरिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक कल्याण को कितना बढ़ावा मिलता है। विश्व के कारोबारी जगत के शीर्ष लोगों से लेकर फिल्म और खेल जगत की शख्सियत तक, छात्र से लेकर आम लोग तक, सभी, योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि दुनिया भर में योग की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर आप सभी

को बहुत अच्छा लगता होगा।" इस बार देश-विदेश में 'योग दिवस' पर होने वाले कुछ बेहद अनूठे उदाहरणों के बारे में जानकारी मिलने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इन्हीं में से एक है, 'गार्जियन रिंग' जो अनूठा कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा, "यह सूर्य की गतिविधि को ध्यान में रखकर मनाया जाएगा, यानी सूरज जैसे-जैसे यात्रा करेगा, धरती के अलग-अलग हिस्सों से, हम, योग के जरिये उसका स्वागत करेंगे।

उच्चतम न्यायालय ने सीईओ एवं वरिष्ठ आईएएस ऋतु माहेश्वरी के खिलाफ वारंट पर रोक लगाई

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत भूमि अधिग्रहण से जुड़े अवमानना के एक मामले में नोएडा की सीईओ एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ऋतु माहेश्वरी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की एक पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली माहेश्वरी की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई। माहेश्वरी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा, "यह एक गंभीर मामला है, जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक महिला पेश हुई, उसका वकील भी साथ में मौजूद था और उसने सुनवाई बाद में करने का अनुरोध किया। उच्च न्यायालय ने महिला को पेश होने और हिरासत में लेने का निर्देश दिया।" पीठ ने कहा, "मामले को कल के लिए सूचीबद्ध किया जाए। आदेश पर रोक लगाई जाए।" इससे पहले, शीर्ष अदालत ने सोमवार को कहा था कि उत्तर प्रदेश के अधिकारी नियमित तौर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने आ रहे हैं और वे "अदालत के फैसले का सम्मान नहीं करते।" भूमि अधिग्रहण से जुड़े अवमानना के एक मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी



किए जाने के विरोध में नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) माहेश्वरी ने शीर्ष अदालत का रुख किया था।

माहेश्वरी समय पर अदालत के सामने पेश नहीं हुई थीं, इसलिए उच्च न्यायालय ने वारंट जारी करने का

आदेश दिया था। उच्चतम न्यायालय की पीठ ने सोमवार को कहा, "माहेश्वरी को पेश होने दिया जाए। उन्हें समझने दिया जाए।" पीठ ने कहा था, "आप एक आईएएस अधिकारी हैं, आपको नियम-कायदे पता है। हर दिन हम देखते हैं कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने विदिशा जिले के कागपुर गाँव से शुरू की ग्रामीण परिवहन सेवा अब गाँव-गाँव चलेंगी बसें, आराम से बैठकर जा सकेंगे यात्री...



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के गाँव-गाँव में सड़कों का जाल तो बिछ गया है, परंतु अभी ग्रामीण क्षेत्रों में आने-जाने के लिये यात्रियों को अच्छी परिवहन सेवा नहीं मिल पा रही है। सरकार द्वारा आज 'ग्रामीण परिवहन सेवा' का शुभारंभ ग्राम कागपुर से किया जा रहा है। धीरे-धीरे इस सेवा का विस्तार पूरे मध्यप्रदेश में कर दिया जायेगा। अब गाँव-गाँव बसें चलेंगी और यात्री आराम से बसों में बैठकर यात्रा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ट्रांसपोर्टर्स को छोटे रूट पर बस चलाने में घाटा होता है, जिससे वे वहाँ बसें नहीं चलाते।

सरकार ने निर्णय लिया है कि उन्हें इन रूटों पर बस चलाने के लिये सरकार सहायता एवं सहूलियत देगी, जिससे वे लाभ अर्जित कर पायेंगे। यह अभूतपूर्व ग्रामीण परिवहन योजना है। सुदूर ग्रामों तक इसका विस्तार किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज विदिशा जिले के ग्राम कागपुर में ग्रामीण परिवहन योजना का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने वाहन-चालकों को ग्रामीण परिवहन सेवा परिचालन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण/भूमि-पूजन किया। उन्होंने प्राथमिक एवं

माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों को मूंग वितरण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा के लिये चयनित मध्यप्रदेश के शूटिंग बॉल खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार ने तय किया है कि संजय सागर बाँध से पाइप-लाइन से पानी लाकर इस क्षेत्र के 165 गाँवों में पहुँचाया जायेगा। इस योजना पर 208 करोड़ 94 लाख व्यय होगा। डाउन स्ट्रीम के गाँवों में भी स्टॉप-डेम आदि के माध्यम से पानी पहुँचाया जायेगा। हर गाँव तक पानी पहुँचाने का प्रयास किया जायेगा। साथ ही नल-जल योजना द्वारा हर घर तक नल से पानी पहुँचाया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सबको पक्का मकान मिलेगा। विदिशा जिले में 83 हजार 719 व्यक्तियों को आवास प्लस में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में सरकार जनता को रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई-लिखाई और दवाई सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने किसानों की आमदनी दोगुनी करने तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं की आमदनी बढ़ाने की बात भी कही।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में शीघ्र

ही पंचायत एवं स्थानीय निकाय के निर्वाचन होंगे। जिन स्थानों पर निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न होगा, वहाँ सरकार द्वारा विशेष सहूलियतें दी जायेंगी। ऐसी पंचायत एवं स्थानीय निकाय को सभी योजनाओं का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँगनवाड़ी के संचालन में सभी सहयोग करें। किसान निःशुल्क अनाज दें।

वे स्वयं आँगनवाड़ियों के लिये ठेला लेकर निकले थे और बड़ी मात्रा में सामग्री एकत्रित हुई। राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने ग्रामीण परिवहन योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राम कागपुर से यह योजना आज पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है। छह माह बाद सारे मध्यप्रदेश में यह योजना एक साथ शुरू होगी। एक माह में 3 हजार किलोमीटर संचालन पर परिवहनकर्ता को 5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। निःशक्तजन के लिये किराये में 50 प्रतिशत छूट रहेगी। महिलाओं को वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। कुशल ड्रायवर तैयार करने के लिये 'ड्रायवर टेस्टिंग ट्रेक' तैयार किये जायेंगे। इलेक्ट्रिक बसें भी चलाई जायेंगी।

योगी आदित्यनाथ ने छात्रों से कहा, संयमित दिनचर्या सफलता की कुंजी है

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को यूपी बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 मेधावी छात्रों से बातचीत की और भविष्य में आगे बढ़ने के लिए उन्हें संयमित दिनचर्या अपनाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की दसवीं कक्षा की परीक्षा में लखनऊ जिले की मेरिट सूची में शामिल शीर्ष 10 बच्चों, उनके अभिभावकों और उनके स्कूल के प्रधानाचार्यों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से कहा कि संयमित दिनचर्या से वह परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। समय सारिणी बनाकर दिनचर्या का पालन करें। इससे न केवल पाठ्यक्रम समय से पूरा होगा, बल्कि स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। आदित्यनाथ ने मेधावी बच्चों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात से जुड़ने की सलाह भी दी और कहा कि इससे उन्हें बहुत सी नई चीजें जानने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश में हो रहे किसी नवीन अभिकल्प, अभिनव प्रयास, नए बदलाव आदि के बारे में जानकारी से परिपूर्ण होता है। इसे हर बच्चे, अभिभावक को जरूर सुनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बच्चों और अभिभावकों से प्रधानमंत्री की पुस्तक एकजाम वॉरियर और बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए खास कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई के तौर-तरीकों की जानकारी लेते हुए सभी को अपने पास एक छोटी डायरी रखने का सुझाव दिया और कहा कि इस डायरी में उन्हें नयी और जरूरी बातों को नोट करना चाहिए।



आदित्यनाथ ने कहा कि छात्र-छात्राएं तय स्कूली पाठ्यक्रम के अलावा दिनचर्या में एक समय अखबार पढ़ने के लिए जरूर रखें। उन्होंने कहा कि अखबारों के सम्पादकीय पृष्ठ विचारों से परिपूर्ण होते हैं। अलग-अलग विचारों को पढ़कर वे किसी विषय में अपना नजरिया तय कर सकते हैं। यह आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं में उपयोगी सिद्ध होगा। हर विद्यार्थी को पुस्तकालय जाने की आदत भी जरूर डालनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेधावी बच्चे तैयार करने वाले विद्यालय के प्रधानाचार्यों को बधाई दी और उनके अध्यापन और मूल्यांकन प्रणाली की जानकारी ली।

गर्भवती महिला को नौकरी के लिए अनफिट बताया



भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने तीन माह की गर्भवती महिलाओं को बैंक की नौकरी से जुड़ने के लिए 'अस्थायी रूप से अनफिट' करार दिया है। हालांकि, बैंक के इस कदम की विभिन्न संगठनों ने कड़ी आलोचना की है। बैंक ने हाल में किसी उम्मीदवार को नौकरी में लेने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य से संबंधित दिशानिर्देश और मापदंड तय किए हैं। इनके अनुसार, नौकरी के लिए चयनित महिला की दिलिलवरी के छह सप्ताह बाद फिर जांच कराई जाएगी और उसके बाद ही उसे नौकरी पर आने की अनुमति दी जाएगी। दिशानिर्देश में कहा गया है कि यदि किसी महिला उम्मीदवार की स्वास्थ्य जांच में पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की गर्भवती है, तो उसे नौकरी से जुड़ने के लिए अनुपयुक्त माना जाएगा।

दिलिलवरी के छह सप्ताह बाद महिला की फिर जांच होगी और उसके बाद ही उसे नौकरी पर लिया जाएगा। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वूमंस एसोसिएशन (एआईडीडब्ल्यूए) ने इंडियन बैंक के महिला विरोध रवैये की कड़ी आलोचना की है। ऑल इंडिया वर्किंग वूमन फोरम ने भी इस फैसले को प्रतिगामी कदम बताया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है।

ई-कॉमर्स कारोबार पर सीमा शुल्क से छूट की समीक्षा करने की जरूरत: भारत

भारत ने बुधवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य देशों से ई-कॉमर्स कारोबार पर सीमा शुल्क में छूट पर रोक को जारी रखने की समीक्षा तथा उसपर पुनर्विचार करने का आह्वान किया। भारत ने कहा कि यह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला मुद्दा है। डब्ल्यूटीओ के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान ई-कॉमर्स पर सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि विकासशील देशों में 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' में व्यापार चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। इसका कारण विकसित और विकासशील देशों के बीच व्यापक स्तर पर डिजिटल अंतर का होना है।

एक अनुमान के अनुसार, 95 में से 86 विकासशील देश डिजिटल उत्पादों के शुद्ध आयातक हैं और केवल पांच बड़ी प्रायोगिकी कंपनियों बाजार को नियंत्रित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कपड़ा, हथकरघा जैसे भौतिक उत्पादों के छोटे निर्यातकों को घरेलू कर के अलावा सीमा शुल्क



भी देना होता है। और इस प्रकार के उद्योग मुख्य रूप से विकासशील देशों में हैं। वहीं दूसरी तरफ बड़े डिजिटल निर्यातकों को सीमा शुल्क से छूट मिली हुई है। गोयल ने कहा, "यह वास्तव में घरेलू विनिर्माण क्षमता को प्रभावित करेगा...इससे वास्तव में वे प्रतिस्पर्धी नहीं रह पाएंगी। मुझे लगता है कि 24 साल से जारी इस रोक की समीक्षा करने और इसपर फिर से विचार करने की जरूरत है।"

राज्यपाल ने किया पानी एप का लोकार्पण पूर्व मंत्री चिटनीस ने तैयार कराया ऐप



मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने बुधवार को सुबह 11 बजे परमानंदजी गोविंद जी वाला ऑडिटोरियम में पानी एप का लोकार्पण किया वह भोपाल से वरुचुअली जुड़े थे पानी एप पूर्व मंत्री भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अर्चना चिटनीस द्वारा तैयार किया गया जिसमें सभी जिले भर के नदी तालाब जलस्तर सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी जल से जल शक्ति अभियान के तहत बनाए गया पानी एप के इस कदम को सराहनिया बताया राज्यपाल ने रामेश्वर काम्बोज हिमांशु की कविता पढ़ते हुए कहा कि पानी की महिला धरती पर जिसने पहचानी उससे बढ़कर और नहीं इस दुनिया में ज्ञानी पटेल ने कहा कि पानी बचाने की पहल स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत कर की जाए दैनिक जीवन में अनेक अवसर पर जल की बचत की जा सकती है जल समृद्धता और संरक्षण के लिए वृक्षा-रोपण बहुत जरूरी है पौधे लगाने के साथ ही पेड़ बनने तक उनकी देखभाल भी जरूरी है उन्होंने गुजरात का उल्लेख करते हुए कहा कि वहाँ के कई जिले बारिश का पानी कुँओं में एकत्र कर वर्ष भर पेयजल उपयोग के लिए करते हैं राज्यपाल ने कहा कि जल संरक्षण का कार्य अकेले सरकार के प्रयासों से संभव नहीं हो सकता है इसे जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता और सहयोग बहुत जरूरी है उन्होंने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु में अपनी छत, मोहल्ला खेत और गाँव में बरसने वाले पानी को संग्रहित करने के प्रयास व्यापक स्तर पर किए जाए कार्यक्रम को जिला प्रभारी मंत्री प्रेमसिंह पटेल, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अर्चना चिटनीस कलेक्टर प्रविणसिंह ने संबोधित किया इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजू शिवहरे, जनपद पंचायत अध्यक्ष किशोर पाटिल, जिला पंचायत सदस्य गुलचंद्रसिंह बनें योगेश महाजन, कैलाश यावतकर, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज लधवे, निवृत्तमान महापौर अनिल भोंसले, निवृत्तमान नगर निगमाध्यक्ष मनोज तारवाला, अरूण पाटिल, गिरीश शाह, विरेन्द्र तिवारी, विनोद चौधरी, बलराज नावानी, मंडलाध्यक्ष विनोद पाटिल, विक्रम चंदेल, दीपक महाजन, विठ्ठल खोसे, चिंतामन महाजन, किशोर राठौर, शिवकुमार पासी, पांडुरंग राठौर, सुभाष मोरे, रुद्रेश्वर एंडोले, सुभाष जाधव, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष किरण

रायकवार, भाजयुमो जिलाध्यक्ष वैभव महाजन, रवि गुप्ता सहित ग्रामों के पानी परिवार के सदस्यगण, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, इंजीनियर, सब इंजीनियर सहित तकनीकी अमला उपस्थित रहा। कार्यक्रम में उपस्थितजनों को 'पानी एप' इंस्टाल कराकर इसकी विस्तृत जानकारी और प्रशिक्षण भी दिया गया। एप को लोकार्पण के साथ ही करीब एक हजार से अधिक लोगों ने इंस्टाल कर अपने मोबाईल में अपलोड किया पशुपालन और सामाजिक न्याय मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने कहा कि जल ही जीवन है। जल-संरक्षण के लिए समाज को सचेत होना होगा। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से भू-जल का स्तर गिर रहा है, यदि उसे रोका नहीं गया तो भावी पीढ़ी के सामने जीवन की समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के अमृत सरोवर बनाने के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि तालाबों के निर्माण के लिए सरकार के साथ समाज को भी आगे आना होगा। बुरहानपुर जिला हर काम में अक्ल रहा है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की प्रेरणा से जिलेभर में भूमिगत जल संचय हेतु युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान पर बुरहानपुर जिले में अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य बहुत ही तेज गति से किया जा रहा है। इसके लिए मैं अर्चना दीदी, समस्त जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशासन को बधाई देता हूँ। इस अवसर पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि हमारी वरिष्ठ नेता अर्चना चिटनीस द्वारा लंबे समय से जल संरक्षण व संवर्धन हेतु सतत कार्य किए जा रहे हैं। आज तकनीक का इस्तेमाल करते हुए उनके मार्गदर्शन में पानी एप विकसित किया गया है, निश्चित ही यह एप हम सभी के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। मैं अर्चना दीदी, जिला प्रशासन व समस्त पानी परिवार के सदस्यों को बधाई देता हूँ कि उन्होंने पानी के काम में अपना-अपना योगदान कर बुरहानपुर जिले में बड़ी संख्या में अमृत सरोवर के निर्माण कार्य एवं बारिश के पानी के संचय हेतु कार्य किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अर्चना चिटनीस ने कहा कि जल-संरक्षण और जल-संचयनाओं के जीर्णोद्धार में समाज के सहयोग की अपेक्षा की। पानी एप जल-संरक्षण

प्रयासों में तकनीक का प्रभावी उपयोग है। बुरहानपुर की भौगोलिक विशिष्टताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जल समृद्धता के लिए व्यापक संभावनाएँ हैं चिटनीस ने कि बताया 'पानी एप' को आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन की उपलब्धता एवं व्यस्ततम दिनचर्या को ध्यान में रखते हुए डिजाइन कर विकसित किया गया है। बुरहानपुर जिले की 167 ग्राम पंचायतों के 256 गाँवों में एक साथ वृहद स्तर पर कार्य किया जा रहा है। जल शक्ति अभियान के कार्य को सुविधाजनक बनाने व परस्पर जुड़े रहते हुए कार्य के सम्पादन के लिए 'पानी एप' विकसित किया गया है। इस एप का उपयोग कर पानी को सम्भालने के लिए तकनीक का समुचित उपयोग करने की योजना है। विकासशील कार्यों में हमारा बुरहानपुर सतत अग्रणीय रहा है, आज उसी तारतम्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप आजादी के अमृत महोत्सव में जल शक्ति से जल जीवन हेतु विशेष रूप से निर्मित पानी एप का लोकार्पण आज मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा किया गया है। गाँव-गाँव में पानी पर कार्य करने के लिए तथा सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु देश-विदेश के विषय-विशेषज्ञों से विचार मंथन कर पर्यावरण संरक्षण के लिए इस एप का निर्माण किया गया है। जो जमीनी स्तर के कार्यों को तकनीकी रूप से अधिक बल प्रदान करने का कार्य करेगा अर्चना चिटनीस ने कहा कि वर्षों से हम जल संरक्षण पर कार्य कर रहे हैं किंतु आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जब से जलशक्ति मिशन का शुभारंभ किया गया है तब से यह आंदोलन जन आंदोलन का रूप ले चुका है आज हमने तकनीक के माध्यम से शासन और समाज को जोड़ने हेतु प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि एक समाज के रूप में भी हमें अब आगे आकर जल संरक्षण का महत्व समझना होगा तथा व्यक्तिगत जल पुनर्भरण के दायित्व निर्धारित कर उस पर कार्य करना होगा। अब पानी परिवारों को आगे आकर इस मिशन को चलाना है पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आजादी के 75वें वर्षगांठ मनाने हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाने का आह्वान पर बुरहानपुर जिले में अमृत सरोवर बनाने के अभियान को प्रशासन व समाज साथ मिलकर सिद्ध से जमीनी स्तर पर जुटा है।

तीन विभागों की नाफरमानी से खरगोन टॉप 5 में नहीं आया

पिछले तीन माह से खरगोन जिला सीएम हेल्पलाईन की रैंकिंग में लास्ट में रहा है। लेकिन इस माह वेटेज के आधार पर सीधे टॉप 10 में काबिज हुआ है। वेटेज के आधार पर कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम उन विभागों पर कार्यवाही प्रस्तावित करेंगे जो आशानुरूप कार्य नहीं कर पाए हैं। उनमें तीन ऐसे बड़े विभाग हैं जो सीधे आम नागरिकों की सेवाओं से जुड़े हैं। इसमें स्वास्थ्य विभाग, पीएचई और तीसरा है राजस्व विभाग। स्वास्थ्य और पीएचई विभाग के इस निराशाजनक प्रदर्शन पर भोपाल उच्च अधिकारियों को लिखा जाएगा। जबकि राजस्व के सबसे खराब तहसीलदारों को अपर कलेक्टर नोटिस देंगे जो कलेक्टर के समक्ष अपना जवाब प्रस्तुत करेंगे। इतना ही नहीं निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले एसडीएम के लिए एक मौका और दिया गया है। अगली बार ऐसी स्थिति होने पर कार्यवाही प्रस्तावित करेंगे। जिन विभागों को कलेक्टर श्री कुमार ने जो लक्ष्य दिया था जिसे पूरा किया उनमें नगरीय विकास, ग्रामीण विकास और एमपीईबी इनके कार्य की प्रशंसा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, वन मंडलाधिकारी श्री प्रशांत सिंह, अपर कलेक्टर श्री जेएस बघेल सहित अन्य जिला अधिकारी कलेक्टर सभकाक्ष में और जनपदों के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े हैं।

बैठक के दौरान आयुष्मान कार्ड की भी समीक्षा की गई। ज्ञात हो कि पिछली टीएल में कलेक्टर श्री कुमार ने सभी जनपद सीईओ को उनके पेंडिंग कार्ड के अनुसार 1500 से 3000 आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। सभी जनपद सीईओ ने आयुष्मान कार्ड बनाने में गति पकड़ी है। कलेक्टर श्री कुमार ने सभी जनपद सीईओ को



जब तक 70 प्रतिशत कार्ड नहीं बन जाते हैं उसी लक्ष्य पर कार्य करेंगे। जनपद सीईओ को दिए गए लक्ष्य के अनुसार खरगोन सीईओ ने 3190, सेंगावा ने 2976, गोगांवा 1273, भगवानपुरा 2307, भीकनगांव 5245, झिरन्या 2409, बड़वाह, 3535, महेश्वर 2423 और कसरवावद जनपद में 1836 इस तरह एक सप्ताह में कुल 25194 आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। आयुष्मान कार्ड के कार्य को लेकर कलेक्टर श्री कुमार ने कहा कि आज सामान्य बीमारी में भी 25 से 50 हजार रुपये लगना मामूली बात है। ये वही कार्य है जो सामाजिक सरोकार से भी जुड़ा है। अब इसी तर्ज पर शहर में भी आयुष्मान कार्ड बनेंगे। नगर पालिका सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल को निर्देश दिए कि शहर के

हर पात्र व्यक्ति के पास आयुष्मान कार्ड होना चाहिए। इस कार्य में सभी सीएमओ को जोड़ें।

टीएल बैठक के दौरान पीएचई विभाग द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत ऐसी स्कूलों और आंगनवाड़ियों की सूची सौंपी गई है। जिनका सत्यापन कार्य सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाना था। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। लेकिन प्रभारी सहायक आयुक्त ने एक सप्ताह का समय और मांगा। इस पर कलेक्टर श्री कुमार ने नाराजगी व्यक्त की। टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री कुमार ने सभी निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों जैसे पीडब्ल्यूडी, पीआईयू, आरईएस आदि को एक माह का समय दिया है।

कलेक्टर थांदला विकास खण्ड के ग्राम भिमकुण्ड में निर्मित अमृत सरोवर का निरीक्षण करने पहुंचे

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा अपने व्यस्त कार्यक्रम में थांदला विकास खण्ड के ग्राम भिमकुण्ड माल फलिया कालू के खेत के पास अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण करने पहुंचे। इस अमृत सरोवर तालाब की लागत 14.27 लाख है। जो लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो गया है। आस-पास के लगभग 10 किसान तत्काल अपनी भूमि को संचित कर सकेंगे। यहां पर जनभागीदारी 70 हजार रूप्य थी। जिले में जल अभिषेक अभियान के अंतर्गत जिले में 104 अमृत सरोवर का निर्माण किया जाना है। जिसकी लागत 17.39 करोड़ है। अमृत सरोवर निर्माण का कार्य वर्षा ऋतु के प्रारंभ होने के पहले पूर्ण करना है। वर्तमान में एक कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष 103 अमृत सरोवर तालाब निर्माण कार्य प्रगति पर है। झाबुआ जिले में जल अभिषेक अभियान के अंतर्गत अमृत सरोवर के झाबुआ जनपद पंचायत में 12 कार्य लिए गए हैं, मेघनगर जनपद पंचायत में 12 कार्य, जनपद पंचायत पेटलावद में 23 कार्य, जनपद पंचायत रामा में 16 कार्य, जनपद



पंचायत राणापुर में 13 कार्य, जनपद पंचायत थांदला में 28 कार्य लिए गए हैं। इस तरह जिले में 104 कार्य की कुल लागत 17.39 करोड़ है। सरकार की मंशा है कि प्रदेश के सभी जिलों में अमृत सरोवर का निर्माण कर वर्षा के जल का संरक्षण किया जा सके। ताकि केवल वर्षाकाल के 2-3 माह में ही जल की उपलब्धता नहीं होना बल्कि सतत जल की उपलब्धता रहे। इस हेतु अमृत सरोवर के जल ग्रहण क्षेत्र में व ड्रेनेज लाईन के उपचार से संबंधित

सभी कार्य वर्षाकाल के पूर्व किए जाएंगे। अमृत सरोवर के कार्य स्थल के दोनों ओर तीन कतारों में वृक्षारोपण का कार्य भी किया जाएगा। जिसमें अंतिम व तीसरी कतार में बरगद, पीपल, नीम के पौधे आनिवार्यतः रौपे जाएंगे। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत थांदला सुश्री राधा डार, तहसीलदार थांदला श्री शक्तिसिंह चौहान, जनपद पंचायत थांदला के सहायक यंत्री श्री धीरेन्द्र धाकते एवं उपयंत्री मायकल डोडियार आदि उपस्थित थे।

शासकीय कार्यालयों को बिजली की खपत में 10 प्रतिशत कमी करनी होगी : सीएम

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पर्यावरण-संरक्षण के लिए प्रदेशवासियों को दिलाए पाँच संकल्प

मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर “यही एक पृथ्वी” कार्यक्रम को किया संबोधित



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सभी शासकीय कार्यालयों को बिजली की खपत में 10 प्रतिशत की कमी करने के निर्देश दिए गए हैं। अगर हम एक यूनिट बिजली बचाते हैं तो 900 ग्राम कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन कम करते हैं। जिन शासकीय कार्यालयों में सौर ऊर्जा का उपयोग हो सकता है, वहाँ सौर पैनल लगाए जाएंगे। सूर्य से प्राप्त ऊर्जा ग्रीन और क्लीन है, तो हम कोयले से पैदा होने वाली बिजली का अधिक उपयोग क्यों करें। पर्यावरण-संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें सरकार के साथ-साथ समाज को भी प्रतिबद्धता और सक्रियता से जुटना होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान विश्व पर्यावरण दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में “यही एक पृथ्वी-“ विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम से सभी जिले वर्चुअली जुड़े थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पर्यावरण-संरक्षण के लिए कार्यरत संस्थाओं एवं नागरिकों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा नर्मदा नदी के तट पर वृक्षारोपण की योजना संबंधित वन विभाग की पुस्तक “नर्मदा नदी के जलाग्रहण क्षेत्र का संरक्षण-वृक्षारोपण अभियान- 2022” का विमोचन भी किया गया। वन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री श्री चौहान के सम्मुख नर्मदा वृक्षारोपण वर्ष 2022 पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

उल्लेखनीय है कि विश्व पर्यावरण दिवस को



वृक्षारोपण संकल्प दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उपस्थित गणमान्य नागरिकों तथा जिलों से जुड़े सभी नागरिकों को पर्यावरण-संरक्षण और सेवा के लिए संकल्प दिलाया। पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग तथा प्रसिद्ध समाजसेवी और पर्यावरणविद श्री ध्यानेश्वर जामदार एवं अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम को पर्यावरणविद पद्मश्री श्री पोपट लाल पवार तथा श्री जामदार ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमरकंटक को रिजर्व फारेस्ट घोषित किया जाएगा। वहाँ निवास कर रहे लोगों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। पर्यावरण-संरक्षण की दृष्टि से संवेदनशील और माँ नर्मदा के उदगम-स्थल के आस पास स्थानीय परिवेश के प्रतिकूल लगे यूकेलिप्टस के पेड़ों के स्थान पर परिवेश के अनुरूप उपयुक्त प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पर्यावरण दिवस पर प्रदेश के नागरिकों को पाँच संकल्प दिलवाए जिसमें वृक्षारोपण के लिए सक्रिय रहना, ऊर्जा संरक्षण के लिए बिजली बचाना, वाहनों का मितव्ययी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए वाहन पूल करना, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को अपनाना और प्रधानमंत्री श्री मोदी के मंत्र के अनुरूप ट्रिपल आर अर्थात् रीफ्यूज, रीयूज और रीसायकल, का पालन शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पर्यावरण दिवस को औपचारिक रूप से मनाने से पर्यावरण-संरक्षण संभव नहीं होगा। हमें इन संकल्पों को प्राणप्रण से व्यवहार में लाना होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि, मैं और मेरा परिवार अपने घर पर बिजली बचाने के संबंध में बहुत सजग हैं। मैं जब भी कमरे से बाहर निकलता हूँ तो स्वयं स्विच बंद करता हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रीगण और उपस्थित अधिकारियों से भी पूछा कि- ‘क्या वे भी ऐसा करते हैं?’

शासन स्तर पर नई व्यवस्था...

बायोमैट्रिक सक्सेस नहीं होने पर मोबाइल पर आए ओटीपी से भी मिलेगा राशन

राशन दुकानों पर अब उन लोगों को सुविधा मिलेगी जिनका बायोमैट्रिक कई बार ट्राय करने के बाद भी सक्सेस नहीं हो पाता। ऐसे लोग अपने रजिस्टर्ड नंबर पर आए ओटीपी से भी राशन ले सकेंगे। मई माह में ही इस सुविधा की शुरुआत की गई है। जिसका फायदा राशन लेने वाले लोगों को मिलेगा। बता दें कि इंदौर जिले में 526 सरकारी राशन दुकानें हैं। कई बार होता है कि बुजुर्ग लोगों का बायोमैट्रिक फिंगर प्रिंट कई बार ट्राय करने के बाद भी सक्सेस नहीं हो पाता। ऐसे में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। मगर अब मई माह से ही इस नई सुविधा की शुरुआत की गई है।

जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया शासन स्तर से नई सुविधा शुरू की गई है। जो लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। संबंधित व्यक्ति अपना आधार नंबर और मोबाइल नंबर लिंक कराकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। मोबाइल नंबर को संबंधित व्यक्ति राशन के डेटा बेस में अपडेट करा लें। यदि संबंधित व्यक्ति का बायोमैट्रिक सक्सेस नहीं होता है, तो उन्हें रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाता है। उस ओटीपी नंबर को राशन दुकानदार को बताने पर वे उसे चेक करते हैं और संबंधित व्यक्ति को राशन मिल जाता है।



नहीं होगी राशन में दिक्कत

मालाकार की मांनें तो कई बार बायोमैट्रिक सक्सेस नहीं होने पर संबंधित व्यक्ति को राशन लेने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। मगर ये सुविधा शुरू होने से उन्हें काफी फायदा तो होगा ही साथ ही

राशन लेने में भी कोई दिक्कत नहीं होगी। वे तत्काल राशन हासिल कर सकेंगे। बस संबंधित व्यक्ति को इस बात का ध्यान रखना होगा कि अगर वे राशन की दुकान पर जाएं तो रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर वाला फोन साथ में रखें। बायोमैट्रिक फेल होने पर तुरंत वे ओटोपी नंबर के माध्यम से राशन ले सकें।

गरीबों के कल्याणार्थ संबल योजना 2.0 का शुभारंभ

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से गरीबों के कल्याण की संबल योजना 2.0 का क्रियान्वयन प्रारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने 27 हजार से अधिक हितग्राहियों के खाते में 573 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। इंदौर में आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर स्थित एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री मनीष सिंह, नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वंदना शर्मा सहित अन्य अधिकारी और हितग्राही मौजूद थे। प्रदेश की पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर हितग्राहियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए कटिबद्ध है। गरीबों की हर जरूरतों का ध्यान रखा जा रहा है। उनकी रोजी-रोटी के अलावा उन्हें मकान और अन्य जरूरतों की पूर्ति के लिए हर संभव मदद दी जा रही है। इंदौर जिले में जिन हितग्राहियों को सहायता राशि का वितरण किया गया उनमें महेश निगम, राम किशन, गुड्डी प्रजापत, आशा अनिल चौरसिया, लक्ष्मी/राजू, गोविंद सोनी, जय प्रकाश जोशी, रिंकी/निलेश, वसू/गेंदालाल, जुम्माखान, संध्या रवि गहलोत, दरयाबबाई/जगदीश, स्वाहर घमेन्द, भगवान, वसंत लाल राठौर तथा रामसिंह शामिल हैं।

पेयजल की प्रतिदिन आपूर्ति सुनिश्चित करें- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जनता को प्रतिदिन पीने का पानी मिले, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। पानी की आपूर्ति नल, टैंकर, ट्यूबवेल से हो या फिर परिवहन करना पड़े, जो भी व्यवस्था आवश्यक है, वह करें और प्रतिदिन पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रातः 6:30 बजे निवास कार्यालय से राजगढ़ और बड़वानी जिले की वर्चुअली समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये। बड़वानी जिले के प्रभारी एवं पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल, राजगढ़ जिले के प्रभारी एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, कलेक्टर राजगढ़ श्री हर्ष दीक्षित और कलेक्टर बड़वानी श्री शिवराज सिंह वर्मा तथा जिले के अधिकारी बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बड़वानी में गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक लाने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने शुरू किए गए "मिशन उम्मीद", ग्रामीणों के समस्त आवश्यक दस्तावेज पूर्ण कराने "पहुँच अभियान" और अंकुर अभियान में वृक्षा-रोपण के लिए संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि "मिशन उम्मीद" और "पहुँच अभियान" का क्रियान्वयन अन्य जिलों में भी प्रभावी रूप से किया जाए।



मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आकांक्षी जिलों में सभी 6 सूचकांक को स्थिति सुधार के लिए विशेष गतिविधियाँ प्राथमिकता से चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँगनवाड़ी और स्वास्थ्य केंद्रों में मूलभूत सुविधाएँ बढ़ाने के साथ, कुपोषण दूर करने जन-भागीदारी को शामिल कर जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी, जन-प्रतिनिधि और समाज के लोगों को साथ लेकर अभियान चलाने की आवश्यकता है। हमें यह भाव विकसित करना होगा कि बच्चों के पोषण स्तर में सुधार, सरकार के साथ समाज की जिम्मेदारी भी है।

मुख्यमंत्री ने आँगनवाड़ियों में जन-भागीदारी का किया आह्वान आँगनवाड़ी केंद्रों को बेहतर बनाने के लिए जन सहयोग भी है जरूरी - मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मंगलवार 24 मई को आँगनवाड़ियों के लिए जन-सहयोग जुटाने के लिए जनता के बीच पहुँचकर आह्वान करेंगे। जनता के सहयोग से आँगनवाड़ी केंद्रों के लिए आवश्यक सामान जुटाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान हाथ टेला लेकर भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र से सामग्री एकत्रीकरण के अभियान का शुभारंभ करेंगे। अभियान की रूपरेखा पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मंत्रालय में बैठक बुलाई। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 'एडाप्ट एन आँगनवाड़ी' अभियान संचालित है। इस अभियान को गति प्रदान करने के लिए वे स्वयं हाथ टेला लेकर जनता से आह्वान करेंगे कि आँगनवाड़ी बच्चों के लिए खिलौने एवं स्टेशनरी सामग्री प्रदान करें। उन्होंने बताया कि अनेक स्थान पर लोगों ने वाटर कूलर और फर्नीचर भी आँगनवाड़ी केंद्रों को दिये हैं। इन केंद्रों में आने वाले बच्चों के खान-पान में पौष्टिक सामग्री शामिल करने अनेक नागरिक आगे आए हैं। अभियान को जनता के सहयोग से ही बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकता है। यदि स्वैच्छिक सहयोग मिलता है तो इन केंद्रों की उपयोगिता बढ़ जाएगी और ऐसे बच्चे भी आँगनवाड़ी केंद्रों तक पहुँचेंगे, जो वर्तमान में नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी किसान भाइयों ने आँगनवाड़ी केंद्रों के लिए अनाज उपलब्ध करवाया है। एक मटके में अन्य खाद्य सामग्री प्रदान करने में भी सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में बच्चों को स्कूल बेग, ड्राइंग शीट, कलर्स के साथ ही कॉमिक्स और अन्य शिक्षाप्रद साहित्य उपलब्ध हो, इसके लिए जन-सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चे जीवन में अभाव महसूस न करें, इसके लिए सरकार और समाज को संयुक्त प्रयास करना होगा। समाज के विभिन्न वर्ग सहयोग करेंगे। इनमें स्वैच्छिक संगठनों के सदस्य, अधिकारी-कर्मचारी, व्यापारी, जन-प्रतिनिधि और रहवासी संघ के पदाधिकारी भी शामिल हैं।

कुपोषण दूर करने हर वर्ग सहयोग के लिए आएं आगे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज इंदौर से श्योपुर एवं बड़ौदा नगर की 178 करोड़ रुपए लागत की जलावर्धन योजना का रिमोट दबाकर वचुअली भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर श्योपुर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम को वचुअली रूप से संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कुपोषण की रोकथाम के लिए कारगर कदम उठाये जा रहे हैं। इसके लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन समाज की सहभागिता से ही संभव है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कुपोषण को दूर करने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँगनवाड़ियों की सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए जन सहयोग एकत्र किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने समाज के सभी वर्गों का आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक जन सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में स्वच्छता का कार्य जन आंदोलन के रूप में किया जा रहा है। श्योपुर एवं बड़ौदा जैसे शहर भी स्वच्छता के क्षेत्र में पीछे नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्योपुर के सर्वांगीण विकास में कोई कसर नहीं रखी जा रही है। श्योपुर सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी, आवास आदि मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज शिलान्यास हुई योजना दूरदृष्टि सोच का परिणाम है। इस योजना से पेयजल समस्या का निदान होगा। हमारा प्रयास रहेगा कि इस योजना का कार्य तीन वर्ष के निर्धारित समय से पूर्व पूर्ण हो जाये।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वचुअली संबोधित करते हुए कहा कि पेयजल जीवन की मूलभूत जरूरत है। प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्योपुर एवं बड़ौदा के जलावर्धन योजना में पार्वती नदी से इन दोनों शहरों में जल पहुँचेगा जिससे दोनों शहरों में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध रहेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्योपुर लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।



कांग्रेस नेताओं के घर के बाहर सीबीआई और ईडी लगा लें तंबू : अतुल लोंढे

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने इस कार्रवाई के बाद मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि अब जांच एजेंसियों को निर्देश देने के बजाय सीबीआई और ईडी की टीम को कांग्रेस नेताओं के घर के बाहर तंबू लगा कर स्थायी रूप से बैठ जाना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम के घर पर एक बार फिर सीबीआई ने छापा मारा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस नेताओं के घरों पर लगातार छापेमारी हो रही है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के महासचिव और मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने इस कार्रवाई के बाद मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि अब जांच एजेंसियों को निर्देश देने के बजाय सीबीआई और ईडी की टीम को कांग्रेस नेताओं के घर के बाहर तंबू लगा कर स्थायी रूप से बैठ जाना चाहिए। इस संबंध में आगे बोलते हुए अतुल लोंढे ने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का भय दिखा कर इस तरह की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अब जांच एजेंसियों को भी शायद याद नहीं है कि उन्होंने चिदंबरम के घर पर कितनी बार छापे मारे हैं। यही स्थिति कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार की भी है। शिवकुमार और उनके रिश्तेदारों के घरों पर ईडी और आयकर विभाग ने कितनी बार छापे मारे हैं। उसकी गिनती करना भी मुश्किल है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के आवास, कार्यालयों और रिश्तेदारों के घरों पर विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों ने 110 बार से ज्यादा छापेमारी की है।



प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने तंज कसते हुए कहा कि बार-बार इस तरह की छापेमारी में समय, पैसा और ऊर्जा बर्बाद करने के बजाय अगर जांच एजेंसियां तंबू लगा कर कांग्रेस नेताओं के घर के बाहर बैठ जाएं तो उनका समय बर्बाद नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई में आम करदाताओं का पैसा बर्बाद करने के बजाय कांग्रेसी नेता जांच एजेंसियों के खाने-पीने का खर्च भी उठाएंगी। अतुल लोंढे ने कहा कि केंद्र सरकार के

पास सिर्फ विपक्ष के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का ही काम रह गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेता भ्रष्ट हैं और उनके दल के नेता धुले हुए चावल की तरह साफ हैं। लोंढे ने यह भी कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां केंद्र की मोदी सरकार की कठपुतली बन गई है और उनकी आजादी पूरी तरह से खत्म हो गई है लेकिन यह लोकतंत्र के लिए काफी घातक है।

84 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा, कोविड के बाद संगठन की संस्कृति सुधरी है : सर्वे

वैश्विक स्तर पर 84 प्रतिशत कर्मचारियों का मानना है कि कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद उनके संगठन की 'संस्कृति' में सुधार आया है। ईवाई के एक सर्वे में यह निष्कर्ष निकाला गया है। ईवी के 2022 के 'वर्क रिइमेजिड' सर्वे में 36 प्रतिशत नियोक्ताओं ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके कर्मचारी सप्ताह में पांच दिन दफ्तर आकर काम करें। सर्वे में कंपनियों में नेतृत्व वाली भूमिका वाले 1,500 से अधिक अधिकारियों तथा 17,000 कर्मचारियों की राय शामिल की गई है। यह सर्वे 22 देशों के 26 उद्योग क्षेत्रों में किया गया।

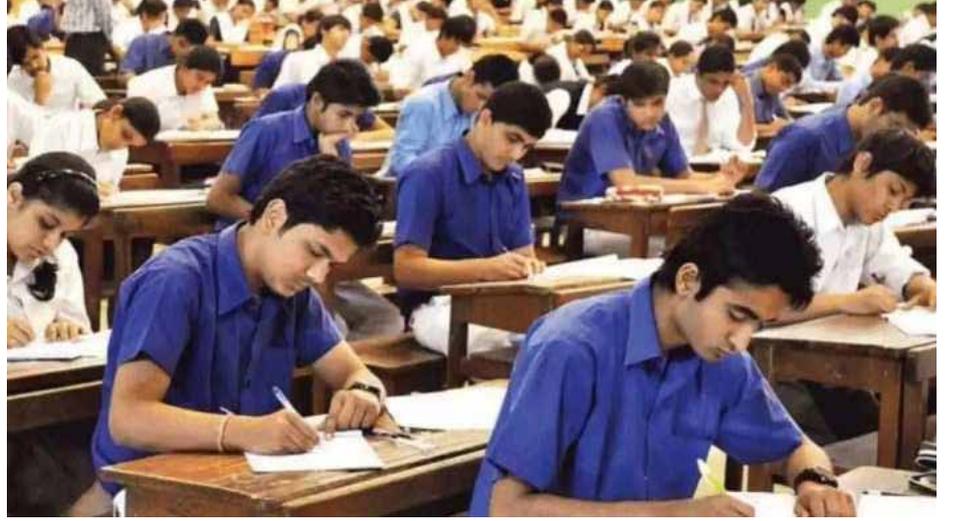
भारत में सर्वे में 100 अधिकारियों और 500 से अधिक कर्मचारियों के विचार लिए गए। सर्वे के अनुसार, कई देशों के महामारी से उबरने के बाद कर्मचारियों का अपने नियोक्ताओं पर 'प्रभाव' बढ़ा है। अपने संभावित नियोक्ताओं को लेकर वे क्या चाहते हैं इस बारे में भी उनकी 'इच्छा सूची' में बदलाव हो रहा है।



28 को होने वाली परीक्षा की तिथि बढ़ाने के लिए हुए एकजुट...

मध्य प्रदेश जूनियर डॉक्टरों पीजी एग्जाम एमडी-एमएस फाइनल 28 मई को प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में होने वाली है। इसको लेकर प्रदेशभर के जूनियर डॉक्टर इस परीक्षा तिथि को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हो गए हैं। कोरोना काल के कारण डॉक्टर भी इसमें प्रभावित हुए हैं और उनके परिवार के सदस्य भी अछूते नहीं रहे हैं। डॉक्टरों की पढ़ाई नहीं हो पाई। इस वजह से तीन साल होने वाली ट्रेनिंग डेढ़ साल कोरोना की भेंट चढ़ गई। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस जबलपुर द्वारा प्रदेश में ढाई हजार से अधिक डॉक्टर शामिल होंगे। परीक्षा की तिथि को लेकर प्रदेश के कई जूनियर डॉक्टर पशोपेश में हैं और वह इस तिथि को 15 से 20 दिन आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। इंदौर में लगभग 400 जूनियर डॉक्टर इस परीक्षा में शामिल होंगे। जूनियर डॉक्टर का कहना है कि 3 साल की होने वाली ट्रेनिंग में उनका डेढ़ साल का समय कोरोना की वजह से बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिसमें वह खुद भी संक्रमित हुए हैं और हमारे साथी डॉक्टरों की मौत भी हुई है उनके परिजन भी इस महामारी से नहीं बच पाए हैं। कोरोना के मरीजों की जान बचाने के लिए उन्होंने 72 घंटे डायपर और पीपीटी किट पहनकर मरीजों की सेवा की है।

उसके एवज में वह केवल 15 से 20 दिन की मोहलत चाहते हैं जिससे की वे तैयरी कर सकें। 28 मई को होने वाली परीक्षा तिथि को आगे बढ़ाने के लिए इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसी सिलावट, चिकित्सा मंत्री विश्वास सारंग, कैबिनेट मंत्री दर्जा



प्राप्त सावन सोनकर, राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह तथा मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस मेडिकल साइंस जबलपुर एमपीएमएसयू के वाइस चांसलर रजिस्टर एग्जाम कंट्रोलर के माध्यम से मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से गुहार की गई है। जूनियर डॉक्टरों का कहना है कि पिछली मर्तबा 22 जुलाई को परीक्षा हुई थी और उसकी तिथि 5 बार बदली गई थी लेकिन उस समय जूनियर डॉक्टर्स की तरफ से कोई मांग नहीं की गई थी। कंट्रोलर ने अपनी सुविधा के हिसाब से परीक्षा की तिथि

में परिवर्तन किया था।

यह परीक्षा पहले 27 जून को होनी थी जो 8 मई तक चलती। बाद में से संशोधित करते हुए 28 मई से शुरू की गई है जो 7 मई तक समाप्त होगी, जिसमें चार पेपर होना है। लगभग 30 प्रतिशत जूनियर डॉक्टर कोरोना काल के कारण अपनी ट्रेनिंग ठीक से पूरी नहीं कर पाए हैं। इसलिए वे 15 से 20 दिन परीक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हैं। अगर परीक्षा की तिथि आगे बढ़ती है तो सभी जूनियर डॉक्टर को राहत मिल सकेगी।

कलेक्टर को लगाई फटकार, बोले शिवराज- मैं बोलू तब तुम्हें बोलने का अधिकार नहीं...

आपको बता दें कि गुरुवार को वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भू अधिकारी योजना के तहत भू अधिकारी पत्र स्थाई पट्टे वितरण के कार्यक्रम में वर्चुअल शामिल हुए इस कार्यक्रम में हितग्राहियों समेत जनप्रतिनिधि व कलेक्टर भी शामिल हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह कह रहे थे कि मैं जनप्रतिनिधियों से अपील करना चाहता हूँ कि मुख्यमंत्री का संबोधन पूरा होने ही वाला था कि बुरहानपुर कलेक्टर की गतिविधियों को देख उन्हें गुस्सा आ गया।

मुख्य मंत्री ने मीटिंग के बीच ही जमकर उन्हें फटकार लगाते हुए कहा की कलेक्टर बुरहानपुर इधर उधर मंडी ना हिलाए सीधे सामने देखें प्रवीण मैं जब बोल रहा हूँ तो तुम्हें बोलने का अधिकार नहीं है मेरी नजर हर गतिविधियों पर रहती है इस दौरान राज्यमंत्री गोविंद सिंह राजपूत भी शामिल रहे मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को कहा कि अगर कोई बच्चा रेलवे स्टेशन बस स्टेशन सड़क पर भीख मांगते हुए



दिखे तो सभी के लिए शर्म की बात है इसलिए इन बच्चों को समझा और यह कलेक्टर की जवाबदारी है तत्काल उनके आश्चर्य की व्यवस्था करें उनकी पढ़ाई भोजन और कपड़ों के खर्च की व्यवस्था हम करेंगे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा कि विधायक मंत्री महापौर

सहित सभी जनप्रतिनिधि एक-एक आंगनवाड़ी को गोदी ले इन बच्चों को सहयोग की बहुत जरूरत है इसलिए मैं भी जल्द बच्चों के लिए खिलौने इकट्ठा करने के लिए 1 दिन भोपाल में हाथ ठेला लेकर निकलने वाला हूँ मैं आचार संहिता लगने से पहले हाथ ठेला लेकर निकलने वाला हूँ की मेरे बच्चों को खिलौने दो जनता की भी कोई ड्यूटी है समाज और सरकार दोनों मिलकर काम करेंगे गांव के किसानों से कहे कि आंगनवाड़ी में 10,20 किलो अनाज दे इस साल रेट बहुत अच्छे हैं आंगनवाड़ी में अनाज देने से कोई बच्चा कुपोषित नहीं रहेगा मुख्यमंत्री नगरी भू अधिकार योजना में पहले 2014 में जिनका जमीनों पर कब्जा था वही पात्र थे अब हमने फैसला किया कि 2018 से भी जिसका कब्जा रहेगा उसे भी पट्टा देकर मालिक बना दिया जाएगा इसके लिए जल्द ही आदेश जारी करेंगे नगरों के स्मार्ट प्लान में गरीबों के लिए जमीन सुरक्षित कराई जाएगी।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक शीघ्र पूरे हों जल जीवन मिशन के कार्य : मुख्यमंत्री अशोक गहलोत



मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थिति व छितराई बसावट को देखते हुए हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन एक महत्वपूर्ण योजना है। संबंधित विभाग और अधिकारी जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश में चल रहे विभिन्न कार्य को गति देकर निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें ताकि गांव-ढाणी तक लोगों को नल से जल मिल सके।

श्री गहलोत शुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें राजस्थान को जल जीवन मिशन में अग्रणी राज्य बनाना है। इसके लिए चल रहे कार्यों में तेजी लाई जाए एवं नए कार्य तुरन्त प्रारम्भ किया जाए ताकि उन्हें समय पर पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूस तथा यूक्रेन के युद्ध के कारण कई वस्तुओं के दाम में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इससे

कार्यों के क्रियान्वयन में भी कठिनाइयां आ रही है। श्री गहलोत ने इन सब स्थितियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री से जल जीवन मिशन की समय-सीमा को बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है, ताकि इस मिशन का लाभ प्रत्येक परिवार को मिल सके। जलदाय मंत्री श्री महेश जोशी ने जल जीवन मिशन की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान में वर्तमान में लगभग 26.30 लाख ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंच रहा है तथा प्रदेश सरकार प्रत्येक परिवार को नल से जल पहुंचाने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुबोध अग्रवाल ने कहा कि इस मिशन के अन्तर्गत प्रत्येक कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान में सर्वाधिक 48,724 रुपये की लागत आ रही है, जिसका मुख्य कारण प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थिति व छितराई बसावट है। जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन हेतु जल

संसाधन विभाग द्वारा आवश्यक सैद्धांतिक स्वीकृतियां प्रदान की जा चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन के लिए दिसम्बर 2019 में दिशा-निर्देश जारी हुए थे। इसके अन्तर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मार्च 2024 तक शुद्ध पेयजल के लिए कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था, जिसकी प्राप्ति पर 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन (LPCD) पर निर्धारित गुणवत्ता वाला पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध होगा। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, जल संसाधन राज्य मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी राज्य मंत्री श्री अर्जुन सिंह बामणिया, प्रमुख शासन सचिव वित्त श्री अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव जल संसाधन श्री आनन्द कुमार एवं जल जीवन मिशन (राज.) के प्रबंध निदेशक श्री प्रताप सिंह सहित विभाग के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

गहलोत के भाई के खिलाफ CBI ने दर्ज किया मामला

आज सुबह सवेरे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भाई के आवास समेत 3 राज्यों में 16 अन्य परिवारों पर सीबीआई ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत के भाई अग्रसेन गहलोत और 14 अन्य के खिलाफ सीबीआई ने मामला भी दर्ज कर लिया है। अब इसको लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा है कि परिवार के लोगों का इसमें कसूर है। अशोक गहलोत ने कहा कि परिवार के लोगों का क्या कसूर है? मेरे परिवार और मेरे भाई का राजनीति से कोई लेना देना नहीं है। पिछले 40-45 सालों से मेरा भाई अपना

खुद का व्यवसाय कर रहा है, किसी भी तरह से वो राजनीति में शामिल नहीं है। भाजपा पर हमला करते हुए गहलोत ने कहा कि जितना अधिक वे (भाजपा) लोगों को परेशान करेगी, उतनी ही अधिक प्रतिक्रिया का सामना उन्हें करना पड़ेगा। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इससे वे घबराने वाले नहीं हैं और इस तरह की कार्रवाई का नुकसान अंततः भाजपा और केंद्र सरकार को ही होगा। गहलोत ने कहा कि मैं अगर दिल्ली में सक्रिय हूँ या मैंने राहुल गांधी के आंदोलन में भाग लिया तो इसका बदला मेरे भाई से क्यों लिया जाता है? यहां हमारी सरकार पर संकट साल 2020 में भी आया, तब भी भाई के यहां ईडी की छापेमारी हुई। उन्होंने कहा कि इसे उचित नहीं कहा जाता

सकता और इससे वह घबराने वाले नहीं हैं। आपको बता दें कि ईडी द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी किए जाने के खिलाफ कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं के आंदोलन में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री गहलोत कई दिन से दिल्ली में थे। वहीं, सीबीआई के अधिकारियों का एक दल छापेमारी के लिए जोधपुर के मंडोर में अग्रसेन गहलोत के आवास पर भी पहुंचा था। अधिकारियों ने कहा कि अगर एजेंसी को मामले से संबंधित कोई नयी सामग्री मिलती है तो छापेमारी अभियान का विस्तार किया जा सकता है। सीबीआई ने कहा है कि यह मामला पोटाश म्यूरेट (एमओपी) के आयात में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है, जिसे पोटेशियम क्लोराइड भी कहा जाता है।

बढ़ रहे शहर में कोरोना के मरीज

पिकासन डोज लगवाने में अभी भी लोग कर रहे लापरवाही

इंदौर में कोरोना के मरीज फिर बढ़ने लगे हैं। किसी समय कोरोना इतना नियंत्रित हो गया था कि इंदौर में उपचाररत मरीजों की संख्या इकाई में पहुंच गई थी। जो मरीज उपचाररत थे, उनकी स्थिति भी सामान्य थी, लेकिन कुछ दिनों से मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल जिले में 145 कोरोना मरीज उपचाररत हैं। राहत की बात यह है कि इनमें से ज्यादातर ऐसे हैं, जिनमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं हैं। ज्यादातर मरीजों को अपने कोविड-19 से संक्रमित होने का पता तब चला, जब उन्होंने किसी दूसरी बीमारी के इलाज के लिए भर्ती होने से पहले अपनी कोरोना जांच करवाई।

जिन लोगों ने टीके लगवा लिए हैं, उन्हें गंभीर कोरोना संक्रमण नहीं हो रहा है। टीके की वजह से शरीर में तैयार हुई एंटीबाडी कोरोना वायरस से लड़कर स्वतः ही उसे समाप्त कर देती है। ऐसे लोगों में कोरोना के कोई लक्षण भी नजर नहीं आ रहे। देखने में आ रहा है कि सतर्कता डोज को लेकर लोग लापरवाह हैं। यही कारण है कि लोग



बाजारों और भीड़ भरे इलाकों में भी मास्क नहीं लगाते। अब तो लोगों ने सैनिटाइजर का इस्तेमाल करना भी छोड़ दिया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जिले में कम से

कम डेढ़ लाख लोग हैं, जिन्होंने पात्र होने के बावजूद सतर्कता डोज नहीं लगवाई है। ऐसे लोगों को तुरंत डोज लगवानी चाहिए।

अन्नदाताओं को सम्मान देने का काम भाजपा ने किया - मंत्री श्री सिलावट गाँवों में समृद्धि लाने का काम भाजपा ने किया-उषा ठाकुर



जिला पंचायत एवं स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा जिला इंदौर ग्रामीण के नेताओं ने भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क किया। जलसंसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर के जिला पंचायत व जनपद पंचायत क्षेत्रों में भाजपा समर्थित प्रत्याशी विश्वजीत कान्हा के पक्ष में जनसंपर्क किया, महु जिला पंचायत क्षेत्र में मंत्री उषा ठाकुर ने जनसंपर्क कर चौपाल सभाओं को संबोधित किया।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने झलारिया में कहा कि जब कांग्रेस की सरकार केंद्र में थी, तो किसानों की स्थिति बंद से बदतर थी, न ही उसकी फसलों की ग्यारंटी थी, लेकिन जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी जी की सरकार बनी है



तब से अन्नदाताओं के हितों की चिंता सरकार कर रही है। अन्नदाताओं को सम्मान देते हुए सरकार ने सम्मान निधि देने का काम किया वही खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए फसल बीमा योजना के माध्यम से फसलों के नुकसान होने पर बीमा राशि उपलब्ध करवाई जा रही है। सिलावट ने कॉउंटेरीबाग और केलोद हाला में भी जनसंपर्क किया। महु में मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने देश हित में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, देश की सुरक्षा को पुख्ता करते हुए सेना को सशक्त करने का काम मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है। गांव गांव विकास पहुँचाकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गांव में समृद्धि लाने का काम किया है।

इस्कॉन की रथयात्रा का शुभारंभ जगद्गुरु शंकराचार्य करेंगे

अंतर्राष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) इंदौर की शुक्रवार 1 जुलाई को निकलने वाली जगन्नाथ रथयात्रा का शुभारंभ जगद्गुरु शंकराचार्य, भानपुरा पीठाधीश्वर स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ सहित अनेक संत-विद्वानों के सानिध्य में होगा। रथयात्रा इस बार परदेशीपुरा स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर शिवधाम से प्रारंभ होकर पाटनीपुरा चौराहा, भमोरी, अनूप टाकीज, गिरधर महल होते हुए सयाजी के सामने स्थित ओमिनी गार्डन पर विराम लेगी।

गिरधर महल पर इस्कॉन इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामानदास के सानिध्य एवं मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन पी.डी. अग्रवाल कांटेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित रथयात्रा समिति की बैठक में यात्रा कार्यक्रम के अंतिम रूप दे दिया गया। यात्रा प्रभारी हरि अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष गोविंद सिंघल, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोयल, समाजसेवी राजेश विजयवर्गीय, अनिल भंडारी एवं अर्चना जायसवाल के विशेष आतिथ्य में हुई इस बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि शनिवार, 25 जून से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा का घर-घर निमंत्रण देने के लिए प्रभातफेरियों का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक में विजय नगर अग्रवाल संघ, म.प्र. वैश्य महासम्मेलन, अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति, अग्रसेन महासभा, छत्रीबाग जनसेवा समिति, श्रद्धा-सुमन सेवा समिति एवं सर्वब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने भी शामिल होकर अपनी सेवाएं देने का संकल्प व्यक्त किया।

महिला आर्थिक रूप से सशक्त है तो सामाजिक और राजनैतिक सशक्तिकरण की संभावना बढ़ जाती है

संसार में जन्म और मृत्यु एक अटल सत्य हैं उसी तरह पुरुष और महिला का होना भी अटल सत्य है यह संसार रूपी गाड़ी पुरुष और महिला के कंधों पर सवार होकर ही आगे बढ़ती है इनका समन्वय ही संसार को गतिमान गतिशील बनाए रखता है सांसारिक और सामाजिक पृष्ठभूमि में प्राकृतिक रूप से महिला और पुरुष की भूमिका बराबरी की रही है परंतु फिर भी महिला की भूमिका को कमतर आंका गया है यह एक महत्वपूर्ण विचारणीय विषय है हमें सोचना होगा एक ही गाड़ी के दो पहियों को मैं एक की भूमिका को बढ़ाकर दूसरे की भूमिका को कम करके आंकना, जैसी विचारधारा का उदय कहां से हुआ इस विचारधारा का उदय जहां से भी हुआ इसमें एक ऐसी मानसिकता वाले वर्ग को जन्म दिया जिन्होंने बखूबी इसे समर्थन दिया और एक वर्ग की भूमिका को बढ़ाकर दूसरे वर्ग की भूमिका को कम करने में महत्वपूर्ण स्तंभ का कार्य किया

इसी क्रम में महिला की भूमिका को पुरुष की भूमिका के समान समझी जाने के लिए महिला सशक्तिकरण की बात सामने आई है महिला सशक्तिकरण से तात्पर्य महिला के वैधानिक मानसिक शारीरिक सांस्कृतिक आर्थिक सामाजिक राजनीतिक रूप से सशक्त होने एवं स्वयं निर्णय लेने की स्वायत्तता से है। इनमें सबसे ज्यादा जरूरी आर्थिक रूप से सशक्तिकरण है यदि महिला आर्थिक रूप से सशक्त है तो सामाजिक और राजनैतिक सशक्तिकरण की संभावना बढ़ जाती है।



महिला सशक्तिकरण का मुख्य दृष्टिकोण स्त्री और पुरुष समानता समानता के रूप में भी देखा जा सकता है हमारे समाज में पुरातन व्यवस्था से लेकर आज तक महिला सशक्तिकरण के लिए कई कार्य किए गए हैं जिन्होंने महिला की स्थिति को सुधारने में निर्णायक भूमिका भी निभाई है, परंतु वर्तमान दौर में केवल समाज और कानून और हमारी वर्तमान व्यवस्था ही महिला सशक्तिकरण के लिए पर्याप्त नहीं

है इसके लिए सबसे ज्यादा आवश्यक महिला का स्वयं का सशक्त बनने के लिए आतुर होना है अपने अंदर ही बदलाव लाकर ही महिला सशक्तिकरण के उदाहरण प्रस्तुत किए जा सकते हैं बेटे बहु मां पत्नी हर भूमिका को निभाते हुए महिला स्वयं को बेहतर संभावनाओं की ओर ले जा सकती है जिस तरीके से महिला अपने घर की नांव होती है अपने परिवार को मजबूती प्रदान करती है उसी प्रकार वह मुखर होकर समाज में अपनी भूमिका निभा सकती है महिला का जागरूक होना, अपने कर्तव्य अपने अधिकारों के प्रति निष्ठावान होना ही बाल विवाह, घरेलू हिंसा, भ्रूण हत्या, बलात्कार जैसी घटनाओं को खत्म कर सकता है वर्तमान में शासन प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है मैं इस लेख के माध्यम से अपने देश की सरकार से अपील करना चाहती हूँ कि वर्तमान में जनसंख्या के आधार पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व हमारी सरकार में नहीं है राज्यसभा में केवल 11% और लोकसभा में केवल 14% ही महिलाएं हैं भारत रत्न जैसे देश के सर्वोच्च सम्मान में अभी तक महज पांच महिलाएं ही अपने लिए जगह बना पाई हैं यदि हम वास्तव में महिला सशक्तिकरण चाहते हैं तो हमें राज्यसभा लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं को उनकी जनसंख्या के आधार पर सीट देना सुनिश्चित करना होगा।

विशेष चर्चा अपर तहसीलदार श्रीमती रितु मुद्गल के साथ संपादक मनोज चतुर्वेदी की...

निलंबित नुपुर ने कोलकाता पुलिस को लिखा पत्र...

भाजपा निलंबित नुपुर शर्मा की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। पैगंबर मोहम्मद को लेकर नुपुर शर्मा द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर देशभर में हंगामा मचा हुआ था। ऐसे में कोलकाता के नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन ने नुपुर शर्मा को सोमवार को तलब किया था। हालांकि नुपुर शर्मा पुलिस स्टेशन तो नहीं पहुंची लेकिन उनका ई-मेल जरूर पहुंचा है।

नुपुर शर्मा ने नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन से 4 सप्ताह का विस्तार मांगा है। 20 जून को नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन के समक्ष पेश होने को लेकर नुपुर शर्मा ने एक ई-मेल किया है। जिसके जरिए उन्होंने 4 सप्ताह का समय मांगा है। बीते सप्ताह जुमे की नमाज के बाद नुपुर शर्मा की टिप्पणी को लेकर उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत कई स्थानों पर हिंसक प्रदर्शन हुए। जिसको लेकर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। इसको लेकर नुपुर शर्मा के खिलाफ देश के कई हिस्सों में एफआईआर भी दर्ज हुई है। हाल ही में मुंबई पुलिस राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंची, जहां पर नुपुर शर्मा की तलाश कर रही थी। लेकिन छह दिनों से नुपुर शर्मा की उन्हें कोई खबर नहीं मिली।

पश्चिम बंगाल विधानसभा ने नुपुर शर्मा की आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित



किया। हालांकि भाजपा ने इसका विरोध किया। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री पार्थ चटर्जी ने सदन में यह प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव को पेश किए जाने का कार्यक्रम पहले से तय नहीं था और इसमें किसी का नाम नहीं लिया गया है, क्योंकि मामला विचाराधीन है।

ED, CBI जनता की सेवा के लिए बनी थीं लेकिन अब भाजपा की सेवा कर रही हैं: रावत



उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने शनिवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर और सीबीआई जैसी संस्थाएं जनता की सेवा के लिए बनी थीं लेकिन वे अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सेवा कर रही हैं। शनिवार देर रात यहां एक शादी समारोह में शामिल होने आए रावत ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान दावा किया कि ईडी का दफ्तर अब भाजपा का ऑफिस (कार्यालय) बन गया है और जो भी भाजपा के खिलाफ बोलेगा, उसके घर ईडी और सीबीआई पहुंच जाएगी, लेकिन ये एजेंसियां (कांग्रेस सांसद) राहुल गांधी का मनोबल नहीं तोड़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई जैसी संस्थाएं जनता की सेवा के लिए बनी थीं लेकिन वे अब भारतीय जनता पार्टी की सेवा कर रही हैं। रावत ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अग्निपथ योजना देश के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

सिकलसेल के उन्मूलन में ठोस कार्य-योजना का हो रहा है क्रियान्वयन- राज्यपाल



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया विश्व सिकलसेल एनीमिया जागरूकता दिवस पर जबलपुर में इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी डिजाइनिंग एण्ड मेन्युफेक्चरिंग (ट्रिपल आईटीडीएम) में सिकलसेल रोग के समग्र प्रबंधन पर कार्यशाला में शामिल हुए। कार्यशाला आईसीएमआर, राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा की गई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकलसेल एक गंभीर अनुवांशिक बीमारी है। यह मानवता के लिये चुनौती है। समय पर पहचान होने पर बीमारी का उपचार किया जा सकता है और पीड़ित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। सिकलसेल के लक्षण सिर्फ जनजातीय समुदाय में ही नहीं, अन्य समुदायों में भी दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारें सिकलसेल के समग्र उन्मूलन के लिये ठोस कार्य-योजना पर कार्य कर रही हैं। प्रदेश के जनजातीय बहुल 14 जिलों में इसकी रोकथाम और बचाव का अभियान चलाया जा रहा है। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य, विवाह और पुनर्वास सहायता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिकलसेल रोग की पहचान के लिये स्क्रीनिंग और टेस्टिंग तेजी से करें, जो अगले 6 माह में पूरी हो जाये। व्यापक प्रचार-प्रसार करें और जन-जागरूकता लायें, जिससे समय पर सिकलसेल का उपचार किया जा सके। बेहतर जीवन जीने के लिये योग और आयुर्वेद का सहारा भी लिया जा सकता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सिकलसेल के उन्मूलन के लिये जो रोड-मैप दिया है, उसे पूरा करने के लिये व्यापक और प्रभावी प्रयास किये जायें। घर-घर जाकर इस बीमारी के बारे में लोगों को बताया जाये और बीमारी की पहचान कर उपचार की दिशा में कदम बढ़ाये जायें। इन प्रयासों में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सहभागी बन कर अपना योगदान देना

होगा। उन्होंने कहा कि सिकलसेल रोग से मुक्ति के लिये आज से ही जुट जायें। मध्यप्रदेश में हीमोग्लोबिनपैथी मिशन में सिकलसेल को अगली पीढ़ी तक जाने से रोकने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने सिकलसेल एनीमिया और थैलेसीमिया की रोकथाम के लिये जन-समुदाय के सहयोग से स्क्रीनिंग, जन-जागरूकता और उपचार प्रबंधन कार्यक्रम चलाने पर विशेष जोर दिया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हीमोग्लोबिनपैथी मिशन प्रोजेक्ट में सिकलसेल पोर्टल में पीड़ित व्यक्तियों का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड संधारित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड महामारी को सामाजिक सहभागिता से नियंत्रित किया गया था। ठीक इसी प्रकार सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन में भी जन-सहयोग से सफलता मिलेगी। सिकलसेल एनीमिया के उन्मूलन के लिये प्रदेश के सभी जिलों में जन-भागीदारी से जन-जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। जगह-जगह नुक्कड़ नाटक, गीत आदि प्रचार-प्रसार के तरीकों से जागरूकता लाई जायेगी। रोग की पहचान के लिये स्क्रीनिंग में भी तेजी लाई जायेगी और इसके लिये आवश्यक संसाधन बढ़ाये जायेंगे। कोविड महामारी में घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की गई थी। इसी प्रकार की कार्य-योजना सिकलसेल एनीमिया की रोकथाम और बचाव के लिये भी क्रियान्वित की जायेगी। उन्होंने कहा कि योग, आयुर्वेद और जन-सहयोग से सिकलसेल की रोकथाम के प्रभावी कार्य होंगे। जन-सहयोग के साथ राज्य और जिला स्तर पर टॉस्क फोर्स का गठन किया जायेगा। टॉस्क फोर्स द्वारा सिकलसेल उन्मूलन के लिये कार्य करने के इच्छुक नागरिकों का सहयोग लिया जायेगा। रोग के उपचार में नवीन चिकित्सा तकनीकों का प्रयोग करें, जिससे यह रोग अगली पीढ़ी में न जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सिकलसेल के मरीज अपने को अकेला न समझें, प्रदेश सरकार उनके साथ है।

जवानों और पुलिसकर्मियों को
देंगे ऑउट ऑफ टर्न प्रमोशन
और गैलेंट्री अवार्ड

शांति भंग करने
की इजाजत किसी
को नहीं : सीएम



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार नक्सलियों को नेस्तनाबूद करने में जुटी हुई है। आज मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की सीमा पर लाँजी-बहेला चौकी-लोढ़ागी के जंगलों में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में हमारे जवानों और पुलिसकर्मियों ने तीन इनामी हार्ड कोर नक्सलियों को मार गिराया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट कर कहा है कि- 'जन पर खेलकर नक्सलियों को मार गिराने वाले पुलिसकर्मियों को ऑउट ऑफ टर्न प्रमोशन और गैलेंट्री अवार्ड दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुलिसकर्मी और जवानों की कर्तव्यनिष्ठा और साहस की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश को आप जैसे साहसी वीरों पर गर्व है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश शांति का टापू है और इसकी शांति भंग करने की इजाजत किसी को नहीं है, चाहे वह नक्सली हो या कोई अपराधी हो। हमारी सरकार सज्जनों के लिए फूल से भी कोमल और दुर्जनों के लिए वज्र से ज्यादा कठोर है।

इस कार्यवाही को एएसपी बालाघाट ने लीड किया। उनके साथ हॉक फोर्स और मध्यप्रदेश पुलिस के जवान भी मौजूद थे। एएसपी बालाघाट रेंज और सीओ हॉक फोर्स ने पूरी कार्यवाही का मार्गदर्शन किया। इस मुठभेड़ में नक्सलवाद से जुड़े एक डीसीएम (डिवीजनल कमेटी मेम्बर) और दो एसीएम (एरिया कमेटी मेम्बर) मनोज और रामे (महिला), जिन पर 30 लाख रूपए से अधिक का इनाम है, ढेर हो गए। इनके पास से एके-47, श्री नॉट श्री और 12 बोर की एक्शन गन बरामद हुई है।

कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी नयी लहर की सूचक नहीं: विशेषज्ञ

विशेषज्ञों ने कोविड-19 के मामलों में मौजूदा वृद्धि के लिए मास्क नहीं पहनने और कम बूस्टर खुराक लेने जैसे कारणों का उल्लेख करते हुए कहा है कि बढ़ोतरी 'नयी लहर' की सूचक नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर मामलों में उतार-चढ़ाव हो रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि संक्रमण के मामलों में हालिया वृद्धि यात्रा, सामाजिक मेलजोल और आर्थिक गतिविधियों के कारण हुई है, जिसके परिणामस्वरूप वायरस के प्रसार की अधिक संभावना है। इस संबंध में एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि केरल में सात और मिजोरम में पांच सहित देश के सत्रह जिलों में, साप्ताहिक संक्रमण दर 10 प्रतिशत से अधिक है जबकि केरल में सात और महाराष्ट्र और मिजोरम में चार-चार जिलों समेत देश के कुल 24 जिलों में साप्ताहिक संक्रमण दर पांच से 10 प्रतिशत के बीच है। विषाणु विज्ञानी टी जैकब जॉन ने कहा कि मामलों में मौजूदा वृद्धि किसी उछाल की तरह नहीं है बल्कि एक क्रमिक वृद्धि है जो स्थिर या समान रूप से वितरित नहीं है।

उन्होंने कहा, 'कुछ राज्यों में मामले बढ़े हैं, जबकि अन्य राज्यों में अलग स्थिति है। उन राज्यों में मुख्य रूप से शहरों में मामले बढ़े हैं, सभी जगह इसका प्रसार नहीं हुआ है। यह पैटर्न एक नयी लहर का सूचक नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर मामलों में कमी-वृद्धि हो रही है।' भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के 'सेंटर ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन वायरोलॉजी' के पूर्व निदेशक जॉन ने कहा कि दूसरी खुराक लेने वालों में से



पांच प्रतिशत से भी कम लोगों ने बूस्टर खुराक ली है।

उन्होंने कहा, 'इस कम कवरेज के लिए कौन जिम्मेदार है? मैं समझता हूँ कि लोग वैक्सीन सुरक्षा को लेकर सरकार पर भरोसा नहीं कर रहे हैं और सरकार को भी इसकी परवाह नहीं है।'

उन्होंने इन दावों का खंडन किया कि वृद्धि के लिए नए स्वरूप जिम्मेदार हैं। जॉन ने कहा, 'अभी मजबूत धारणा यही है कि मामलों में वृद्धि बीए.5 और बीए.4 स्वरूप के कारण हो रही है। दूसरी तरफ वायरस को जब प्रसार के अनुकूल अवसर मिलता है तो यह तेजी से फैलता है।'

पिछले आठ वर्षों में देश की राजनीतिक संस्कृति आया बदलाव- जेपी नड्डा

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह वास्तव में मेरे लिए यहां उपस्थित होने और शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों से मिलने और उनके साथ बातचीत करने का एक बड़ा अवसर है। इससे मुझे काफी अंतर्दृष्टि भी मिलती है और साथ ही हम अपनी पार्टी की गतिविधियों के बारे में बातचीत करने में सक्षम होते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज आंध्र प्रदेश के दौर पर हैं। इस दौरान ने उन्होंने विजयवाड़ा में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन में नड्डा ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में कृषि बजट में 10 गुना वृद्धि, GDP दोगुनी, विदेशी निवेश में 65% की वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था 3 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन इसे 5 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाना है और हम इसकी ओर बढ़ रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह वास्तव में मेरे लिए यहां उपस्थित होने और शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों से मिलने और उनके साथ बातचीत करने का एक बड़ा अवसर है। इससे मुझे काफी अंतर्दृष्टि भी मिलती है और साथ ही हम अपनी पार्टी



की गतिविधियों के बारे में बातचीत करने में सक्षम होते हैं।

नड्डा ने आगे कहा कि हम 8 वर्षों में एक बहुत ही परिवर्तनकारी दौर से गुजरे हैं। नीति पक्षाघात की स्थिति थी। भारत को सबसे भ्रष्ट राज्यों में से एक माना जाता था। नेता जेल जा रहे थे। उन्होंने कहा कि हर दिन कोई न कोई घोटाला सामने आ रहा था और भारतीय राजनीति ने अपना सम्मान खो दिया है। लेकिन आज मोदी सरकार के आठ साल बाद हम गर्व से कह सकते हैं कि 'मोदी है तो मुमकिन है, मोदी है तो परिवर्तन है'। उन्होंने कहा कि जब हम आठ साल की यात्रा की बात करते हैं, तो यह विकास की यात्रा है। यह बदलाव की यात्रा है। यह देश की राजनीतिक संस्कृति में बदलाव की यात्रा है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है। मोदी सरकार के तहत गांवों, दलितों और आदिवासियों का ख्याल रखा गया है। महिलाओं, युवाओं और किसानों को सशक्त बनाया गया है। इससे पहले जेपी नड्डा ने कहा था कि वंशवादी राजनीतिक दल देश के लोकतंत्र के लिए खतरा बन गए हैं।

हाईटेक बस स्टेण्ड आया पुराने ढर्रे पर...

सुबह से शाम तक चारों तरफ बसों की कतारें, यात्री हो रहे परेशान...



गेट के सामने से निकलने में आ रही परेशानी, सरवटे बस स्टैंड के सामने बसों का जमावड़ा

कभी बसों की भारी भीड़भाड़ के लिए चर्चित सरवटे बस स्टेण्ड के नए स्वरूप में आने के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि यहां पर होने वाली बसों की रेलमपेल खत्म होगी लेकिन स्टेण्ड का संचालन पुराने ढर्रे से ही किया जा रहा है। हालांकि शिकायतों के बाद कई बार ट्रैफिक पुलिस सड़क पर पार्किंग को लेकर कार्रवाई करता आया लेकिन लगातार कार्रवाई के बाद भी सरवटे बस स्टैंड के बाहर बसों का जमावड़ा लगा रहा। सरवटे बस स्टैंड के मुख्य द्वार पर ही बस चालक बसें खड़ी कर रहे हैं, जिससे अन्य बसों की आवाजाही व छोटे वाहनों को लेकर परेशानी आ रही है।

पिछले दिनों इस क्षेत्र में यातायात पुलिस ने लगातार कार्रवाई कर बस चालकों को हिदायत दी थी, लेकिन बावजूद बसों को लेकर स्थिति नहीं सुधर पा रही है। ना केवल सरवटे क्षेत्र में, बल्कि शहरभर में बसों को लेकर कई जगह यही हालात बन रहे हैं। चोइथराम से

लेकर सरवटे और झाबुआ टावर वाले क्षेत्र में बसों को लेकर सबसे ज्यादा शिकायतें मिल रही थीं, जहां लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। चोइथराम मंडी चौराहे पर हर दिन कार्रवाई के बावजूद वहां भी यही हालात बन रहे हैं। सरवटे बस स्टैंड के सामने आए दिन बसों का जमावड़ा लगा रहता है। यहां दिनभर अलग-अलग शहरों से बसों का आवागमन होता है। ऐसे में यहां खड़ी बसों के कारण फिर छोटे वाहनों को यहां से निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कैमरे की नजर से बचने के लिए हटा दिया नंबर- कैमरे की नजर से बचने के लिए शहर के ऑटो चालक नंबर को छिपा रहे हैं या किसी चीज से ढंक रहे हैं। कल डीसीपी यातायात के नगर भ्रमण के दौरान एक ऐसा ही ऑटो पकड़ में आया, जिसने अपने नंबर की एक अंक को हटा दिया था। ऑटो के नजर में आने पर वायरलेस पर सूचना के आधार पर ऑटो को अगले चौराहे पर रूकवाया और दस्तावेज चेक किए गए। ऑटो चालक ने कैमरे से बचने के लिए ये तरीका अपनाया था, ताकि ई-चालान से बचा जा सके। ऑटो पर इस कार्रवाई के साथ ही लंबित ई-चालानों की वसूली भी मौके पर की गई।

एयरपोर्ट पर गड़बड़ाई टैक्सी व्यवस्था...



इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टैक्सी व्यवस्था गड़बड़ा गई है। यहां बाहर से आने वाले यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। परिवहन विभाग द्वारा यहां से वाहन संचालन करने में असमर्थता जताने के बाद तो स्थिति और बिगड़ गई।

बीते साल दिसंबर में एयरपोर्ट अथॉरिटी आफ इंडिया ने एक आदेश जारी कर अपने नियंत्रण वाले सभी एयरपोर्ट प्रबंधन से कहा था कि वे पुलिस या परिवहन विभाग के सहयोग से टैक्सी सेवा का संचालन करें। लेकिन इंदौर में राजनैतिक दबाव में यह व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई, जिससे यात्रियों को दिक्कत हो रही है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक पहले बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए यहां तीन प्रकार की सुविधा थी। वे टर्मिनल के अंदर बने तीन काउंटर से ही टैक्सी बुक कर सकते थे। इसके अलावा बाहर टैक्सी और आटो रिक्शा की सुविधा उपलब्ध रहती थी। लेकिन कोरोना के बाद एयरपोर्ट टर्मिनल के अंदर से केवल एक कंपनी के पास ही ठेका बचा है। शेष दो कंपनियों ने काम बंद कर दिया है। वर्तमान में स्टार कैब नामक कंपनी काम कर रही है। उसके कर्मचारी भी मनमाना किराया वसूला ले रहे हैं। इसके अलावा बाहर टैक्सी का विकल्प अभी भी है। आटो संचालकों पर एयरपोर्ट परिसर के अंदर आने पर तत्कालीन एयरपोर्ट डायरेक्टर रोक लगा दी थी, लेकिन अब आटो चालक फिर से टर्मिनल के बाहर तक आने लगे हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में षडयंत्र को लेकर सत्याग्रह करेंगे कांग्रेसी...

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आजादी के संघर्ष में योगदान देने वाले अखबार नेशनल हेराल्ड को दबाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि कांग्रेस सदस्य इस मामले को लेकर पूरे देश में सत्याग्रह करेंगे। सचिन पायलट ने यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस फर्जी और षडयंत्रकारी मामले को लेकर पूरे देश में कांग्रेसियों में आक्रोश का माहौल व्याप्त है और सोमवार सुबह कांग्रेस पार्टी के समस्त सांसद, विधायक, पूर्व सांसद/विधायक, कार्यकारिणी के सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)के दफ्तर तक पदयात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही उत्तर प्रदेश समेत देशभर के सभी प्रदेश मुख्यालयों पर भी सोमवार को सत्याग्रह कार्यक्रम चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि ईडी का नोटिस सोनिया गांधी और राहुल गांधी को राजनीतिक दुर्भावना के तहत अपमानित करने का एक षडयंत्र है। पायलट



ने आरोप लगाया कि आजादी के संघर्ष में योगदान देने वाले अखबार नेशनल हेराल्ड से अंग्रेजों को इतना खतरा महसूस हुआ कि ब्रिटिश हुकूमत ने कांग्रेस द्वारा चलाये गये 'भारत छोड़ो' आंदोलन के समय 1942 से 1945

तक इस अखबार को बंद करवा दिया था और आज फिर उस समय की अंग्रेजी हुकूमत का समर्थन करने वाली विचारधारा 'आजादी के आंदोलन की इस आवाज' को दबाने का धिनौना षडयंत्र कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस षडयंत्र के मुखिया स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनका हथियार है। पायलट ने आरोप लगाया कि नेशनल हेराल्ड मामले में अब प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी को ईडी से नोटिस जारी करवाया है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन की आवाज नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र और कांग्रेस अलग नहीं है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि देश को गुमराह करने के लिए आए दिन मुद्दों को भटकाने की राजनीति में माहिर मोदी सरकार अब बदले की भावना में अंधी हो गई है, जिस मानसिकता ने अंग्रेजों का साथ दिया था, आज 'गुलामी की प्रतीक' वो मानसिकता 'आजादी की कुर्बानियों' से प्रतिशोध ले रही है। पायलट ने कहा कि इस बार उन्होंने एक नयी 'कायराना व डरपोक साजिश' की है। पायलट ने ईडी के भेजे गये नोटिस को 'फर्जी' बताते हुए कहा कि हम डरेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं, सीना ठोक कर लड़ेंगे।



मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के राजस्थानी विभाग की अध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित तथा केन्द्रीय साहित्य अकादमी दिल्ली द्वारा प्रकाशित राजस्थानी पुस्तक 'कुवौ' का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉक्टर मीनाक्षी ने मुख्यमंत्री को पुस्तक की प्रथम प्रति भेंट की। पुस्तक विमोचन के दौरान मुख्यमंत्री जी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता गहलोत तथा राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री रमेश बोराणा भी उपस्थित थे।

चुनाव में जीत राजस्थान में कांग्रेस की एकजुटता का संदेश : गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान से राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के तीनों उम्मीदवारों की जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह जीत प्रदेश में कांग्रेस की एकजुटता का संदेश है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि तीनों लोग राज्यसभा में राज्य से जुड़े मुद्दे उठाएंगे। राजस्थान से कांग्रेस प्रत्याशी मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला एवं प्रमोद तिवारी जीत गए हैं।



भाजपा के आधिकारिक प्रत्याशी घनश्याम तिवारी तो जीत गए लेकिन उसके समर्थन से मैदान में उतरे निर्दलीय सुभाष चंद्रा हार गए। परिणाम की आधिकारिक घोषणा से पहले ही गहलोत ने विधानसभा भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'सब जानते हैं कि 126 विधायक हमारे साथ है। तब मैं पूछना चाहूंगा कि भाजपा ने क्यों निर्दलीय उम्मीदवार खड़ा किया.. जब उसके पास पूरे वोट ही नहीं थे तब भी उसने निर्दलीय प्रत्याशी खड़ा क्यों किया.. इसके मायने हैं कि वह हार्स ट्रेडिंग करना चाहती थी लेकिन ऐसा हो नहीं पाया और बुरी तरह उसे मुंह की खानी पडी।' उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनिर्वाचित सांसद राजस्थान की समस्याओं विशेषकर पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी)... का मुद्दा उठाएंगे।

वीडियो सखी रिसोर्स पर्सन बनकर सीखेंगी वीडियो प्रॉडक्शन एडिटिंग



राज्य मिशन निदेशक, राजीविका श्रीमती मंजू राजपाल ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा नौ जिलों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को "वीडियो सखी" रिसोर्स पर्सन के रूप में चिन्हित कर वीडियो प्रॉडक्शन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उनके द्वारा बनाए गए वीडियो की सहायता से राजीविका की 'प्रचार सखियों' द्वारा राजीविका सम्बन्धी एवं अन्य संदेशों का गांव-गांव में प्रचार किया जाएगा। इस सम्बन्ध में राजीविका की मिशन निदेशक श्रीमती राजपाल द्वारा डिजिटल ग्रीन के साथ शुरुवार को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। श्रीमती राजपाल ने बताया कि प्रदेश में नेशनल रूरल इकॉनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट से सम्बद्ध नौ जिलों के नौ ब्लॉक के लिए एनजीओ के साथ एमओयू किया गया है जो जून 2024 तक निःशुल्क रूप से कैपिसिटी बिल्डिंग का काम करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को गुणवत्ता वाले वीडियो प्रॉडक्शन का प्रशिक्षण देगा। श्रीमती राजपाल ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को वीडियो सखी के रूप में रिसोर्स पर्सन या मास्टर ट्रेनर बनाने का फायदा यह है कि इसके जरिए सखी अपने परिवेश में खुद सीखकर वांछित सूचना का वीडियो बना सकेगी। जहां एक टीम "वीडियो सखी" के रूप में प्रॉडक्शन से जुड़ी होगी, वहीं दूसरी टीम "प्रचार सखी" के रूप में इस सूचना को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेगी। इस प्रकार कम्प्यूनिटी को जानकारी देने के लिए कम्प्यूनिटी का ही इस्तेमाल करते हुए कल्याणकारी संदेशों को उन तक पहुंचाने का यह तरीका बेहद प्रभावी एवं कारगर है। इससे संदेशों की प्रमाणिकता एवं उनका समयबद्ध प्रसरण भी संभव होगा। डिजिटल ग्रीन की पार्टनरशिप हेड सुश्री समिथा हलदर ने बताया कि डिजिटल ग्रीन एक अन्तरराष्ट्रीय एनजीओ है जो कई राज्यों में कार्यरत है। कम्प्यूनिटी बेस वीडियो अप्रोच इस संगठन का एक फ्लैगशिप कार्यक्रम है। अन्य कई राज्यों में इसका अच्छा परिणाम मिला है और राजस्थान में राजीविका के साथ जुड़ना इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आपस में द्वेष पैदा करने वालों के खिलाफ होनी चाहिए कार्रवाई

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक है। टिप्पणी को लेकर भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा और नवीन कुमार जिंदल को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहा है। विपक्ष भाजपा पर हमलावर है। इन सबके बीच राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट का भी बयान सामने आ गया है। सचिन पायलट ने साफ तौर पर कहा कि जो लोग भी समाज में द्वेष पैदा करने की कोशिश करते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक सचिन पायलट ने कहा कि जब देश के लोगों ने नूपुर शर्मा के विवादित बयान पर आवाज उठाई थी तब तो सरकार के कानों पर जू तक नहीं रेंगी और कोई एक्शन नहीं लिया गया लेकिन जब दुनिया के दूसरे देशों ने आवाज उठाई तब जाकर भाजपा ने कार्रवाई की।

सचिन पायलट ने आगे कहा कि मैं समझता हूँ कि इस तरह के लोग जो आपस में द्वेष पैदा करने की कोशिश करते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। BJP तो ये चाहती ही है कि महंगाई, बेरोजगारी और अन्य मुद्दों पर चर्चा ना हो और सिर्फ धर्म, मंदिर मस्जिद पर चर्चा हो। आपको बता दें कि नूपुर शर्मा और नवीन कुमार जिंदल के बयान के बाद कई देशों ने यह मुद्दा भारत के समक्ष उठाया था। भारत ने उसे कूटनीतिक तरीके से जवाब भी दे दिया। लेकिन देश में विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। कल जुमे की नमाज के बाद देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध



प्रदर्शन हुआ। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव और हिंसा की भी खबर है। साथ ही साथ कई जगह आगजनी भी की गई है।

कांग्रेस सहित विपक्षी दल लगातार नवीन कुमार जिंदल के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इन सब के बीच दिल्ली पुलिस ने नूपुर शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा के दो निलंबित नेताओं के विवादित बयान को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच शीर्ष बाल अधिकार निकाय एनसीपीसीआर ने शुरुवार को कहा कि कथित तौर पर इनमें से कई 'हिंसक प्रदर्शनों' के दौरान बच्चों का इस्तेमाल किया गया था और वह इस मामले में कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा।

बड़े कार्य और उपलब्धि के लिए जरूरी है संवेदना और बैचेनी : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जन-कल्याण का कोई बड़ा कार्य करने के लिए तड़प, व्याकुलता और संवेदना हो, तो कार्य आसान होता है। युवाओं में कुछ श्रेष्ठ करने की बैचेनी होना चाहिए। चीफ मिनिस्टर्स यंग प्रोफेशनल्स फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम से सुशासन क्षेत्र में बेहद तरीके के लिए एक प्रयोग किया गया है। इसका लाभ जनता को होगा। किसी भी स्तर पर योजनाओं की मॉनिटरिंग होती है तो कार्य ठीक होने लगते हैं। प्रातः साढ़े छह बजे से हो रही जिलावार समीक्षा बैठकों के भी सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अधिकारियों को यह अहसास होता है कि कार्यों पर मुख्यमंत्री की नजर है, तो काफी कुछ ठीक होने लगता है। जिलों से चर्चा का क्रम जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एग्पा) में चीफ मिनिस्टर्स यंग प्रोफेशनल्स फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम

(सीएमवायपीडीपी) के रिसर्च एसोसिएट्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सीएम फेलोज द्वारा जिलों में किए गए योजनाओं के क्रियान्वयन के परीक्षण, अध्ययन और सर्वे का सुशासन एवं विकास में उपयोग किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2003 तक कैसा था, सभी जानते हैं। अधो-संरचनात्मक विकास के साथ अच्छी नागरिक सेवाओं से आज परिदृश्य बदल गया है। पहले प्रति एक हजार पर 912 बेटियों का जन्म होता था, जो बढ़ कर 956 हो गया है। कुछ जिले बेटे-बेटियों के जन्म की संख्या को बराबरी तक लाने में भी सफल हुए हैं। समाज की मानसिकता में भी बदलाव आया है। जन-भागीदारी बढ़ी है और मध्यप्रदेश अनेक क्षेत्रों में उन्नत स्थिति में आ चुका है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँगनवाड़ियों को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रारंभ

अभियान के अच्छे नतीजे आ रहे हैं। इंदौर और भोपाल में आँगनवाड़ी केंद्रों के लिए खिलौने ही नहीं, कम्प्यूटर, पुस्तकें, पोषण आहार और अन्य सामग्री दिल खोलकर नागरिकों ने दी है। जन अभियान परिषद ने भी स्वैच्छिक संगठनों को प्रोत्साहित किया है। कन्या विवाह योजना और लाडली लक्ष्मी योजना का प्रारंभ हुआ तो समाज भी सहयोगी बना। आज प्रदेश में 43 लाख लाडली लक्ष्मी बेटियाँ हैं। लाडली लक्ष्मी योजना-02 से उच्च शिक्षा के लिए बेटियों को मदद मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कल भोपाल में एक बहन पर असामाजिक तत्वों ने ब्लेड से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। आज सुबह मैंने उस बहन की तकलीफ को महसूस करते हुए उससे मुलाकात कर जरूरी मदद पहुँचाने का कार्य किया। यह संवेदनशीलता शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में भी दिखाई देना चाहिए।

पुलिस ने चिन्हित किए 28 स्थल, आइटी कंपनियों की मदद से लगाएंगे कैमरे

आइटी कंपनियों की मांग के बाद इंदौर के कुछ क्षेत्रों को रात में खोलने की कवायद के बीच आइटी पार्क क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस ने विशेष फोकस किया है। यहां 28 स्थल पुलिस ने चिन्हित किए हैं, जहां आइटी कंपनियों की मदद से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही बेहतर पुलिसिंग के लिए भी अब आइटी कंपनियों से सहयोग लिया जाएगा। भंवरकुआं क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थाएं होने से विद्यार्थियों की मौजूदगी अधिक रहती है। साथ ही यह क्षेत्र आइटी क्षेत्र के रूप में भी विकसित हो गया है। यहां आइटी पार्क में कई नामी कंपनियों के कार्यालय संचालित हो रहे हैं। आइटी कंपनियों में रात में भी काम होता है और स्टाफ वहां रुकता है। ऐसे में रात्रिकालीन संस्कृति (नाइट क्लब) और क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रख पुलिस विशेष कदम उठा रही है। उसने भंवरकुआं क्षेत्र में 28 स्थल चिन्हित किए हैं, जहां सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। इसके लिए आइटी कंपनियों की मदद पुलिस लेगी। 40 आइटी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक की है। सीसीटीवी कैमरे लगाने में करीब 18 लाख रुपये का खर्च आ रहा है।

भोपाल में 10वीं की स्टूडेंट ने की खुदकुशी

भोपाल के बागसेवनिया इलाके में 10वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से वजह का खुलासा नहीं हो सका। बुधवार रात 11 बजे छात्रा ने 8 भाई-बहनों और मम्मी-पापा के साथ खाना खाया। इसके बाद वह मां से बोली- सोने जा रही हूँ। आधे घंटे बाद मां ने देखा तो वह कमरे में फंदे पर लटकी मिली। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। उपचार के कुछ देर बाद ही उसने दम तोड़ दिया। अमराई, बागसेवनिया में रहने वाली मुस्कान भगत (18) इसी साल 10वीं में पास हुई थी। वह 11वीं में दाखिला लेने वाली थी। पिता मनोज भगत विश्वकर्मा मंदिर में पुजारी हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार रात सभी आठों बच्चों ने खाना खाया। इसके बाद मुस्कान समेत सभी बच्चे कमरे में सोने चले गए।

राज्यपाल श्री पटेल एस.ओ.एस. बालग्राम भोपाल के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल राज्यपाल को बालग्राम के दिव्यांग बच्चों ने 'आशा है तो मुमकिन है' का दिखाया दम

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एस.ओ.एस. बालग्राम खजुरीकला के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल की उपस्थिति में बालग्राम के दिव्यांग बच्चों ने आशा है तो मुमकिन है का दम दिखाया। बच्चों ने इस प्रस्तुति के साथ शिव तांडव और कन्या उत्सव की दिव्य समवेत प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया। सांकेतिक भाषा में राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया। राज्यपाल श्री पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता बालग्राम के प्रतिभाशाली खिलाड़ी बालक विजय, बालिका डॉली, मणिमेघलाई और सृजनात्मक प्रतिभा की धनी मधु को सम्मानित कर, उनका मनोबल बढ़ाया। राज्यपाल ने दिव्यांग बच्चों को आत्मीयता का अहसास कराते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मानव सेवा ही प्रभु सेवा है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। किसी की सेवा का अवसर ईश्वर की कृपा से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी की तरह कोमल होते हैं। उनकी उचित देखभाल का दायित्व पालक और शिक्षक पर है। उनकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को भेदभाव रहित वातावरण मिलें। सकारात्मकता के साथ वह समाज की मुख्यधारा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि बच्चों में पारस्परिक सहयोग, सद्भाव और नियमितता के गुणों के साथ ही पर्यावरण, ऊर्जा, जल-संरक्षण और स्वच्छता की आदत डालने और स्वयं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सजग बनाने के प्रयास जरूरी हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने टेलीविजन के कार्यक्रम का दृष्टांत देते हुए कहा कि अनेक ऐसे दिव्यांगजन हैं, जिन्होंने शारीरिक अभावों अथवा कमजोरियों को प्रेरणा बना कर,



दिव्यांगता को व्यक्तिगत विकास में सहयोगी बना लिया है। जीवन में सफलता के लिए साधन से ज्यादा सोच का होना महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका विकास, साथ, विश्वास और प्रयासों से दिव्यांगजन के पुनर्वास के प्रयत्न किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री बनते ही मोदी जी ने महिला सशक्तिकरण के लिए बेंटी बचाओ, पढ़ाओ और बढ़ाओ के प्रयासों को व्यापक स्वरूप प्रदान किया।

एस.ओ.एस. विलेज ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री राकेश जिन्सी ने बताया कि बालग्राम खजुरीकला में स्थापित एस.ओ.एस. चिल्ड्रन विलेज पूरे विश्व में अनूठे दो गांवों में से पहला है। उन्होंने बताया कि 1964 में भारत

में स्थापना से अब तक 7,500 बच्चों की देखभाल की गई है। परिवार सशक्तिकरण कार्यक्रम में 30 हजार बच्चों की परवरिश की जा रही है। उन्होंने संस्था को राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे सहयोग के प्रति आभार ज्ञापित किया।

बालग्राम खजुरीकला के निदेशक श्री धीरज कुमार ने बताया कि बालग्राम में दिव्यांगता अनुसार विशेष शिक्षण और शारीरिक अक्षमता के अनुरूप विभिन्न प्रकार की थैरेपी की व्यवस्था है। संस्था दिव्यांग पुनर्वास प्रयासों में भी सहयोग करती है। सहायक निदेशक एस.ओ.एस. बालग्राम श्री बी.पी. मतकर ने आभार माना। प्रारंभ में राज्यपाल सहित अतिथियों ने एस.ओ.एस. बालग्राम के संस्थापक डॉ. हर्मन माईनर की प्रतिमा का पूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पीपल, केसिया और गूलर के पौधे रोपे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल से प्रकाशित सांध्य दैनिक शाम तक के 18 वें स्थापना दिवस पर समाचार-पत्र के प्रकाशक एवं संपादक श्री शशांक दुबे तथा उनकी टीम के साथ पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में पीपल, केसिया और गूलर के पौधे लगाए। सुश्री रितु दुबे, सुश्री नंदिनी दुबे, सुश्री जयति दुबे, श्री शेषराव सोलंकी, श्री रामकृष्ण पांडे, श्री सुरजीत प्रजापति, श्री दिनेश सोनी और श्री चंद्रेश भी पौध-रोपण में शामिल हुए। शाम तक समाचार-पत्र भोपाल से विगत 17 वर्षों से प्रकाशित हो रहा है, जो जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से जन-सामान्य को सचेत करने और लोगों को पर्यावरण-संरक्षण गतिविधियों संचालित करने के लिए प्रेरित करने प्रतिबद्ध है। साथ ही हरित मध्यप्रदेश बनाने संबंधी गतिविधियों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाता है। समाचार-पत्र परिवार द्वारा अपना 18वां स्थापना दिवस पाठकों, परिवार, मित्र एवं सहयोगियों के साथ पौध-रोपण कर मनाया जा रहा है। स्मार्ट उद्यान में आज लगाये गये पौधों में पीपल पर्यावरण शुद्ध करता है और इसका धार्मिक एवं आयुर्वेदिक महत्व भी है। केसिया की छाल और पत्तियों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाएँ बनाने में किया जाता है।



अगर आप हैं लोअर बैक पेन की प्रॉब्लम से परेशान, तो करें यह योगासन...



अक्सर लोग लोअर बैक पेन को नजरअंदाज करते हैं। लेकिन कई बार यह दर्द इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि पेनकिलर लेने तक की नौबत आ जाती है। अगर आप भी लोअर बैक के दर्द से परेशान हैं तो योग से आपको फायदा हो सकता है। कई योगासन हैं जिनके अभ्यास से लोअर बैक पेन से छुटकारा पाया जा सकता है। आजकल ज्यादातर लोगों की डेस्क जॉब होती है। कंप्यूटर और लैपटॉप के सामने घंटों काम करने के कारण अधिकतर लोगों की कमर में दर्द है। बैठने का खराब तरीका भी लोअर बैक पेन का एक मुख्य कारण है। अक्सर लोग इस दर्द को नजरअंदाज करते हैं। लेकिन कई बार यह दर्द इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि पेनकिलर लेने तक की नौबत आ जाती है। अगर आप भी लोअर बैक के दर्द से परेशान हैं तो योग से आपको फायदा हो सकता है। ऐसे कई योगासन हैं जिनके नियमित अभ्यास से लोअर बैक पेन से छुटकारा पाया जा सकता है। आज के इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ योगासन के बारे में बताएंगे -

पवनमुक्तासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले अपनी पीठ के बल लेट जाएं और अपने दोनों पैरों को फैलाएं। अब दोनों पैरों को उठाएं और घुटने मोड़ लें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से घुटने के नीचे अपनी पिंडलियों के पास पकड़ें।

अब सांस छोड़े और घुटनों को दबाते हुए छाती की ओर लाएं। अब अपना सिर उठाएं और घुटनों को छाती के पास लाएं, जिससे ठोड़ी घुटनों को स्पर्श करने लगे। कुछ देर इस अवस्था में रुकें। इसके बाद सांस लेते हुए पैरों को जमीन पर लेकर आएं।

उतानासन

इस आसन को करने के लिए सीधा खड़े हो जाएं और लंबी सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठाएं। अब आगे की ओर झुककर दोनों हाथों से जमीन को स्पर्श करने का प्रयास करें। इस दौरान आपके घुटने सीधे होने चाहिए। कुछ सेकंड इसी मुद्रा में रहें। फिर हाथों को ऊपर ले जाएं और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे प्रारंभिक अवस्था में लौट आएं। इस प्रकार एक चक्र पूरा हो जाएगा। इस आसन के 4-5 चक्र किए जा सकते हैं।

भुजंगासन

इस आसन को करने के लिए जमीन पर पेट के बल लेट जाएं। अब अपनी कोहनियों को कमर से सटा के रखें और हथेलियां ऊपर की ओर रखें। अब धीरे-धीरे सांस भरते हुए अपनी छाती को ऊपर की ओर उठाएं। उसके बाद अपने पेट के भाग को धीरे धीरे ऊपर उठा लें। इस

स्थिति में 30 सेकंड तक रहे। अब सांस छोड़ते हुए, अपने पेट, छाती और फिर सिर को धीरे-धीरे जमीन की ओर नीचे लाएं।

बालासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठ जाएं। ध्यान रखें कि आपके घुटने आपस में सटे हुए और पैर नितम्बों के ऊपर टिके हुए हों। अब शरीर को आगे की ओर झुकाते हुए, धीरे-धीरे सिर जमीन से लगाएं। अब दोनों हाथों को सिर से लगाते हुए आगे की ओर सीधा रखें और हथेलियों को जमीन से लगाएं। इस अवस्था में कम से कम 30 सेकंड तक रहें। इस आसन को 4-5 बार दोहराएं।

गौमुखासन

इस आसन को करने के लिए आराम से बैठने की स्थिति में आ जाएं। अब अपनी बाईं कोहनी को ऊपर उठाएं और अपनी बांह को मोड़ें ताकि आपका हाथ आपकी पीठ पर आ जाए। अब अपनी बाईं कोहनी को धीरे से दाईं ओर खींचने के लिए अपने दाहिने हाथ का उपयोग करें। इस मुद्रा में 30 सेकंड तक रहें। फिर इसे दूसरी तरफ से करें।

बिना दवाई भी ठीक कर सकते हैं दांतों का दर्द

भो जन को सही तरीके से चबाने के लिए दांतों का स्वस्थ होना आवश्यक माना जाता है, हालांकि दांतों में होने वाले दर्द की समस्या न सिर्फ खाने, बल्कि कई तरह की अन्य परेशानियों को बढ़ा सकती है। मसूड़ों में सूजन, दांतों में कमजोरी और सड़न जैसी कई समस्याओं के कारण दांतों में दर्द हो सकता है, ऐसे में यह पता लगाना महत्वपूर्ण है कि आपकी परेशानी की जड़ क्या है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक दांतों में लगातार बना रहने वाला दर्द कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकता है, ऐसे में इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आमतौर पर कुछ ओवर-द-काउंटर दर्द निवारक दवाओं से दर्द में राहत मिल जाती है, हालांकि अधिक गंभीर दांत दर्द की स्थिति में दंत चिकित्सक से सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

कभी-कभार होने वाली इस तरह की समस्याओं को ठीक करने में कुछ घरेलू नुस्खों को भी काफी कारण



पाया गया है, जिनको प्रयोग में लाकर दर्द से कुछ समय में ही आराम मिल सकता है। आइए दांत दर्द को ठीक करने में कारगर ऐसे ही कुछ बेहद आसान लेकिन अत्यंत प्रभावी नुस्खों के बारे में जानते हैं। दांतों के दर्द को दूर करने के लिए नमक पानी के गरारे को बहुत ही असरदार घरेलू उपाय माना जाता रहा है। गुनगुने पानी में नमक मिलाकर उससे कुल्ला करने से दांतों के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।

नमक का पानी प्राकृतिक रूप से कीटाणुनाशक होता है जो दांतों के बीच फंसे खाद्य अवशेषों को निकालने और उसके कारण होने वाले दर्द को कम करने में काफी मददगार हो सकता है। नमक के पानी से कुल्ला करने से मसूड़ों के सूजन के कारण होने वाले दर्द में भी राहत मिलती है। लौंग का इस्तेमाल वर्षों से दांत दर्द के इलाज के लिए किया जाता रहा है। लौंग का तेल प्रभावी रूप से दर्द को सुन्न करने और सूजन को कम करने में सहायक माना जाता है।

काली मिर्च

शुगर और कोलेस्ट्रॉल की समस्या रहती है नियंत्रित



आ युर्वेद सबसे प्राचीन और अत्यंत प्रभावी चिकित्सा पद्धतियों में से एक है। विशेषज्ञों के मुताबिक कई औषधियों में ऐसे गुणों के बारे में पता चलता है जो शरीर को अत्यंत लाभ पहुंचा सकती हैं। कोरोना के इस दौर में इम्युनिटी को बढ़ाने के लिए कई तरह की औषधियों और जड़ी-बूटियों को प्रयोग में लाया जा रहा है। आयुर्वेदाचार्यों की मानें तो कई औषधियों को इतना प्रभावी पाया गया है जो कैंसर जैसे गंभीर रोगों के खतरे को कम करने में भी असरदार हो सकती हैं। डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल की समस्या को कम करने में भी कुछ जड़ी-बूटियों को काफी असरदार पाया गया है। विशेषज्ञ बताते हैं, काली मिर्च ऐसी ही एक अत्यंत फायदेमंद औषधि है जिससे कई तरह के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। हम सभी के किचन में आसानी से उपलब्ध यह दिव्य औषधि न सिर्फ खाने के स्वाद को बढ़ा देती है साथ ही इसका नियमित रूप से सेवन करना गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम कर सकता है। एंटी-इंफ्लामेटरी और एंटीऑक्सिडेंट गुणों से भरपूर काली मिर्च का सेवन करना विशेष फायदेमंद माना जाता है। आइए आगे की स्लाइडों में काली मिर्च से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं। डायबिटीज रोगियों के लिए काली मिर्च का सेवन करना विशेष लाभकारी हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि काली मिर्च में पाया जाने वाला कंपाउंड पिपरिन, ब्लड शुगर के मेटाबॉलिज्म में सुधार करने में मदद कर सकता है।

इम्युनिटी से लेकर

पाचन को बेहतर रखने तक में लाभदायक

श रीर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए रोजाना फलों-सब्जियों के सेवन की सलाह दी जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि फलों-सब्जियों का नियमित सेवन शरीर के लिए दैनिक पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति करने में सहायक है। इतना ही नहीं कुछ फलों के सेवन को कई तरह की बीमारियों के खतरे को कम करने में भी प्रभावी माना जाता है। कीवी ऐसा ही एक अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक फल है जिसके सेवन से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। कोरोना के दौर में शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाने के लिए भी इस फल को काफी प्रयोग में लाया गया। कीवी इम्युनिटी बढ़ाने के साथ कई अन्य तरह के स्वास्थ्य लाभ को समाहित किए हुए होता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि कीवीफ्रूट पाचन से लेकर हृदय को सेहतमंद बनाए रखने तक में लाभदायक हो सकता है। एशियाई अध्ययनों से पता चला है कि कब्ज से छुटकारा दिलाने में इस फल का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। इसमें पाए जाने वाले विटामिनस और अन्य पोषक तत्व शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचा सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में कीवी फल खाने से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

कीवी के फायदे

अमेरिकन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि कीवी फल पुराने कब्ज की समस्या को दूर करने में काफी कारगर साबित हो सकता है। मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के मुताबिक पुरानी कब्ज सहित पेट से संबंधित अन्य कई तरह की दिक्कतों में भी कीवी के सेवन को लाभदायक



पाया गया है। यूएस मेडिकल सेंटर में पुराने कब्ज वाले 79 वयस्कों पर किए गए अध्ययन में इसके लाभ देखे गए हैं। आइए कीवी खाने से होने वाले अन्य फायदों के बारे में भी जानते हैं।

हृदय रोगों से बचाता है कीवी

अध्ययनों में कीवी के सेवन को हृदय रोगों में भी लाभदायक पाया गया है। कीवी खाने से उच्च रक्तचाप सहित हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम करने में मदद मिल सकती है। हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित 118 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि कीवी फल इसको नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है। जिन लोगों ने 8 सप्ताह तक प्रतिदिन तीन कीवी खाए उनका रक्तचाप प्रतिदिन एक सेब खाने वालों की तुलना में कम हो गया।

शरीर में फैट का बढ़ना कमजोर कर सकता है **आपका दिमाग**



बढ़ता हुआ वजन कई तरह के रोगों का कारण बन सकता है। अध्ययनों में वजन बढ़ने के कारण हृदय रोग, डायबिटीज जैसी कई बीमारियों के खतरे के बारे में जिक्र मिलता है। वजन बढ़ना, विशेषकर पेट के आसपास जमा होने वाली चर्बी न सिर्फ आपके लुक को बिगाड़ देती है, साथ ही इसका असर आपकी मानसिक क्षमता पर भी पड़ सकता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने शरीर में वसा के अधिक जमाव के संज्ञानात्मक कार्य क्षमता पर नकारात्मक असर के बारे में पता लगाया है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि शरीर में अधिक फैट की मात्रा वयस्कों में समय के साथ होने वाले विकास की रफ्तार को भी प्रभावित कर सकती है। अब तक हुए तमाम अध्ययनों में वैज्ञानिक, बेली फैट या शरीर के अधिक वजन के कारण हृदय और डायबिटीज जैसे रोगों के बढ़ते खतरे के बारे में सचेत करते रहे हैं। अब जामा जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में इसके बौद्धिक क्षमता पर नकारात्मक असर के बारे में पता चला है। शोधकर्ताओं का कहना है कि सभी लोगों को लगातार अपने वजन को नियंत्रित रखने के प्रयास करते रहने चाहिए। बढ़ा हुआ वजन कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में शरीर के अधिक फैट के संज्ञानात्मक कार्य क्षमता पर पड़ने वाले असर के बारे में जानते हैं।

रोजाना नाश्ते में खाते हैं व्हाइट ब्रेड? हो सकते हैं **ऐसे नुकसान**

शरीर के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए सुबह का नाश्ता पौष्टिक होना सबसे आवश्यक माना जाता है। फल, दूध, अंडों के साथ ब्रेड भी ज्यादातर लोगों के लिए सबसे आसान विकल्प रहता है। निश्चित ही आप भी नाश्ते में ब्रेड जरूर खाते होंगे, पर कौन सा? सामान्यतः हम सभी व्हाइट ब्रेड का सेवन अधिक करते हैं। इसे मक्खन के साथ खाना हो या ऑमलेट के साथ, पेट भरने के लिए इसे अच्छा विकल्प माना जाता है। पर सावधान, व्हाइट ब्रेड को स्वास्थ्य विशेषज्ञ सेहत के लिहाज से नुकसानदायक मानते हैं। लगातार व्हाइट ब्रेड के सेवन की आपकी आदत कई तरह की समस्याओं को बढ़ावा दे सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, ब्रेड को बनाने के लिए मुख्यरूप से मैदे को प्रयोग में लाया जाता है, ऐसे में इसका ज्यादा सेवन पेट की कई तरह की समस्याओं को बढ़ावा दे सकता है। इसके अलावा व्हाइट ब्रेड पौष्टिकता के लिहाज से भी बेहतर नहीं माने जाते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा भी अधिक होती है जिसका अधिक सेवन करने से शरीर पर कई तरह के हानिकारक प्रभाव हो सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि विशेषज्ञ व्हाइट ब्रेड के सेवन से बचने की सलाह क्यों देते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि व्हाइट ब्रेड का अधिक सेवन करना डायबिटीज के जोखिमों को बढ़ा सकता है। व्हाइट ब्रेड तेजी से पच जाता है जिससे यह तेजी से ग्लूकोज में परिवर्तित हो जाता है और रक्त शर्करा के स्तर में वृद्धि का कारण बन सकता है। इसके अलावा चूँकि इस तरह के मैदे से बने ब्रेड में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा भी अधिक होती है जो शुगर के लेवल को तेजी से बढ़ा देती है। डायबिटीज के रोगियों को व्हाइट की जगह ब्राउन या ग्रेन ब्रेड का सेवन करना चाहिए।

अध्ययन में क्या पता चला?

वैज्ञानिकों ने अध्ययन के लिए अधिक वजन के शिकार 9,166 प्रतिभागियों को शामिल किया। प्रतिभागियों के शरीर

में वसा का आकलन करने के लिए बायोइलेक्ट्रिकल इम्पेडेंस विश्लेषण तकनीक को प्रयोग में लाया गया। इसके अलावा 6,733 प्रतिभागियों के पेट की चर्बी को मापने के लिए एमआरआई किया। एमआरआई के माध्यम से वैस्कुलर ब्रेन

इंजरी का भी आकलन किया गया जिससे मस्तिष्क में रक्त प्रवाह के बारे में पता लगाया जा सके। शोधकर्ताओं ने पाया कि बेली फैट अधिक होने का कॉर्गेनेटिव फंक्शन पर नकारात्मक असर हो सकता है।

पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन हॉर्मोन की कमी को दूर कर सकते हैं ये फूड्स...

पुरुषों में भी हार्मोनल असंतुलन को समस्या बढ़ रही है। ऐसा ही एक हार्मोन है टेस्टेस्टेरोन, जिसे सेक्स हार्मोन भी कहा जाता है। इस हार्मोन से ही पुरुषों के चेहरे पर बाल और प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र के साथ पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन का स्तर कम होने लगता है। आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली और खानपान का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर होता है। यही वजह है कि आज के समय में बहुत सी बीमारियां आम हो गई हैं। ना केवल महिलाओं, बल्कि पुरुषों में भी हार्मोनल असंतुलन को समस्या बढ़ रही है। ऐसा ही एक हार्मोन है टेस्टेस्टेरोन, जिसे सेक्स हार्मोन भी कहा जाता है। इस हार्मोन से ही पुरुषों के चेहरे पर बाल और प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है। बढ़ती उम्र के साथ पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन का स्तर कम होने लगता है। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में पुरुषों के शरीर में इसका पर्याप्त रूप से निर्माण नहीं हो पाया है। आज के इस लेख में हम आपको ऐसे 5 फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे टेस्टेस्टेरोन हार्मोन के स्तर को बढ़ाने में मदद मिलती है।



प्याज

प्याज का इस्तेमाल आमतौर पर सब्जी या सलाद में किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कच्चा प्याज पुरुषों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें ऐसे तत्व मौजूद होते हैं जो पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। रोजाना कच्चे प्याज का सेवन करने से फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद मिलती है।

अनार

अनार का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन, प्रोटीन और आयरन समेत कई

पोषक तत्व मौजूद होते हैं। अनार का सेवन करने से पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन लेवल बूस्ट करने में भी मदद मिलती है। रोजाना एक कप अनार के जूस का सेवन करना पुरुषों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

शहद

शहद हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है यह तो आप जानते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शहद के सेवन से पुरुषों में फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद मिलती है। शहद में बोरॉन नामक तत्व पाया जाता है जो टेस्टेस्टेरोन लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

अदरक

अदरक का सेवन भी पुरुषों में टेस्टेस्टेरोन लेवल को बढ़ाने के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं जो पुरुषों में फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। आप चाहें तो अदरक की चाय पी सकते हैं या इसे सब्जियों में डाल कर खा सकते हैं।

केला

केले का सेवन भी पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें ब्रोमेलीन नामक तत्व पाया जाता है जो पुरुषों के फर्टिलिटी बढ़ाने में मदद कार्य है।

आंखों में ऐसे बदलाव हो सकते हैं हार्ट अटैक का संकेत

जीवनशैली और आहार संबंधी गड़बड़ी के चलते पिछले एक दशक में हृदय रोगों के मामले काफी बढ़ गए हैं। एक समय जहां हृदय रोगों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के तौर पर देखा जा रहा था, वहीं अब काफी कम उम्र के लोग भी इसके शिकार हो रहे हैं। हृदय रोगों के कारण गंभीर स्थितियों में हार्ट अटैक की समस्या हो सकती है, जिसे जानलेवा माना जाता है। धमनियों में रुकावट के कारण जब हृदय में रक्त का संचार बाधित हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। हार्ड कोलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप या कोरोनरी आर्टरी डिजीज जैसे कई कारणों से इस तरह की समस्या हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अगर जीवनशैली और आहार को ठीक रखा जाए तो हृदय रोग और हार्ट अटैक के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अलावा अगर हृदय

रोगों का समय पर निदान और इलाज हो जाए तो इसके बढ़ने और हार्ट अटैक जैसे खतरे से बचाव करना आसान हो सकता है। छाती में दर्द, सांस की दिक्कत जैसे कई लक्षण हृदय रोगों का संकेत माने जाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि आंखों के माध्यम से भी हार्ट अटैक के जोखिम का पता लगाया जा सकता है? आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं। इंपीरियल कॉलेज लंदन में नेशनल हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों ने बताया कि सी-रिप्लेक्सिन प्रोटीन (सीआरपी) के स्तर की जांच के आधार पर करीब तीन साल पहले ही हृदय रोगों के जोखिमों का पता लगाना आसान हो सकता है। सीआरपी के माध्यम से इंफ्लामेशन का पता लगाया जाता है। सीआरपी एक प्रोटीन है जिसकी मात्रा हृदय रोगों के दौरान रक्त में बढ़ जाती है। सीआरपी टेस्ट के माध्यम से हृदय रोग के जोखिम के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है।



दर्द से परेशान हैं तो इस तरह तुरंत दर्द भगा सकता है

बर्फ का टुकड़ा

दर्द को करे छू-मंतर बर्फ का टुकड़ा एक नेचुरल पेनकिलर की तरह काम करता है। अगर आपके हाथ या पैर में दर्द हो रहा है तो आपको पेनकिलर खाने की आवश्यकता नहीं है। बस आप दर्द वाले स्थान पर कुछ देर के लिए बर्फ का टुकड़ा रख करें। आप देखेंगे कि आपका दर्द गायब हो गया है। ठीक इसी तरह, अगर आपको सिर में दर्द हो रहा है तो भी आप आईस पैक सिर पर लगाएँ। आपको कुछ ही देर में काफी आराम मिलेगा।

बुखार में राहत- बुखार के दौरान शरीर का तापमान काफी बढ़ जाता है। ऐसे में शरीर के तापमान को कूलडाउन करने के लिए आप बर्फ की मदद ले सकते हैं। आप पानी में बर्फ डालकर उसमें पट्टियाँ भिगोकर सिर पर रखें या फिर आप आईस क्यूब्स को पूरी बाँड़ी पर रख सकते हैं। ऐसा करने से तेज बुखार के कारण आपको किसी भी तरह की ब्रेन डिस्जीज होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है।



कड़वाहट करे दूर- कई बार ऐसा होता है कि तबियत खराब होने पर आप दवाई का सेवन करते हैं। लेकिन अगर दवाई काफी कड़वी होती है तो इसका सेवन करना काफी कठिन होता है। ऐसे में आप दवाई लेने से पहले अपने मुँह में बर्फ का एक टुकड़ा लीजिए। इसके बाद आप

दवाई का सेवन कीजिए। ऐसा करने से आपको दवाई की कड़वाहट का अहसास नहीं होगा और आपके लिए दवाई लेना काफी आसान हो जाएगा।

गर्मी से मिलती है राहत- गर्मी के मौसम में अक्सर तेज

धूप के कारण आपको जलन का अहसास होता है। ऐसे में आप प्रभावित स्थान पर बर्फ का टुकड़ा रख कीजिए। इससे आपको जलन व खुजली से तो राहत मिलती है ही, साथ ही ठंडक भी प्राप्त होती है।

व्यायाम से पहले जरूर करें ये वार्मअप एक्सरसाइज



रस्सी कूदना- बाँड़ी को गर्म करने के लिए रस्सी कूदना एक अच्छा विचार है। इसे आप बतौर वार्मअप एक्सरसाइज कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को करने के लिए आप एक बात का खास ख्याल रखें कि शुरूआत में आप धीरे-धीरे ही रस्सी कूदें। आप चाहें तो शुरू में महज एक ही पैर का इस्तेमाल करें और बाद में आप दोनों पैरों का प्रयोग कर सकते हैं।

स्पीड वॉक- स्पीड वॉक को भी एक अच्छी वार्मअप एक्सरसाइज माना जाता है। चहलकदमी करते समय आप शुरूआत छोटे कदमों से ही करें। कुछ देर बाद आप अपनी फुल स्पीड वॉक के दौरान कुछ लोग धीरे-धीरे रनिंग करना शुरू कर देते हैं लेकिन आप ध्यान रखें कि आपको स्पीड में वॉक ही करना है।

फुल बाँड़ी स्ट्रेच- यह एक्सरसाइज भी व्यायाम के शुरूआत में की जा सकती है। फुल बाँड़ी स्ट्रेच से आपकी बाँड़ी की हर मसल्स में लचीलापन आता है और आपकी बाँड़ी एक्सरसाइज के लिए तैयार हो जाती है। फुल बाँड़ी स्ट्रेच के लिए आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएँ। इस दौरान अपनी कमर व गर्दन को सीधा रखें। अब आप अपने हाथ को सिर के ऊपर रखें और सांस लेते हुए धीरे-धीरे पूरे शरीर को ऊपर की ओर खींचें। जब आप ऐसा कर रहे होंगे तो आपको अपने पैर की उंगलियों से लेकर हाथों की उंगलियों तक खिंचाव महसूस होगा। अब आप कुछ क्षण इसी अवस्था में रहें। अब आप सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे पहले की ही तरह सामान्य अवस्था में आ जाएँ। अब आप चार से पांच बार ऐसा करें।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करना हो जाएगा बेहद आसान..



बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को हृदय रोगों के प्रमुख कारक के रूप में जाना जाता है। कोलेस्ट्रॉल जैसे तो शरीर के लिए आवश्यक होता है, यह स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण में विशेष भूमिका निभाता है, हालाँकि इसकी अधिकता कई प्रकार की समस्याओं का कारण भी बन सकती है। कोलेस्ट्रॉल, दो प्रकार का होता है- गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। रक्त में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना, हृदय की गंभीर समस्याओं और कुछ स्थितियों में हार्ट अटैक के खतरे को भी बढ़ा सकता है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने के लिए सभी लोगों को स्वस्थ आहार और दिनचर्या को ठीक रखने की सलाह दी जाती है। पर क्या लाख कोशिशों के बाद भी आप कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं? बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने के लिए विशेषज्ञों ने एक खास तरीके के बारे में लोगों के बताया है। इसके लिए आपको किसी दवा के सेवन की भी जरूरत नहीं होगी।

सोने से पहले यह काम करें..

अच्छी नींद-बेहतर पाचन के साथ सेहत को होंगे अनेकों फायदे...

सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए रात के समय अच्छी नींद लेना सबसे आवश्यक माना जाता है। नींद पूरी न होने के कारण न सिर्फ अगले दिन थकान की समस्या बनी रहती है, साथ ही शरीर पर इसके कई तरह से और भी नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो बेडटाइम, यानी कि रात के समय सोने से पहले की आदतों का आपकी सेहत पर विशेष प्रभाव होता है, यही कारण है कि सोने से पहले सभी लोगों को वाँक करने की सलाह दी जाती है। रात के भोजन के बाद कुछ देर वाँक करने की आपकी आदत कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकती है। नींद को बेहतर बनाए रखने के साथ पाचन को ठीक रखने और मूड विकारों को प्रतिबंधित करने में भी वाँक करने के लाभ बताए गए हैं। वाँक करना न सिर्फ आपकी शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देता है साथ ही सेहत पर सकारात्मक रूप से असर डालता है। विशेषज्ञ रात की अच्छी नींद पाने के लिए डिनर के बाद कम से कम 20 मिनट वाँक करने की सलाह देते हैं। आप भी आज से ही दिनचर्या में इस आदत को शामिल कर लें। इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद कर सकते हैं। आइए सोने से पहले वाँक करने से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।



नींद के पैटर्न और गुणवत्ता में सुधार होता है। अच्छी नींद, शारीरिक-मानसिक दोनों ही तरह के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

से पहले वाँक करने की आदत डालें। कुछ देर वाँक करके आप मेटाबॉलिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं जिससे सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं।

गुणवत्ता में होता है सुधार

कई अध्ययनों में इस बात पर जोर दिया गया है कि सभी लोगों को रात में 6-8 घंटे की निर्बाध नींद जरूर लेनी चाहिए। हालांकि जीवनशैली के कई कारक लोगों में नींद विकारों को बढ़ा रहे हैं। सोने से पहले कम से कम 20 मिनट वाँक करने की आदत इसमें आपकी मदद कर सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि डिनर के बाद वाँक करने की आदत स्लीपिंग हार्मोन को बढ़ावा देती है, जिससे

वजन रहता है कंट्रोल

बढ़ता हुआ वजन मौजूदा समय की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। अध्ययनों से पता चलता है कि शरीर का वजन अधिक होने के कारण हृदय रोग, डायबिटीज और कई तरह की अन्य गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। डिनर के बाद तुरंत बेड पर चले जाने की आदत आपके मेटाबॉलिज्म को प्रभावित कर सकती है जिसके कारण वजन बढ़ सकता है। इस समस्या से बचे रहने के लिए सोने

बेहतर पाचन में सहायक

शोध में पाया गया है कि भोजन के बाद वाँक करने की आदत, आपके भोजन को पेट से छोटी आंतों में जाने में लगने वाले समय को कम कर देती है जिससे भोजन का पाचन बेहतर तरीके से समय पर हो पाता है। पाचन स्वास्थ्य के बेहतर होने से पोषक तत्वों का अवशोषण भी अच्छे तरीके से होता है, साथ ही अपच जैसी समस्याओं से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

एसिड रिफ्लक्स की समस्या से परेशान हैं तो आजमाएं ये उपाय

जब पेट में एसिड ज्यादा तेजी से उत्सर्जित होने लगता है या पेट में गैस व एसिडिटी होती है, तो इसे एसिड रिफ्लक्स कहते हैं। ऐसी स्थिति में पेट में बनने वाला एसिड भोजन नहीं से गले तक आ जाता है। आज हम आपको एसिड रिफ्लक्स की समस्या से छुटकारा पाने के कुछ घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं अक्सर कई लोगों को खाने के बाद सीने में जलन या गैस की शिकायत रहती है। ऐसा एसिड रिफ्लक्स के कारण हो सकता है। यह पाचन तंत्र से जुड़ी एक समस्या है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब पेट में एसिड ज्यादा तेजी से उत्सर्जित होने लगता है या पेट में गैस व एसिडिटी होती है, तो इसे एसिड रिफ्लक्स कहते हैं। ऐसी स्थिति में पेट में बनने वाला एसिड भोजन नहीं से गले तक आ जाता है। एसिड रिफ्लक्स के कई कारण हो सकते हैं जैसे खाना खाने के बाद तुरंत सो जाना, ज्यादा बनाया मसालेदार भोजन खाना, शराब का सेवन आदि। आज के इस लेख में हम



आपको एसिड रिफ्लक्स की समस्या से छुटकारा पाने के कुछ घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं - अगर आपको एसिड रिफ्लक्स की समस्या है तो बड़े मील खाने के बजाय दिनभर

में छोटे छोटे मील खाएं। आप दिन में तीन मील के बजाय पांच या छह छोटे मील खा सकते हैं। जिन लोगों को एसिड रिफ्लक्स की समस्या होती है उन्हें कुछ खाद्य पदार्थों से दूरी बना लेनी चाहिए। फैटी फूड, टमाटर, प्याज, लहसुन, चाय, कॉफी, चॉकलेट और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से एसिड रिफ्लक्स की समस्या ज्यादा होती है। अगर आप इस समस्या से बचना चाहते हैं तो इन खाद्य पदार्थों को खाने से परहेज करें। अगर आपको एसिड रिफ्लक्स की समस्या है तो कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, कोल्ड ड्रिंक्स और शराब का सेवन भूलकर भी ना करें। इससे पेट में एसिड बनता है जिससे एसिड रिफ्लक्स की समस्या बढ़ सकती है।

जिन लोगों को एसिड रिफ्लक्स की समस्या होती है उन्हें सोने से कम से कम तीन घंटे पहले भोजन कर लेना चाहिए। क्योंकि जब आप खाना खाने के बाद बैठे रहते हैं या खड़े रहते हैं तो गैरिटी के कारण पेट में एसिड बना रहता है।

बाल गिरते हैं या पतले हैं तो लहसुन का प्रयोग करें...



लहसुन का इस्तेमाल यूं तो लोग अपने भोजन में करते हैं। लेकिन लहसुन सिर्फ भोजन का स्वाद बढ़ाने और आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का ही काम नहीं करता, बल्कि इसके कारण आपके बालों को भी कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं।

बालों को बनाएं हेल्दी

आज के समय में खुद को स्टाइलिश दिखाने के लिए बालों में कई तरह के केमिकल्स का इस्तेमाल करते हैं। इसके अतिरिक्त धूप में सारे दिन घूमने के कारण आपके बाल काफी कमजोर हो जाते हैं। लेकिन लहसुन का इस्तेमाल करने से बालों की स्कैल्प का रूखापन खत्म हो जाता है। इतना ही नहीं, यह आपकी स्कैल्प को हेल्दी बनाने का काम करता है और जब आपकी स्कैल्प हेल्दी होगी तो यकीनन आपके बालों की जें मजबूत होंगी।

रोके हेयरफॉल

बालों में लहसुन के इस्तेमाल का एक सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि यह हेयरफॉल की समस्या को खत्म करने में मददगार है। यह बालों को मजबूती प्रदान करता है। इसलिए बालों के टूटने की समस्या काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं इसमें एंटी-बायोटिक तत्व पाए जाते हैं जो बालों में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। लहसुन बालों के दोमुहपन, पतले बालों की समस्या को दूर करने में काफी सहायक है।

बनाएं ब्लड सर्कुलेशन बेहतर

लहसुन आपकी स्कैल्प में रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाते हैं। साथ ही यह बालों के रोम से विषाक्त पदार्थों

को दूर करके उन्हें पोषित करते हैं। और जब आपके सिर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है तो आपके बालों की सारी समस्याएं बेहद आसानी से दूर हो जाती हैं। इसलिए आप बालों में लहसुन का प्रयोग अवश्य करें।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब यह तो आपने जान लिया कि लहसुन बालों के लिए लाभदायक है। लेकिन अब आप यह सोच रहे होंगे कि इसका इस्तेमाल कैसे करें। तो चलिए हम आपको इसे इस्तेमाल करने का भी तरीका बता रहे हैं। इसके लिए आप सबसे पहले आठ-दस लहसुन की कलियों को छीलकर व उसे पीसकर उसका रस निकाल लें। अब एक बाउल

में लहसुन का रस और एक चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह तरह मिक्स करें और उसे फ्रिज में रखें और ठंडा होने दें। तब तक आप एक बर्तन में पानी गर्म करें और इसमें कैमोमाइल चाय के दो बैग या फिर कुछ चायपत्ती डालकर उबालें। अब गैस को बंद करें और इस चाय को एक कप में निकालें। इसके पश्चात् आप फ्रिज में रखा हुआ मिश्रण बाहर निकालें और इसमें एक एग यॉक और एक चम्मच एलोवेरा जेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। जब आप सारे मिश्रण अच्छी तरह मिक्स कर लें तो इस मिश्रण को अपने बालों पर अप्लाई करें और हल्के हाथों से मसाज करें। अब एक टॉबल या शॉवर कैप की मदद से करीबन आधा घंटे के लिए बालों को कवर करें। अंत में किसी माइल्ड शैंपू की मदद से बालों को धो दें।



जांघ पर चर्बी?

इन आसान उपायों से घर पर ही कम कर सकते हैं फैट



शरीर में अतिरिक्त चर्बी का बढ़ना न सिर्फ आपके लुक को खराब कर देता है, साथ ही सेहत के लिए भी इसे कई प्रकार से चुनौतीपूर्ण स्थिति माना जाता है। कुछ लोगों को पेट और कमर जबकि कुछ लोगों को जांघों पर अतिरिक्त फैट बढ़ने की समस्या हो सकती है। चर्बी बढ़ने की समस्या के लिए जैसे तो आहार में गड़बड़ी और जीवनशैली की निष्क्रियता को प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता है, पर जांघों की चर्बी बढ़ने के लिए विशेषज्ञ कुछ विशेष प्रकार के हार्मोन्स को जिम्मेदार मानते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जांघों पर अतिरिक्त फैट की समस्या महिलाओं में अधिक देखी जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जांघों के अतिरिक्त फैट के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन्स को प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता है। यह हार्मोन महिलाओं में वसा कोशिकाओं में वृद्धि को प्रेरित करता है, जिससे नितंबों और जांघों के आसपास फैट बढ़ने लगता है। हालांकि इस तरह की समस्या पुरुषों में भी देखी जा सकती है। इससे बचाव के लिए सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार के साथ नियमित व्यायाम और जीवनशैली की सक्रियता

पर ध्यान देना चाहिए। आइए जानते हैं कि घर पर ही आसानी से किन उपायों के माध्यम से जांघों के फैट को कम किया जा सकता है?

शरीर में अतिरिक्त फैट बढ़ने के लिए मुख्य रूप से शारीरिक निष्क्रियता को प्रमुख कारक के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में यदि आप जांघों पर फैट बढ़ने की समस्या से परेशान हैं तो दिनचर्या में उन व्यायाम और योगासन को जरूर शामिल करें जो जांघ की मांसपेशियों को लक्षित करते हैं। सूमो स्क्वैट्स, साइकिलिंग, रनिंग और स्विमिंग जैसे अभ्यास जांघों की मांसपेशियों को लक्षित करके अतिरिक्त फैट के बर्न करने में मदद करते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नमक और चीनी का संतुलित मात्रा में सेवन करना आवश्यक होता है। अधिक मात्रा में नमक का सेवन न सिर्फ ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है साथ ही इसे शरीर में अतिरिक्त फैट के निर्माण के लिए भी जिम्मेदार माना जाता है। अधिक नमक वाली चीजों का सेवन बच्चों और वयस्कों दोनों में शरीर में वसा के स्तर को बढ़ा देता है। भोजन में नमक की मात्रा को कम करने से शरीर से अतिरिक्त फैट को बनने से रोकने में मदद मिलती है।

वायु प्रदूषण के कारण 8 साल तक कम होती जा रही है औसत आयु

पिछले एक-दो दशक के आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि गत 20 साल में लोगों की जीवन प्रत्याशा में काफी कमी आई है। जीवन प्रत्याशा का मतलब हमने अब तक जितनी जिंदगी जी ली और इसके बाद जितना शेष है, उसके औसत से है। घटते जीवन प्रत्याशा के कारणों पर गौर करें तो इसके लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ कई कारकों को जिम्मेदार मानते हैं, जिसमें से बढ़ता वायु प्रदूषण एक है। वायु प्रदूषण जनित कई तरह की गंभीर बीमारियों ने लोगों की औसत आयु को कम कर दिया है, आने वाले दिनों में इससे होने वाले गंभीर जोखिमों का खतरा और भी बना हुआ है।

इसी से संबंधित एक अध्ययन में शिकागो विश्वविद्यालय स्थित ऊर्जा नीति संस्थान (ईपीआईसी) के शोधकर्ताओं ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि साल 2013 से दुनियाभर में प्रदूषण के आंकड़ों में 44 प्रतिशत वृद्धि अकेले भारत से हुई है। साल 1998 के बाद से भारत के प्रदूषण सूचकांक में 61.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बड़े खतरे का संकेत है।

बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल कई तरह की बीमारियों के जोखिम को बढ़ा रहा है साथ ही इससे लोगों की औसत आयु में भी कमी देखने को मिल रही है। आलम यह है कि अगर वायु प्रदूषण इसी तरह से जारी रहा तो करीब 50 करोड़ भारतीय लोगों की औसत आयु 7.6 साल तक कम हो जाने की आशंका है। वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक (एक्यूएलआई) के हालिया विश्लेषण के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण भारतीय लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा पांच साल तक हो गई है। उत्तर भारत के इलाकों में इसका जोखिम और अधिक देखा जा रहा है। शोध से पता चलता है कि इस हिस्से में रहने वाली 510 मिलियन से अधिक की आबादी, जो कि देश की कुल आबादी का लगभग 40 प्रतिशत है उनके लिए खतरा बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि प्रदूषण का स्तर अभी की ही तरह बना रहता है तो इस आबादी की औसतन जीवन प्रत्याशा 7.6 वर्ष तक कम हो सकती है। वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण को लेकर किए गए विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने बताया कि बांग्लादेश के बाद भारत, दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित देश है। इतना ही नहीं देश के कई हिस्सों में प्रदूषण का स्तर बहुत ही बुरा है। अध्ययन के अनुसार दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की औसत आयु 10 साल तक कम होती जा रही है। इसी तरह से देश के कई अन्य राज्यों का हाल भी बहुत बुरा है। शोधकर्ताओं ने बताया कि भारत की बड़ी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां का 'एनुअल एवरेज पार्टिकल पॉल्यूशन' डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों से कहीं अधिक है, इसका सीधे तौर पर सेहत को असर हो रहा है। अध्ययन में बताया गया है कि भारत की 63 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां की वायु गुणवत्ता राष्ट्रीय मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। जीवन प्रत्याशा के संदर्भ में देखा जाए तो इसका बढ़ना मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

गुप्त नवरात्रि कब से शुरू है? जानें घटस्थापना का शुभ मुहूर्त...

शक्ति साधना का सबसे महत्वपूर्ण पर्व नवरात्रि को सनातन धर्म का सबसे पवित्र और ऊर्जादायक पर्व माना गया है। हिंदू पंचांग के अनुसार, साल में चार नवरात्रि पड़ती हैं जो पौष, चैत्र, आषाढ़ और अश्विन मास में पड़ती हैं। जिसमें से दो गुप्त नवरात्रि होती हैं और दो सार्वजनिक होती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दौरान तंत्र विद्या का विशेष महत्व है। इसी कारण गुप्त नवरात्रि का पर्व हर कोई नहीं मनाता है। इस समय की गई साधना जन्मकुंडली के समस्त दोषों को दूर करने वाली तथा चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और कोश को देने वाली होती है। इसका सबसे महत्वपूर्ण समय मध्य रात्रि से सूर्योदय तक अधिक प्रभावशाली बताया गया है। आषाढ़ माह में पड़ने वाली नवरात्रि को भी गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। इस दौरान प्रतिपदा से लेकर नवमी तक मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। गुप्त नवरात्रि में साधक महाविद्याओं के लिए खास साधना करते हैं। आइए जानते हैं गुप्त नवरात्रि की तिथियां, घटस्थापना का शुभ मुहूर्त।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि तिथि

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 30 जून, गुरुवार से हो रही है। इसका समापन 09 जुलाई, शनिवार को होगा। प्रतिपदा तिथि का आरंभ - 29 जून 2022, सुबह 8 बजकर 21 मिनट प्रतिपदा तिथि का समाप्ति - 30 जून 2022, सुबह 10 बजकर 49 मिनट



गुप्त नवरात्रि शुभ मुहूर्त

अभिजित मुहूर्त - 30 जून 2022, सुबह 11 बजकर 57 से 12 बजकर 53 मिनट तक।
घट स्थापना मुहूर्त - 30 जून 2022, सुबह 5 बजकर 26 मिनट से 6 बजकर 43 मिनट तक।

10 महाविद्याओं की साधना

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के साथ दस महाविद्या की भी पूजा की जाती है। ये महाविद्या मां काली, मां तारा, मां त्रिपुर सुंदरी, मां भुवनेश्वरी, मां छिन्नमस्ता, मां त्रिपुर भैरवी, मां धूमावती, मां बगलामुखी, मां मातंगी, मां कमला।

गायत्री जयंती के अवसर पर करें ये आरती

हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ माह शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गायत्री जयंती मनाई जाती है। इस साल गायत्री जयंती 11 जून 2022, दिन शनिवार को है। इस दिन मां गायत्री की विशेष आराधना की जाती है। धर्म शास्त्रों में मां गायत्री को वेद माता के नाम से जाना जाता है। इस दिन विधि विधान से पूजा करने से मानसिक शांति मिलती है और तनाव दूर होता है। कहा जाता है कि जिन लोगों पर मां गायत्री की कृपा होती है उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसे में विशेष कृपा पाने के लिए गायत्री जयंती के पावन अवसर पर आप मां गायत्री की विधिपूर्वक पूजा अर्चना करें और गायत्री मंत्र का जाप करें, उसके बाद पूजा का समापन गायत्री माता की आरती से करें। इससे आपके सारे दुख दर्द दूर होंगे। यहां हिंदी में गायत्री मां की आरती और मंत्र दिए जा रहे हैं, यहां से आप इन्हें पूजा के दौरान पढ़ सकते हैं....
गायत्री मंत्र: ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

गायत्री माता की आरती

जयति जय गायत्री माता, जयति जय गायत्री माता।
सत् मार्ग पर हमें चलाओ, जो है सुखदाता॥ जयति जय गायत्री...
आदि शक्ति तुम अलख निरंजन जगपालक करीं।
दुःख शोक, भय, क्लेश कलश दारिद्र्य दैन्य हरीं॥ जयति जय गायत्री...
ब्रह्म रूपिणी, प्रणात पालिन जगत धातु अम्बे।
भव भयहारी, जन-हितकारी, सुखदा जगदम्बे॥ जयति जय गायत्री...
गायत्री जयंती के अवसर पर करें ये आरती, दूर होंगे दुख दर्द भय हारिणी, भवतारिणी, अनघेअज आनन्द राशि।
अविकारी, अखहरी, अविचलित, अमले, अविनाशी॥ जयति जय गायत्री...
कामधेनु सतचित्त आनन्द जय गंगा गीता।
सविता की शाश्वती, शक्ति तुम सावित्री सीता॥ जयति जय

गायत्री...
ऋग, यजु साम, अथर्व प्रणयनी, प्रणव महामहिमे।
कुण्डलिनी सहस्र सुषुमन शोभा गुण गरिमे॥ जयति जय गायत्री...
स्वाहा, स्वधा, शची ब्रह्मणी राधा रुद्राणी।
जय सतरूपा, वाणी, विद्या, कमला कल्याणी॥ जयति जय गायत्री...
जननी हम हैं दीन-हीन, दुःख-दरिद्र के घरे।
यदिपि कुटिल, कपटी कपूत तउ बालक हैं तेरे॥ जयति जय गायत्री...
स्नेहसनी करुणामय माता चरण शरण दीजै।
विलख रहे हम शिशु सुत तेरे दया दृष्टि कीजै॥ जयति जय गायत्री... काम, क्रोध, मद, लोभ, दम्भ, दुर्भाव द्वेष हरिये।
शुद्ध बुद्धि निष्पाप हृदय मन को पवित्र करिये॥ जयति जय गायत्री...
जयति जय गायत्री माता, जयति जय गायत्री माता।
सत् मार्ग पर हमें चलाओ, जो है सुखदाता॥

भगवान शिव को प्रिय है यह पौधा

हर इंसान अपने भाग्य को बदलने के लिए बहुत मेहनत करता है और कोई न कोई उपाय भी करता रहता है। लेकिन कई बार उसे भाग्य का साथ नहीं मिलता है। आज के समय में धन कमाना हर कोई चाहता है, लेकिन कई बार किस्मत इंसान का साथ नहीं देती है। कभी-कभी मेहनत करने पर भी व्यक्ति को सही परिणाम नहीं मिलते हैं। जिससे कि वह बहुत निराश हो जाता है। लेकिन इसके पीछे का कारण कई बार मनुष्य नहीं जान पाता है। असल में इसका कारण घर में मौजूद वास्तु दोष हो सकता है, जिसके अंदाजा मनुष्य को लगा पाना कठिन होता है। हिंदू धर्म में कई पौधों को पूजनीय स्थान प्राप्त है। ऐसा माना जाता है कि कुछ पौधों में देवी-देवताओं का वास होता है। धार्मिक दृष्टि के अनुसार अगर इन पौधों को घर में सही दिशा में रख लिया जाए और विधि-विधान के साथ नियमित रूप से इनकी पूजा की जाए, तो घर में भगवान की कृपा बनी रहती है। इसी प्रकार भगवान शिव की कृपा पाने के लिए ज्योतिष शास्त्र में काले धतूरे के पौधे के बारे में बताया गया है। इसे घर में लगाने और नियमित पूजा-अर्चना करने से भोलेशंकर की कृपा प्राप्त होती है। आइए जानते हैं काले धतूरे के पौधे से क्या लाभ होता है।

भगवान भोलेनाथ को काला धतूरा प्रिय है। इस पौधे को लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास नहीं होता है। इससे घर में सकारात्मकता, सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, काला धतूरा लगाने का अच्छा दिन रविवार या मंगलवार है। इसके अलावा आप



इसे किसी भी शुभ दिन पर लगा सकते हैं। काले धतूरे की बात करें तो यह गहरे बैंगनी रंग का होता है, वहीं पत्तियों में काली होती है। इसलिए इसका नाम काला धतूरा रखा गया।

अपने घर में सुख शांति बनाए रखने के लिए या फिर धन में बढ़ोतरी के लिए काले धतूरे की जड़ को रखने से लाभ मिलता है। इसके साथ ही घर में किसी ऊपरी हवा का साया भी नहीं रहता है और धन में वृद्धि होती है। ऐसा भी माना जाता है कि घर-परिवार से नकारात्मक ऊर्जा भी कम होती है। काला धतूरे का पौधा या पत्ता भगवान भोलेनाथ पर चढ़ाने से वो प्रसन्न होते हैं।

अगर किसी भी सोमवार या अमावस्या के दिन काले

धतूरे की जड़ को घर में स्थापित करके माता महाकाली का पूजन कर 'क्री' बीज मंत्र का 1100 बार जप करें तो उनकी धन संबंधी सभी समस्याएं दूर होने लगती है।

काले धतूरे की जड़ को घर में लाकर स्थापित करने से एक साथ अनेक विपत्तियों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही घर में कभी भी सर्प नहीं आते और आर्येण भी तो कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकते।

कहा जाता है कि काले धतूरा का फल जो भी निसंतान दम्पति सावन मास में श्रद्धापूर्वक संतान की कामना से किसी प्राचीन शिवलिंग पर अर्पित करते हैं, भगवान शिवजी की कृपा से उन्हें संतान सुख अवश्य मिलता ही है।

निर्जला एकादशी व्रत...

शुभ फल के लिए क्या करें और क्या नहीं

प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को निर्जला एकादशी व्रत रखा जाता है। इस बार निर्जला एकादशी का व्रत 10 जून को रखा जाएगा। वैसे तो हर माह में दो और साल भर कुल 24 एकादशी तिथि होती है, लेकिन निर्जला एकादशी का महत्व सबसे अधिक होता है। शास्त्रों में निर्जला एकादशी को सभी 24 एकादशियों में सबसे अधिक शुभ व पुण्यकारी बताया गया है। मान्यता है कि अकेले निर्जला एकादशी व्रत को रखने से सभी एकादशी व्रतों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। इस व्रत में पानी भी पीना वर्जित माना जाता है, इसलिए इसे निर्जला एकादशी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान विष्णु का आशीर्वाद दिलाने वाली सभी एकादशी व्रत में निर्जला एकादशी व्रत सबसे कठिन होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि निर्जला एकादशी व्रत वाले दिन क्या करें और क्या न करें... निर्जला एकादशी व्रत को सबसे कठिन माना जाता है। इस समय गर्मी अधिक है और इस एकादशी व्रत में जल ग्रहण करना भी वर्जित है। इसलिए आपको मानसिक तौर पर स्वयं को मजबूत रखना होगा। निर्जला एकादशी व्रत के एक दिन पूर्व से मांस, मदिरा और तामसिक भोज्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए।



वहीं दशमी के दिन भी सात्विक भोजन ही करें। निर्जला एकादशी व्रत के दौरान आत्म संयम और ब्रह्मचर्य का पालन करना होगा। इस दिन दान पुण्य का भी बहुत महत्व होता है। व्रत वाले दिन जल से भरा हुआ कलश दान करें। प्यासे लोगों को पानी पिलाएं। निर्जला एकादशी वाले दिन अपने घर की छत या खुले में किसी पेड़ के नीचे पशु-पक्षियों के लिए पानी और दाना की व्यवस्था करें।

एकादशी वाले दिन घर में झाड़ू भी नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से छोटे जीव जैसे कौट, पतंग, चींटी आदि मर सकते हैं, इससे जीव हत्या का दोष लग सकता है। निर्जला एकादशी के दिन यदि किसी ने व्रत नहीं भी रखा है तो उसे इस दिन चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। चावल के अलावा इस दिन बैंगन, गाजर, शलजम आदि खाना वर्जित है।

ऑन में गंगा दशहरा और समेत पड़ेंगे ये प्रमुख व्रत-त्योहार...



इस बार गंगा दशहरा 09 ऑन, गुरुवार को है। मान्यता है कि इसी तिथि पर ही मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। गंगा दशहरा पर सभी पवित्र नदियों में स्नान, दान और जप करने की परंपरा है।

ऑन का महीना जल्द ही शुरू होने वाला है। हिंदू पंचांग के अनुसार ऑन महीने का आरंभ ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि होगी। हिंदू धर्म में ज्येष्ठ माह का विशेष महत्व होता है। इस माह में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है इसलिए इन दिनों में कई ऐसे व्रत-त्योहार आते हैं जो जल संरक्षण का संदेश देते हैं। इस महीने में गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी का व्रत रखा जाता है जो जल को बचाने का संदेश देते हैं। इस महीने में भगवान विष्णु को समर्पित दो एकादशी आती हैं। इसके अलावा हनुमानजी की आराधना का पर्व बड़ा मंगल भी मनाया जाता है। इसके अलावा ज्योतिष नजरिए से भी ऑन का माह भी काफी अहम रहने वाला है।

माह के प्रमुख व्रत-त्योहार

- 02 ऑन, गुरुवार- रंभा तृतीया
- 09 ऑन, गुरुवार- गंगा दशहरा
- 11 ऑन, शनिवार- निर्जला एकादशी, गायत्री जयंती
- 12 ऑन, रविवार- प्रदोष व्रत
- 14 ऑन, मंगलवार- संत कबीर जयंती, वट सावित्री व्रत (पूर्णिमा अनुसार)

- 17 ऑन, शुक्रवार- संकष्टी चतुर्थी व्रत
- 24 ऑन- शुक्रवार- योगिनी एकादशी
- 27 ऑन- सोमवार- मासिक शिवरात्रि व्रत
- 28 ऑन- मंगलवार- दर्श अमावस्या
- 30 ऑन, बृहस्पतिवार- आषाढ़ नवरात्रि प्रारंभ

गंगा दशहरा

हिंदू धर्म में गंगा का विशेष महत्व होता है। पंचांग गणना के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का त्योहार मनाया जाता है। इस बार गंगा दशहरा 09 ऑन, गुरुवार को है। मान्यता है कि इसी तिथि पर ही मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। गंगा दशहरा पर सभी पवित्र नदियों में स्नान, दान और जप करने की परंपरा है।

निर्जला एकादशी

एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखा जाता है। शुक्ल और कृष्ण पक्ष में एकादशी का व्रत आता है। इस माह ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में निर्जला एकादशी रखा जाएगा। जो इस बार 11 ऑन को है। इस व्रत में बिना जल ग्रहण किए पूरे दिन एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस तिथि पर भगवान विष्णु की उपासना किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।

योगिनी एकादशी

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। यह एकादशी 24 ऑन 2022 को पड़ेगी। मान्यता है कि इस व्रत को करने से 88 हजार ब्रह्मणों को भोजन कराने के बराबर जितना पुण्य मिलता है।

मासिक शिवरात्रि

हर माह मासिक शिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। पंचांग के मुताबिक प्रत्येक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि यह व्रत महाशिवरात्रि व्रत के समान फलदायी होती है।

ऑन महीने के ग्रह गोचर

माह में कुल पांच महत्वपूर्ण ग्रहों का गोचर होगा

- बुध वृषभ में मार्गी (3 ऑन 2022)
- शनि कुंभ राशि में वक्री (5 ऑन 2022)
- सूर्य का मिथुन राशि में गोचर (15 ऑन 2022)
- शुक्र का वृषभ राशि में गोचर (18 ऑन 2022)
- मंगल का मेष राशि में गोचर (27 ऑन 2022)

किन्हें माना जाता है ब्रह्मांड का पहला गुरु



विभिन्नताओं से भरे हमारे देश में हर रिश्ते को सम्मान देने और उनकी कृतज्ञता को व्यक्त करने के लिए कोई न कोई त्योहार या फिर कोई न कोई अवसर निहित है। इसी प्रकार गुरु पूर्णिमा का पर्व पूरे देश में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु के प्रति आदर-सम्मान और अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के पर्व के रूप में मनाते हैं। गुरु को हमेशा से ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूज्य माना गया है।

महर्षि वेदव्यास को समर्पित

वेद, उपनिषद और पुराणों का प्रणयन करने वाले वेद व्यास जी को समस्त मानव जाति का गुरु माना जाता है। महर्षि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ पूर्णिमा को लगभग 3000 ई. पूर्व में हुआ था। उनके सम्मान में ही हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। बहुत से लोग इस दिन व्यास जी के चित्र का पूजन और उनके द्वारा रचित ग्रंथों का अध्ययन करते हैं। बहुत से मठों और आश्रमों में लोग ब्रह्मलीन संतों की मूर्ति या समाधी की पूजा करते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन बहुत से लोग अपने दिवंगत गुरु अथवा ब्रह्मलीन संतों के चित्रा या उनकी पादुका का धूप, दीप, पुष्प, अक्षत, चंदन, नैवेद्य आदि से विधिवत पूजन करते हैं। गुरु को ब्रह्म कहा गया है, क्योंकि जिस प्रकार से वह जीव का सर्जन करते हैं, ठीक

उसी प्रकार से गुरु शिष्य का सर्जन करते हैं। हमारी आत्मा ईश्वर रूपी सत्य का साक्षात्कार करने के लिए बेचैन है और ये साक्षात्कार वर्तमान शरीरधारी पूर्ण गुरु के मिले बिना संभव नहीं है, इसीलिए हर जन्म में वो गुरु की तलाश करती है।

शिव हैं सबसे पहले गुरु

पुराणों के अनुसार, भगवान शिव सबसे पहले गुरु माने जाते हैं। शनि और परशुराम इनके दो शिष्य हैं। शिवजी ने ही सबसे पहले धरती पर सभ्यता और धर्म का प्रचार-प्रसार किया था इसलिए उन्हें आदिदेव और आदिगुरु कहा जाता है। शिव को आदिनाथ भी कहा जाता है। आदिगुरु शिव ने शनि और परशुराम के साथ 7 लोगों को दिया। ये ही आगे चलकर सात ह्यर्षि कहलाए और इन्होंने आगे चलकर शिव के ज्ञान को चारों तरफ फैलाया।

गुरु पूर्णिमा पर ऐसे करें पूजा

गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर स्नान कर लें। स्नान ध्यान करके भगवान विष्णु, शिवजी की पूजा करने बाद गुरु बृहस्पति, महर्षि वेदव्यास की पूजा करें इसके बाद अपने गुरु की पूजा करें। जानिए महत्व और किन्हें माना जाता है ब्रह्मांड का पहला गुरु घर की उत्तर दिशा में सफेद वस्त्र पर गुरु का चित्र रखें।

सागर की गोद में है ये शिव मंदिर, दिन में दो बार होता है गायब



गुजरात में शिवजी का एक ऐसा मंदिर है जिसका अभिषेक खुद समुद्र देवता करते हैं। यह मंदिर वडोदरा से 85 किमी दूर स्थित जंबूसर तहसील के कावी-कंबोई गांव में है। स्तंभेश्वर नाम का यह मंदिर दिन में दो बार सुबह और शाम को कुछ देर के लिए जलमग्न हो जाता है और कुछ देर बाद दिखाई देने लग जाता है। ऐसा ज्वार भाटा उठने के कारण होता है। इसके चलते आप मंदिर के शिवलिंग के दर्शन तभी कर सकते हैं, जब समुद्र में ज्वार कम हो। ज्वार के समय शिवलिंग पूरी तरह से जलमग्न हो जाता है और मंदिर तक कोई नहीं पहुंच सकता। यह प्रक्रिया सदियों से चली आ रही है। मंदिर अरब सागर के कैम्बे तट पर स्थित है। इस मंदिर की खोज लगभग 150 साल पहले हुई। मंदिर में स्थित शिवलिंग का आकार 4 फुट ऊंचा और दो फुट के व्यास वाला है। इस प्राचीन मंदिर के पीछे अरब सागर का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए खासतौर से पर्व बांटे जाते हैं जिसमें ज्वार-भाटा आने का समय लिखा होता है ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

ये है पौराणिक कथा

शिवपुराण के अनुसार, ताड़कासुर नाम के असुर ने भगवान शिव को अपनी तपस्या से प्रसन्न कर दिया था। जब शिव उसके सामने प्रकट हुए तो उसने वरदान मांगा कि उसे छह दिन की आयु का सिर्फ शिवजी का पुत्र ही मार सकेगा। शिव ने उसे यह वरदान दे दिया था। वरदान मिलते ही ताड़कासुर ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया। देवताओं और ऋषि-मुनियों को आतंकित कर दिया। देवताओं और ऋषि मुनियों ने शिव जी से उसका वध करने की प्रार्थना की। शिव-शक्ति से श्वेत पर्वत के कुंड में उत्पन्न हुए शिव पुत्र कार्तिकेय के 6 मस्तिष्क, चार आंख, बारह हाथ थे। कार्तिकेय ने ही मात्र 6 दिन की आयु में ताड़कासुर का वध किया था। जब कार्तिकेय को पता चला कि ताड़कासुर भगवान शंकर का भक्त था, तो वे काफी व्यथित हुए। फिर भगवान विष्णु ने कार्तिकेय से कहा कि वे वधस्थल पर शिवालय बनवा दें, इससे उनका मन शांत होगा। कार्तिकेय ने ऐसा ही किया। सभी देवताओं ने मिलकर महिसागर संगम तीर्थ पर विश्वनंदक स्तंभ की स्थापना की, जिसे आज स्तंभेश्वर तीर्थ के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि स्तंभेश्वर महादेव मंदिर में स्वयं शिवशंभु (भगवान शंकर) विराजते हैं इसलिए समुद्र देवता स्वयं उनका जलाभिषेक करते हैं। यहां पर महिसागर नदी का सागर से संगम होता है।

योगिनी एकादशी व्रत...

जीवन के सभी कष्टों को करता है दूर, पढ़ें एकादशी व्रत की कथा...

आषाढ मास के कृष्ण पक्ष यानी 24 जून 2022, शुक्रवार को योगिनी एकादशी तिथि है। माना जाता है कि योगिनी एकादशी का व्रत करने से इस पृथ्वी लोक पर भोग और परलोक में मुक्ति मिलती है। भगवान श्री हरि विष्णु को समर्पित एकादशी का व्रत करने से समस्त पापों का नाश हो जाता है। प्रत्येक माह में दोनों पक्षों कृष्ण पक्ष व शुक्ल पक्ष में एकादशी तिथि का व्रत किया जाता है। इस व्रत को सभी व्रतों में श्रेष्ठ बताया गया है। आषाढ मास के कृष्ण पक्ष यानी 24 जून 2022, शुक्रवार को योगिनी एकादशी तिथि है। माना जाता है कि योगिनी एकादशी का व्रत करने से इस पृथ्वी लोक पर भोग और परलोक में मुक्ति मिलती है। पौराणिक धार्मिक कथा के अनुसार इस दिन व्रत करने से कुष्ठ रोग से भी छुटकारा मिलता है। तो आइए जानते हैं योगिनी एकादशी व्रत की कथा।

योगिनी एकादशी की व्रत कथा

स्वर्ग की अलकापुरी नामक नगरी में कुबेर नाम का राजा था। वह शिव के उपासक था। हेम नाम का माली पूजन के लिए उसके यहां फूल लाया करता था। हेम की पत्नी थी विशालाक्षी। वह बहुत सुंदर स्त्री थी। एक दिन वह मानसरोवर से पुष्प तो ले आया लेकिन मन भटकने की वजह से वो पत्नी को देखकर कामासक्त हो गया और उसके साथ रमण करने लगा। उधर पूजा में विलम्ब होने के चलते राजा कुबेर ने सेवकों से माली के न आने का कारण पूछा तो सेवकों ने राजा को सारी बात सच बता दी। यह सुनकर कुबेर बहुत क्रोधित हुआ और उसने माली को श्राप दे दिया।

राजा कुबेर ने दिया माली को ये श्राप

गुस्से में कुबेर ने हेम माली से कहा कि तूने कामवश होकर भगवान शिव का अनादर किया है। मैं तुझे श्राप देता हूँ कि तू स्त्री का वियोग सहेगा और मृत्युलोक (पृथ्वी) में जाकर कोढ़ी बनेगा। कुबेर के श्राप से हेम माली का स्वर्ग से पतन हो गया और वह उसी क्षण पृथ्वी पर गिर गया। पृथ्वीलोक में आते ही उसके शरीर में कोढ़ हो गया। वो कई समय तक ये दुःख भोगता रहा।



मार्कण्डेय ऋषि ने बताया उपाय

एक एक दिन वह मार्कण्डेय ऋषि के आश्रम में पहुंच गया। उसे देखकर मार्कण्डेय ऋषि बोले तुमने ऐसा कौन सा पाप किया है, जिसके प्रभाव से तुम्हारी यह हालत हो गई। हेम माली ने पूरी बात उन्हें बता दी। उसकी व्यथा

सुनकर ऋषि ने उसे योगिनी एकादशी का व्रत करने के लिए कहा। हेम माली ने विधिपूर्वक योगिनी एकादशी का व्रत किया, जिसका उसे सफल परिणाम मिला। वो कुष्ठ रोग से मुक्ति पाकर अपने पुराने रूप में आ गया और पत्नी के साथ सुखी जीवन यापन करने लगा।

गायत्री मंत्र के जाप से मिलते हैं कई चमत्कारी लाभ

प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ माह शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गायत्री जयंती मनाई जाती है। इस साल गायत्री जयंती 11 जून 2022, दिन शनिवार को है। इस दिन मां गायत्री की विशेष आराधना की जाती है। इस दिन विधि-विधान से पूजा अर्चना के अलावा गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। गायत्री मंत्र को सर्वश्रेष्ठ मंत्रों में एक माना जाता है। वेदों में गायत्री मंत्र का विस्तार पूर्वक से वर्णन किया गया है। मान्यता है कि इस मंत्र में इतनी ऊर्जा है कि नियमित रूप से तीन बार इस महामंत्र का जाप करने से सारी नकारात्मक शक्तियां नष्ट हो जाती हैं। गायत्री मंत्र का जाप दिन में तीन बार करना चाहिए। **गायत्री मंत्र:** 'ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।'

गायत्री मंत्र का हिंदी अर्थ: 'उस सर्वरक्षक प्राणों से प्यारे, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अन्तः करण में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे।'

रोजाना तुलसी पूजा के दौरान करें ये छोटा सा काम, मिलेगा लाभ

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को पूजनीय माना गया है। सनातन धर्म को मानने वाले प्रत्येक घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगा होता है और सुबह शाम इसकी पूजा की जाती है। तुलसी के पत्तों को इतना पवित्र माना जाता है कि पूजा के दौरान देवी-देवताओं को भोग में तुलसी के पत्तों को चढ़ाया जाता है। भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है, इसलिए तुलसी को विष्णु प्रिया भी कहा जाता है। जो लोग नियमित रूप से तुलसी के पौधे की पूजा करते हैं, उनके ऊपर सदैव मां तुलसी के साथ भगवान विष्णु की भी कृपा बनी रहती है। घर में तुलसी का पौधा लगाने और नियमित पूजन करने से जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार जिस घर में प्रतिदिन तुलसी पूजन किया जाता है और सुबह शाम तुलसी के पौधे के नीचे दीपक प्रज्वलित होता है, वहां पर सदैव सुख-समृद्धि बनी रहती है। हिंदू धर्म में जिस प्रकार सभी देवी-देवताओं की पूजा में आरती की जाती है, ठीक उसी प्रकार मां तुलसी की पूजा में भी उनकी आरती करनी चाहिए। इससे घर में सुख समृद्धि आती है। यहां पढ़ें मां तुलसी की आरती...

तुलसी जी की आरती

जय जय तुलसी माता, मैय्या जय तुलसी माता।
सब जग की सुख दाता, सबकी वर माता॥
मैय्या जय तुलसी माता॥
सब योगों से ऊपर, सब रोगों से ऊपर।
रज से रक्ष करके, सबकी भव त्राता।
मैय्या जय तुलसी माता॥
बटु पुत्री है श्यामा, सूर बल्ली है ग्राम्या।
विष्णुप्रिय जो नर तुमको सेवे, सो नर तर जाता।
मैय्या जय तुलसी माता॥
हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वंदित।
पतित जनों की तारिणी, तुम हो विख्याता।



मैय्या जय तुलसी माता॥
लेकर जन्म विजन में, आई दिव्य भवन में।
मानव लोक तुम्हीं से, सुख-संपति पाता।
मैय्या जय तुलसी माता॥
हरि को तुम अति प्यारी, श्याम वर्ण सुकुमारी।
प्रेम अजब है उनका, तुमसे कैसा नाता।
हमारी विपद हरो तुम, कृपा करो माता।
मैय्या जय तुलसी माता॥
जय जय तुलसी माता, मैय्या जय तुलसी माता।

सब जग की सुख दाता, सबकी वर माता॥
मैय्या जय तुलसी माता॥

इस बात का रखें ध्यान

वैसे तो रोजाना सुबह-शाम तुलसी की पूजा की जाती है, लेकिन रविवार को तुलसी पूजा वर्जित माना गया है। ऐसे में इस दिन न तो तुलसी की पूजा और न ही तुलसी के पौधों में जल चढ़ाएं। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि रविवार को तुलसी की पत्तियों को भी न तोड़ें।

...तो नाराज हो जाती हैं धन की देवी मां लक्ष्मी

कई बार देखने में आता है कि कुछ लोगों की आय बहुत अच्छी होती है, उसके बावजूद भी घर में सुख शांति नहीं रहती। किसी न किसी वजह से उस घर के लोग परेशान रहते हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी उनके घर में बरकत नहीं होती है। पर्याप्त धन स्तोत्र होने के बाद भी दरिद्रता बनी रहती है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिनकी आय सीमित होने पर भी उनके घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। ऐसा आपकी अच्छी बुरी आदतों की वजह से भी हो सकता है। शास्त्रों के अनुसार, व्यक्ति की कुछ गलत आदतों और कार्य की वजह से धन की देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और अच्छी आय होने के बावजूद भी जीवन भर दरिद्रता का सामना करना पड़ता है। इसलिए भूलकर भी ये कार्य नहीं करने चाहिए। तो चलिए जानते हैं कि कौन से वे कार्य हैं, जिन्हें करने से मां लक्ष्मी घर छोड़कर चली जाती हैं...

प्रतिदिन देर तक सोना: जिन घरों में लोग सूर्योदय के बाद भी देर तक सोते रहते हैं और संध्या को सूर्यास्त के समय



भी सोते हैं। उस घर से मां लक्ष्मी चली जाती हैं और दरिद्रता का वास होता है। ऐसे लोगों को जीवन में धन संबंधित

समस्याओं और अशांति का सामना करना पड़ता है।
क्रोध : क्रोध किसी भी व्यक्ति को नर्क में ले जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अत्यधिक क्रोध करता है और अपशब्द बोलता है उस पर मां लक्ष्मी की कृपा नहीं बरसती है। इसलिए व्यक्ति को अत्यधिक क्रोध से बचना चाहिए।
निर्धनों के साथ बुरा व्यवहार: जिन घरों में असहाय और निर्धन लोगों का साथ बुरा व्यवहार किया जाता है। माना जाता है कि वहां पर कभी ईश्वर की कृपा नहीं होती है और ऐसे लोगों के घरों में दरिद्रता और दुखों का वास होता है।
गलत तरीके से कमाया धन: शास्त्रों में भी माना गया है कि गलत तरीके से कमाया हुआ धन ज्यादा देर तक नहीं टिकता। जो लोग गलत कार्यों और दूसरों को सताकर धन कमाते हैं, माना जाता है कि मां लक्ष्मी उनसे नाराज हो जाती हैं और ऐसे कमाया गया धन बहुत ही जल्द नाश हो जाता है।
घर को गंदा रखने से: देवी लक्ष्मी को साफ-सफाई अति प्रिय है। ऐसे में जिस घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है वहां मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है।

सोने से पहले करें यह योगासन, तेजी से कम होगा आपका वजन



बद्धकोणासन को बटरफ्लाई पोज भी कहा जाता है। यह एक बेहद ही आसान योगासन है, जो वजन कम करने के साथ-साथ मासिक धर्म और गर्भावस्था के दौरान ऐंठन और पीठ दर्द से राहत दिलाने में भी मददगार है। वजन कम करने के लिए अमूमन लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन प्राकृतिक रूप से वजन कम करने का आसान तरीका है एक्सरसाइज करना। अमूमन लोग वजन कम करने के लिए बहुत अधिक कसरत करते हैं, जिसके कारण वह बहुत अधिक थक जाते हैं और बहुत जल्द ही अपने एक्सरसाइज रूटीन को ब्रेक कर देते हैं। लेकिन अगर आप एक आसान तरीका अपनाकर बेस्ट रिजल्ट चाहते हैं तो ऐसे में योगाभ्यास किया जा सकता है। ऐसे कई योगासन हैं, जिन्हें अगर सोने से पहले किया जाए तो इससे आपको जल्द ही रिजल्ट मिलने लगते हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में-

बद्धकोणासन

बद्धकोणासन को बटरफ्लाई पोज भी कहा जाता है। यह एक बेहद ही आसान योगासन है, जो वजन कम करने के साथ-साथ मासिक धर्म और गर्भावस्था के दौरान ऐंठन और पीठ दर्द से राहत दिलाने में भी मददगार है।

- इस आसन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले मैट बिछाकर बैठ जाएं।
- अब अपने दोनों घुटनों को बाहर की ओर मोड़ते हुए अपने पैरों के तलवों को आपस में मिला लें।
- अब, गहरी सांस लें और अपनी जांघों और घुटनों को फर्श की ओर दबाएं जिससे हल्का दबाव पड़े।

- धीमी गति में अपने दोनों पैरों को कूल्हे से तितली के पंखों की तरह लगभग 60 सेकंड तक हिलाएं और फिर रिलैक्स हो जाएं।
- आप क्षमतानुसार इस आसन का अभ्यास करें।

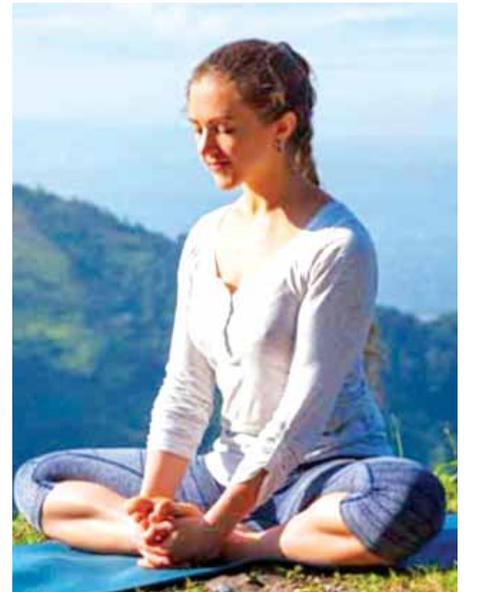
सेतुबंधासन

सोने से पहले इस आसन का अभ्यास करना आपके लिए भी लाभदायक हो सकता है। यह आपके शरीर के निचले हिस्से को टोन करने के साथ-साथ उसे मजबूत भी बनाता है।

- इस आसन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले अपनी पीठ के बल चटाई पर लेट जाएं।
- अपने पैरों को घुटनों से मोड़ें और अपने पैरों को हिप के बराबर चौड़ाई की दूरी पर रखें।
- अब, श्वास भरते हुए अपने कूल्हों को हल्का उठाने का प्रयास करें।
- धीरे-धीरे सांस छोड़ें और कूल्हों को वापस फर्श पर लाएं।
- इस क्रिया को 10 बार दोहराएं और फिर 1 मिनट तक इसी अवस्था में रहें।

बालासन

बालासन आपके नर्वस सिस्टम को रिलैक्स करता है, जिसके कारण आपको अच्छी नींद आती है। साथ ही, यह वजन कम करने में भी मदद करता है। यह मासिक धर्म में ऐंठन, और पीएमएस के लक्षणों को कम करने में मदद करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को



बेहतर बनाता है।

- सबसे पहले मैट पर घुटने मोड़ते हुए बैठ जाएं।
- अब कमर से आगे की ओर झुकें और अपने सिर को सामने की ओर नीचे करके फर्श को छुएं।
- इस दौरान अपने हाथों को बगल में फर्श पर रखें और कंधों को फर्श की ओर आराम दें।
- इस मुद्रा में 30 सेकंड से 1 मिनट तक आराम करें। उसके बाद प्रारंभिक अवस्था में लौट आएं।

ये आदतें आपको ब्लड प्रेशर रोगी बनने से बचाएंगी....

ब्लड प्रेशर, मौजूद समय की सबसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इसका बढ़ना और कम होना, दोनों ही स्थितियां शारीरिक समस्याओं का कारण बन सकती हैं। ब्लड प्रेशर बढ़ने से हृदय रोग की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, जबकि इसका कम होना कमजोरी थकान और कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि हमारी जीवनशैली और खानपान की गड़बड़ आदतें ब्लड प्रेशर की समस्या का कारण बन सकती हैं, यही वजह है कि सभी लोगों को अपनी दिनचर्या को स्वस्थ रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है, जो रक्तचाप के जोखिम को कम करने में आपके लिए सहायक हों। हम क्या खाते हैं, किस तरह की जीवनशैली का पालन करते हैं, यह आदतें भी ब्लड प्रेशर में बढ़ोतरी या कमी का कारण बन सकती हैं। ब्लड प्रेशर के असामान्य स्तर पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती है।

नियमित व्यायाम की आदत



शारीरिक निष्क्रियता को ब्लड प्रेशर की समस्या का मुख्य कारक माना जाता है। ऐसे में नियमित व्यायाम, यहां तक कि वॉक करने की आदत भी रक्तचाप को कंट्रोल करने में आपके लिए मददगार हो सकती है। व्यायाम हृदय को मजबूत करता है, जिससे वह अधिक कुशलता से रक्त पंप कर पाता है। इसके अलावा व्यायाम की आदत आपके वजन को कंट्रोल करने में भी सहायक है जो रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करती है।

तनाव कम करने वाले उपाय



अध्ययनों से पता चलता है कि अधिक तनाव लेने वाले लोगों में समय से पहले ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है। तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं। ये हार्मोन आपके हृदय गति को बढ़ाकर रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके रक्तचाप को बढ़ा सकते हैं। इस तरह से तनाव को कम करने वाले उपाय रक्तचाप को नियंत्रित करने में आपके लिए सहायक हैं। इसके लिए योग-मेडिटेशन की आदत बनाइए।

बढ़ाएँ पोटैशियम की मात्रा



पोटैशियम युक्त आहार का सेवन आपके हृदय और धमनियों को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक है। आलू, केला, पालक और बीन्स जैसे खाद्य पदार्थों में पोटैशियम होता है। प्रतिदिन 2,000 से 4,000 मिलीग्राम पोटैशियम लेने से रक्तचाप कम करने में मदद मिल सकती है। टमाटर, एवोकाडो, तरबूज और सूखे मेवे भी आपकी दैनिक पोटैशियम की आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति कर सकते हैं, इन्हें आहार में जरूर शामिल करें।

अच्छी नींद लेना जरूरी



रक्तचाप और हृदय रोगों की समस्या से बचे रहने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी माना जाता है। जो लोग छह घंटे या उससे कम सोते हैं उनमें रक्तचाप में तेज वृद्धि होने का जोखिम अधिक होता है। यदि आपको पहले से ही उच्च रक्तचाप की समस्या है, तो रात में अच्छी नींद लेकर आप इसे कंट्रोल में रख सकते हैं। नींद आपके शरीर को तनाव और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने में भी मदद करती है।

स्पेन में शूटिंग करते दिखे रणबीर और श्रद्धा कपूर

अभिनेता रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर पिछले कुछ समय से लव रंजन खुराना की फिल्म में बिजी हैं। अभिनेता अपनी शादी के बाद तुरंत इस फिल्म की शूटिंग के लिए चले गए थे। हाल ही में लव रंजन खुराना की फिल्म से रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। ये एक बिहाईड द सीन वीडियो है, जिसमें दोनों को गाने की शूटिंग करते हुए देखा जा सकता है। बता दें कि रणबीर और श्रद्धा इस समय शूटिंग के लिए स्पेन में हैं। सोशल मीडिया पर फैन पेज से एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें देखा जा सकता है कि सेट पर एक डांस की शूटिंग चल रही है। इसके लिए रणबीर सफेद रंग के शर्ट और पैट में हैं वहीं श्रद्धा ने पीले रंग की शॉर्ट ड्रेस पहनी है। एक कोरियोग्राफर दोनों को डांस के स्टेप्स सिखा रही हैं। इस दौरान रणबीर की पीठ कैमरे की ओर है वहीं श्रद्धा एक शोड के नीचे खड़ी हैं।



पहाड़ों के बीच कंगना रणौत ने बनाया आशियाना...



बॉलीवुड की पंगा गर्ल अभिनेत्री कंगना रणौत अक्सर अपने विवादित बयानों और टिप्पणियों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन सोशल मीडिया पर किसी ना किसी वजह से सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इसी क्रम में एक बार फिर एक्ट्रेस चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बार उनकी चर्चा का विषय कोई बयान या विवाद नहीं है, बल्कि अभिनेत्री अपने आशियाने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, एक्ट्रेस ने हाल ही सोशल मीडिया पर अपने घर की तस्वीर शेयर की है। शेर की गई इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का घर बेहद खूबसूरत नजर आ रहा है। कंगना ने हिमाचल प्रदेश के मनाली में अपने सपनों का घर बनाया है, जिसकी झलक

उन्होंने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर साझा की है। सामने आई इन तस्वीरों को देख पता चल रहा है कि कंगना का यह घर पारंपरिक पहाड़ी स्टाइल में बनाया है। घर की दीवारों को भी नदी के पत्थरों और यहां की लोकल स्लेट और लकड़ियों से बनाया गया है।

अपने घर की इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस कैप्शन में लिखा, यह भारतीय लेबल का है। इसका डिजाइनर भी नॉर्थ ईस्ट से है। यह सभी लोग बहुत प्रतिभाशाली और शानदार हैं, मैं इनकी फैन हो गई हूँ। कंगना का यह नया घर किसी महल से कम नहीं है। अभिनेत्री के घर में कई सारे बेडरूम हैं। इसके अलावा घर की दीवारों से लेकर फर्नीचर तक हर चीज काफी रॉयल है।

आईफा अवॉर्ड्स 2022 के लिए अबू धाबी जा सकेंगी जैकलीन



बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज बीते कई समय से विवादों के चलते सुर्खियों में हैं। 200 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में एक्ट्रेस की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसी बीच हाल ही में इस मामले में जैकलीन के लिए एक राहत की खबर सामने आई है। अभिनेत्री अब अबू धाबी में होने वाले आईफा (IIFA) अवॉर्ड 2022 में शिरकत कर पाएंगी। इस सिलसिले में एक्ट्रेस को दिल्ली कोर्ट की तरफ से अनुमति मिल गई है। इस मामले में सामने आई जानकारी के मुताबिक आईफा (IIFA) अवॉर्ड 2022 में हिस्सा लेने के लिए अब जैकलीन अबू धाबी की यात्रा कर सकेंगी। इस सिलसिले में शनिवार को अभिनेत्री को दिल्ली कोर्ट से अनुमति भी मिल चुकी है। कोर्ट ने उन्हें 31 मई से 6 जून के बीच अबू धाबी की यात्रा करने की अनुमति दी है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर ईडी के निशाने पर हैं।

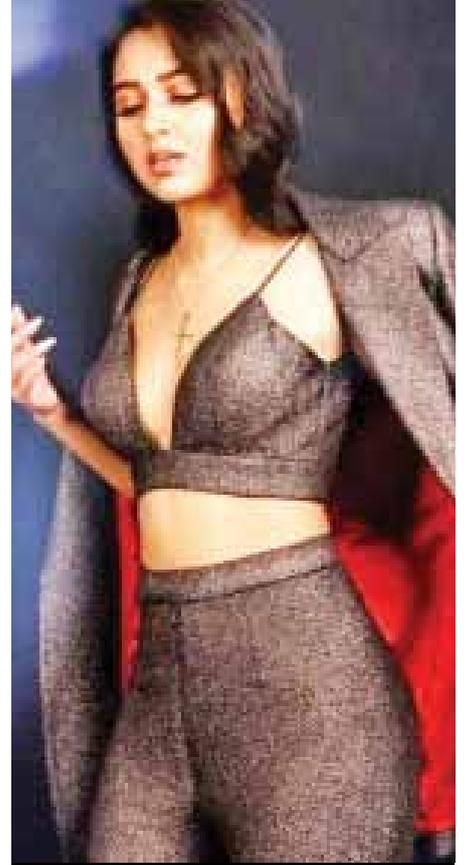
सनी लियोनी के साथ कर दी ऐसी हरकत, और कर दी चप्पल से पिटाई...



बॉ लीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। उनके फोटो और वीडियो फैंस को काफी पसंद आते हैं। अभिनेत्री का सोशल मीडिया अकाउंट उनकी फनी वीडियोज से भरा पड़ा है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपना एक वीडियो शेयर किया था, जो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में एक शख्स ने सनी के साथ ऐसी हरकत कर दी कि उब वह उससे बदला लेना चाहती हैं। इतना ही नहीं सनी ने उस शख्स को चप्पल भी मारी। दरअसल, सनी ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें दिखाई दे रहा है कि सनी लियोनी का एक दोस्त उन्हें पूल में धक्का दे देता है। इसके बाद सनी पुल से ही अपनी चप्पल उठाकर दोस्त को मारती हैं। उनके इस फनी वीडियो को देख फैंस की भी हंसी छूट गई। वीडियो को शेयर करते हुए सनी ने बदला लेने की बात कही है। वहीं, इसके बाद सनी ने एक और वीडियो शेयर किया,

जिसमें वह पुल से बाहर आ गई हैं और बाकी लोगों के साथ चलती हुई दिखाई दे रही हैं। इतने में ही उनका दोस्त वीडियो में सनी से उनका हाल पूछता है, जिस पर सनी कहती हैं, 'मैं कुछ कहना चाहती हूँ, लेकिन कुछ बच्चे भी यह वीडियो देखेंगे इसलिए नहीं कह रही। वैसे तुम्हें मेरा लुक पसंद आ रहा है न, जिसमें मेरी चप्पल पानी की वजह से आवाज कर रही हैं और बाथरोब हैवी हो गया है।' इसके कैप्शन में भी सनी ने लिखा कि मैं इसका बदला लूंगी। आपको बता दें की सनी इन दिनों अपने किसी प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं। वह आए दिन अपनी वीडियो भी फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। वहीं, सनी ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत 2012 में महेश भट्ट की फिल्म 'जिस्म 2' से की थी, जिसके बाद कई फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रह चुकी हैं। बीते दिनों वह एमएक्स प्लेयर के शो 'अनामिका' में नजर आए थीं।

बोल्ड अंदाज में नजर आईं तेजस्वी प्रकाश



ते जस्वी प्रकाश टीवी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं। हर साल 10 जून को वह अपना जन्मदिन मनाती हैं। बिग बॉस की ट्रॉफी अपने नाम करने के बाद उनकी फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग के अलावा अपनी लव लाइफ की वजह से भी अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इसके अलावा वह अपने बोल्ड अवतार की वजह से भी चर्चा में आ जाती हैं। आज उनके जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनकी उन बोल्ड फोटोज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। तेजस्वी प्रकाश अक्सर ही अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। इस तस्वीर में तेजस्वी ने ब्लैक कलर की साड़ी पहनी है, जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। डीप नेक ब्लाउस के साथ तेजस्वी ने गले में एक नेकपीस भी पहना है, जो उनके लुक को और भी ग्लैमरस बना रहा है।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इस तस्वीर के साथ तेजस्वी ने कैप्शन में लिखा, 'कैमरे के करीब आने की हमेशा कोशिश में रहती हूँ।' फैंस को तेजस्वी का यह अंदाज काफी पसंद आया था। इस फोटो को तीन लाख साठ हजार से ज्यादा लोगों ने पसंद किया था। वहीं, हजारों लोगों ने कमेंट कर उनकी अदाओं की तारीफ की थी। इस फोटो को एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर शेयर का इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया था। फोटो पर लोगों ने जमकर कमेंट और लाइक्स की बरसात की थी। कुछ फैंस इस फोटो को ब्यूट बता रहे थे तो कुछ इसे बहुत ज्यादा बोल्ड कह रहे थे।

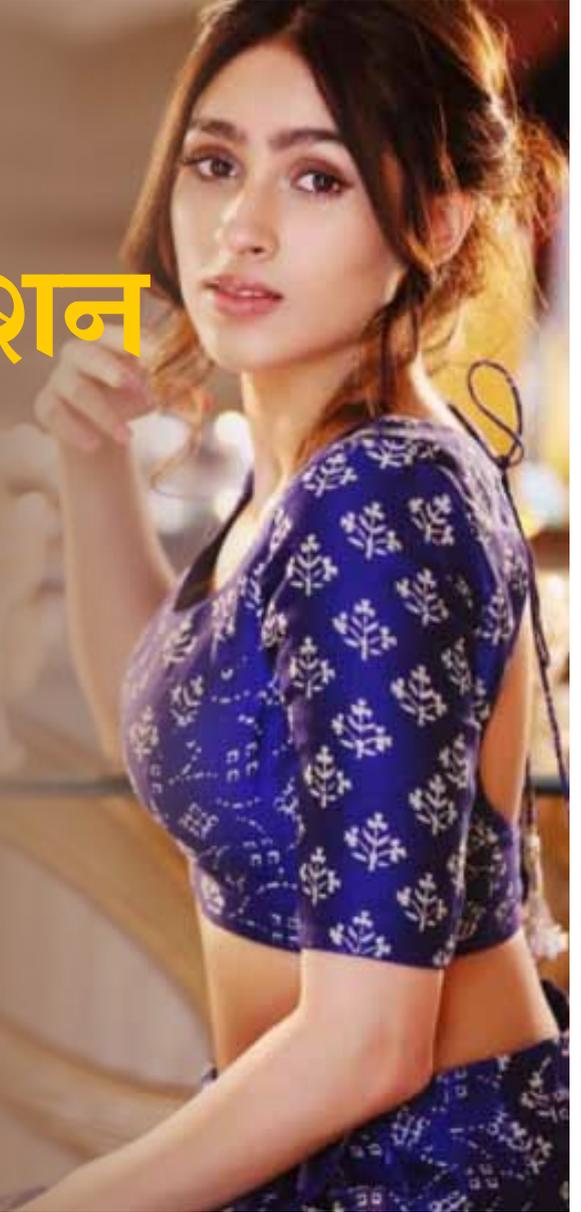
बॉलीवुड में एंट्री करेंगी ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना

शा हिद कपूर-अमृता राव की साल 2003 में आई टीन-रोमांस फिल्म 'इश्क विशक' का सीक्वल अगले साल रिलीज होने वाला है। इस फिल्म के सीक्वल का नाम 'इश्क विशक रिबाउंड' रखा गया है। जहां शाहिद के रोल को 'डीयर जिंदगी' में नजर आ चुके अभिनेता रोहित सुरेश सराफ निभाते हुए नजर आएंगे, वहीं फिल्म में एक नई हिरोइन की एंट्री होने वाली है। दरअसल, यह फिल्म इस समय बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन के बॉलीवुड डेब्यू की वजह से चर्चाओं में है। संगीतकार राजेश रोशन की बेटी, स्टेज एक्ट्रेस आखिरकार निर्देशक निपुण अविनाश धर्माधिकारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

पश्मीना रोशन अपनी इस नई यात्रा को लेकर काफी उत्साहित हैं। अपने करियर के शुरू होने की घोषणा करने के लिए पश्मीना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो को साझा करते हुए पश्मीना ने लिखा, 'ऐसा लगता है कि वर्षों की तपस्या

और कड़ी मेहनत आखिरकार सफल हो रही है। मैं स्क्रीन पर अपना पहला अनुभव आपके सामने लाने के लिए बेहद उत्साहित और नर्वस हूँ.....जब रिश्तों को एप पर पाया जा सकता है, और चैट में खो दिया जाता है, तब प्यार को अपग्रेड करने की जरूरत होती है। इश्क विशक रिबाउंड....आगे बढ़ने का समय आ गया है।'

साझा किए गए वीडियो की शुरुआत 2003 में आई फिल्म के एक पोस्टर के साथ होती है, जिसके बाद उसमें '2023 में रीबूट करने के लिए तैयार हो जाओ' लिखा हुआ आता है। मेकर्स ने क्लासिक हिट की पुरानी यादों को ताजा करते हुए, अनाउंसमेंट वीडियो में खुलासा किया है कि फिल्म के सीक्वल में पश्मीना रोशन, रोहित सराफ, जिन्नान खान और नैला ग्रेवाल स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। यह फिल्म दो दशक के बाद रिलीज होने जा रही है। सामने आए नामों में से जहां पहले तीन एक्टर्स ने अपनी एक्टिंग का नमूना सभी के सामने पेश कर रखा है, वहीं पश्मीना के लिए यह सब एकदम नया होगा।



गर्दा उड़ाने आ रही हैं भोजपुरी अक्षरा...

भो जपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वह एक अच्छी एक्ट्रेस होने के साथ-साथ गायिका भी हैं। उनके चाहने वालों की फेहरिस्त भी काफी लंबी है। अभिनेत्री अक्षरा सिंह सुर्खियों में भी खूब बनी रहती हैं। कभी अपनी फिल्मों तो कभी अपने गानों की वजह से वह चर्चा में आ जाती हैं। अब एक बार फिर से अभिनेत्री का नया गाना रिलीज होने वाला है। जिसकी पहली झलक देखकर लग रहा है कि इस गाने से भी अक्षरा सिंह धमाल मचाने वाली हैं।

अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिसमें वह जिसमें वह अपने अंदाज से एक बार फिर फैंस को दीवाना बना रही हैं।

अभिनेत्री ने कैप्शन के जरिए गाने का टाइटल तो नहीं बताया है, लेकिन पोस्टर में 'रॉकेट जवानी' लिखा दिख रहा है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये उनके नए म्यूजिक ट्रैक का टाइटल हो सकता है।

अक्षरा सिंह ने अपना गाने की रिलीज की पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आ रही हूँ गर्दा उड़ाने कुछ नया लेकर जो मैंने पहले कभी नहीं आजमाया। आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है। उनकी इस पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटाते दिख रहे हैं। एक प्रशंसक ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, अरे वाह अक्शु दी (अक्षरा सिंह) ये सॉन्ग भी सुपर डुपर हिट होगा। बेस्ट ऑफ लक दीदू। इसी तरह से एक दूसरे प्रशंसक ने लिखा, आपकी झलक सबसे अलग।



मा. शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



मा. नरोत्तम मिश्रा
गृह मंत्री, मध्यप्रदेश



मा. भूपेंद्र सिंह
नगर विकास मंत्री, मध्यप्रदेश

विलौआ नगरपरिषद समस्त विलौआ नगर वासियों से यह अपील करती है...

1. स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखे साथ ही कचड़ा नगर परिषद विलौआ की कचड़ा लेने आने वाली गाड़ी में डाले।
2. डेंगू बीमारी डेंगू मच्छरों के काटने से होती है इसलिए डेंगू विमारी से बचने के लिए, आस पास गदंगी ना फैलाये, और ना आस पास गंदे पानी को एकत्रित होने दे। क्योंकि मच्छरों पनपने का ऐसे स्थान बहुत उचित होते हैं।
3. कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन अवश्य लगावाए जिन्होंने प्रथम डोज लगवा लिया है वो दूसरा

- डोज अवश्य लगवाये, जिनको प्रथम डोज नहीं लगा है वो अपने आधार कार्ड को लेकर अस्पताल और बैक्सीनेशन शिविर में जाकर रजिस्ट्रेशन कराए और तुरंत वैक्सीन लगवाये। जिससे आप भी सुरक्षित रहे साथ में माता पिता और परिवार को सुरक्षित रखे।
4. विलौआ नगर परिषद हमेशा आपकी सेवा में तत्पर्य है आप भी नगर परिषद का सहयोग करे जिससे विलौआ नगर परिषद का विकास हो सके।
5. पेड़ पौधों को अवश्य लगाए।
6. करों, नलों के विल का भुगतान अवश्य करे।

प्रशासक
विलौआ

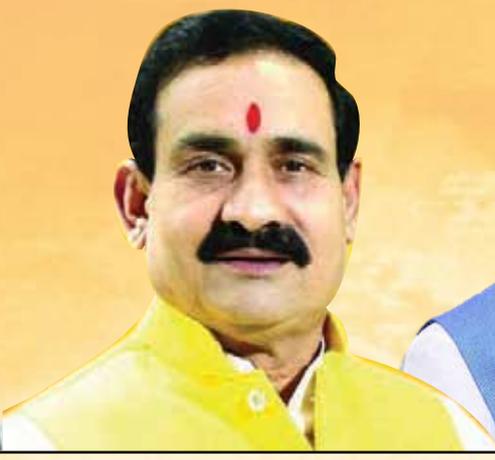


कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर ग्वालियर

सीएमओ पीछोर
नगर परिषद



मा. शिवराजसिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



मा. नरोत्तम मिश्रा
गृह मंत्री, मध्यप्रदेश



मा. भूपेंद्र सिंह
नगर विकास मंत्री, मध्यप्रदेश



प्रशासक
बृज मोहन आर्य



कौशलेंद्र विक्रम सिंह
कलेक्टर, ग्वालियर



पीयूष श्रीवास्तव
सीएमओ नगर परिषद

पीछोर नगर परिषद समस्त पिछोर नगर वासियों से यह अपील करती है...

1. स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखे साथ ही कचड़ा नगर परिषद की कचरा लेने आने वाली गाड़ी में डाले।
2. डेंगू बीमारी डेंगू मच्छरों के काटने से होती है इसलिए डेंगू विमारी से बचने के लिए , आस पास गदंगी ना फैलाये, और ना आस पास गंदे पानी को एकत्रित होने दे। क्योंकि मच्छरों पनपने का ऐसे स्थान बहुत उचित होते है ।
3. कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन अवश्य लगावाए जिन्होंने प्रथम डोज लगावा लिया है वो दूसरा डोज अवश्य लगावाये, जिनको प्रथम डोज नहीं लगा है वो अपने
- आधार कार्ड को लेकर अस्पताल और वैक्सीनेशन शिविर में जाकर रजिस्ट्रेशन कराए और तुरंत वैक्सीन लगावाये। जिससे आप भी सुरक्षित रहे साथ में माता पिता और परिवार को सुरक्षित रखे।
4. पिछोर नगर परिषद हमेशा आपकी सेवा में तत्पर है आप भी नगर परिषद का सहयोग करे जिससे पीछोर नगर परिषद का विकाश हो सके।
5. पेड़ पौधों को अवश्य लगाएं।
6. करों, नलों के विल का भुगतान अवश्य करें ।
7. कालिंदी उत्सव में आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं ।